हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

धनबाद व रांची से एक साथ प्रकाशित

धनबाद, बुधवार 15 अप्रैल, 2026, वर्ष: 35 अंक : 22, मूल्य: 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पुलिस महानिदेशक ने अग्निशमन सेवा सप्ताह का बैज लगाया

रांची(ईएमएस)।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पुलिस महानिदेशक गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा एमएस भाटिया ने भेंट की। उन्होंने अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर सीएम को बैज लगाया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अग्निशमन विभाग के कार्यों की सराहना की।इस अवसर पर मुख्यमंत्री कहा कि अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत राज्य में अग्नि सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया जाना एक सराहनीय कार्य है। अग्निशमन सेवा के जवान अपनी जान की परवाह किये बिना लोगों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।आपदा के समय अग्निशमन सेवा कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।राज्य सरकार द्वारा अग्निशमन सेवा से जुड़े संसाधनों को निरंतर मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

कैबिनेट की बैठक बुधवार को, आ सकता है वित्त आयोग के अवधि विस्तार का प्रस्ताव

रांची(ईएमएस)।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में 15 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक होगी।नये वित्तीय वर्ष में यह पहली कैबिनेट की बैठक है। इसमें झारखंड राज्य वित्त आयोग को अवधि विस्तार देने से संबंधित प्रस्ताव आ सकता है। गौरतलब है कि झारखंड वित्त आयोग का कार्यकाल समाप्त हो गया है।तीन सदस्यीय वित्त आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी एपी सिंह थे। सदस्य हरीश्वर दयाल और पंचायती राज निदेशक थे।आयोग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 की अनुशंसा राज्य को दी थी।इसी अनुशंसा के आलोक में भारत सरकार ने पंचायतों के लिए राशि आवंटित की है।बताया गया कि उक्त तीनों पदाधिकारियों को अगले वित्तीय वर्ष के लिए अवधि विस्तार दिये जाने की संभावना है।कैबिनेट की बैठक में कई अन्य प्रस्ताव भी आयेंगे।इसमें कोर्ट के आदेश के अनुपालन से संबंधित प्रस्ताव शामिल हैं।

राज्यपाल से मिलीं रांची विवि की नवनियुक्त कुलपति प्रो सरोज शर्मा

रांची(ईएमएस)।राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को रांची विवि की नवनियुक्त कुलपति प्रो सरोज शर्मा ने लोक भवन में शिष्टाचार मुलाकात की।इनके साथ विवि के रजिस्ट्रार डॉ जीसी साहु भी उपस्थित थे।इस अवसर पर राज्यपाल ने कुलपति से कहा कि वे उच्च शिक्षा में गुणात्मक विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।रांची विवि राज्य का सबसे पुराना विवि है।वे चाहते हैं कि राज्य में उच्च शिक्षा का ऐसा वातावरण स्थापित हो, जिससे अन्य राज्यों के विद्यार्थी भी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित हों।साथ ही यहां के विवि की गणना राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट संस्थानों में हो। राज्यपाल ने कुलपति से कहा कि विवि में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है।विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ अनुशासन, शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करना भी आवश्यक है।राज्यपाल ने कुलपति को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में विवि नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।इधर राज्यपाल से मंगलवार को ही लोक भवन में गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाओं के महानिदेशक एमएस भाटिया ने भेंट की तथा अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर उन्हें बैज लगाया। इस अवसर पर राज्यपाल ने अग्निशमन सेवाओं की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में अग्निशमन कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

हेमंत सोरेन ने कल्पना संग तपोवन मंदिर निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

रांची(ईएमएस)।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने मंगलवार को निवारणपुर, रांची स्थित श्री राम जानकी तपोवन मंदिर में पूजा-अर्चना कर समस्त झारखंड वासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्री राम जानकी तपोवन मंदिर नवनिर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया।मौके पर मुख्यमंत्री को श्री राम जानकी तपोवन मंदिर नवनिर्माण समिति, रांची के सदस्यों ने मंदिर के नवनिर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी चरणों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मंदिर के महंत श्री ओमप्रकाश शरण, मंदिर नव निर्माण समिति के प्रणय कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।गौरतलब है कि एक दिन पहले ही मंदिर नव निर्माण समिति के सदस्यों ने सीएम मुलाकात कर निर्माण की जानकारी दी।इसके बाद सीएम ने स्वयं वहां आकर निरीक्षण की बात कही थी।

झारखंड में आज चढ़ेगा पारा, रांची में गर्मी, जमशेदपुर-पलामू में 40°C के करीब तापमान, बारिश के आसार नहीं

रांची : झारखंड में आज मौसम पूरी तरह से साफ रहने वाला है. हालांकि रांची, पलामू, जमशेदपुर का मौसम ज्यादा गर्म रहेगा. वहीं, आसमान पूरी तरह से साफ रहेगा. आईएमडी के अनुसार आज झारखंड में बारिश की कोई संभावना नहीं है. आज दिनभर हवाएं हल्की से मध्यम चलती रहेंगी. झारखंड के कई जिलों के तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है. यह गर्मी दिन और शाम दोनों महसूस होगी. आइये जानते हैं आज कैसा रहने वाला है रांची का मौसम. झारखंड के जमशेदपुर और पलामू में आज सबसे ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है.

क्योंकि यहां का तापमान आज 39-40°C के करीब पहुंच सकता है. वहीं, रांची और गुमला में थोड़ी राहत मिल सकती है, लेकिन पूरे झारखंड में गर्मी का माहौल बना रहेगा. आज कहीं भी बारिश होने की कोई संभावना नहीं है. आज आसमान पूरी तरह से साफ रहने वाला है. इसके अलावा आईएमडी के पूर्वानुमान में 14 अप्रैल को झारखंड में कहीं भी हीटवेव का अलर्ट जारी नहीं किया गया है. जबकि हालांकि 17 अप्रैल के बाद कुछ हिस्सों खासकर पूर्वी और दक्षिणी झारखंड में हीटवेव की संभावना जताई गई है. अभी तापमान सामान्य से ऊपर है, लेकिन हीटवेव की सीमा 40°C पार नहीं हुई है.

आंबेडकर जयंती पर झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने दी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि, कहा

'बाबा साहेब के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता'

रांची : डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के मौके पर मंगलवार (14 अप्रैल) को झारखंड सहित पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए गए. राजधानी रांची में भी इस अवसर पर विशेष आयोजन हुआ, जहां कई बड़े नेताओं ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी. रांची के हाईकोर्ट स्थित आंबेडकर चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी कल्पना सोरेन और राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने पहुंचकर बाबा साहेब की प्रतिमा पर फूल अर्पित किए. इस दौरान झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी. कार्यक्रम स्थल को फूलों से सजाया गया था और माहौल श्रद्धा से भरा हुआ था. इसके अलावा डोरंडा स्थित अंबेडकर चौक पर भी एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने माल्यार्पण कर बाबा साहेब को याद किया. इस दौरान कई प्रशासनिक अधिकारी और राजनीतिक हस्तियां भी मौजूद रहीं.

देश की सबसे बड़ी ताकत है संविधान : सीएम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस मौके पर कहा कि बाबा साहेब का संविधान आज देश की सबसे बड़ी ताकत है. उन्होंने कहा कि हम सभी एक लोकतांत्रिक भारत में रह रहे हैं, जो उनके विचारों और मेहनत का परिणाम है. उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता और पूरी दुनिया उनके विचारों का सम्मान करती है.

संघर्षपूर्ण रहा बाबा साहब का जीवन : सीएम

सीएम हेमंत सोरेन ने आगे यह भी कहा कि बाबा साहेब ने समाज में समानता और न्याय के लिए जीवनभर संघर्ष किया. उन्होंने वंचित और कमजोर वर्गों को उनके अधिकार दिलाने में अहम भूमिका निभाई. उनके विचार आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं.

आखिरकार हो गया बिहार में नीतिश युग का अंत, अब राज्य में भगवा सरकार

बीजेपी ने मुरेठाधारी सम्राट चौधरी को सौंपी नई सरकार की कमान

पटना (ईएमएस)। बिहार की राजनीति के लिए 14 अप्रैल 2026 का दिन राजनैतिक बदलाव का गवाह बना। करीब दो दशकों तक बिहार की सत्ता के केंद्र रहे नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। नीतिश के इस्तीफे के बाद बिहार में भगवा दल के लिए सीएम बनने का रास्ता साफ हो गया। इसके बाद बीजेपी ने मुरेठाधारी सम्राट चौधरी के नेतृत्व में नई सरकार बनने का ऐलान कर दिया। इस नई सरकार का शपथ ग्रहण 15 अप्रैल को होने वाला है। राजनीति के जानकारों के अनुसार भाजपा के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि बिहार में लंबे समय बाद वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज होगी। बता दें कि कभी राजद और जदयू के सिपाही रहे सम्राट आज भाजपा के उस 'किंग' की भूमिका में नजर आएंगे, जिन्होंने नीतीश के साथ सत्ता की साझेदारी में अपनी एक अलग और मजबूत पहचान बिहारवासियों के सामने बनाई। दरअसल सम्राट चौधरी को राजनीति विरासत में मिली है। उनके पिता शकुनी चौधरी बिहार के कद्दावर नेताओं में गिने जाते थे। सम्राट ने 1990 में सक्रिय राजनीति में कदम रखकर महज 31 साल की उम्र में 1999 में कृषि मंत्री बनकर अपनी धमक दिखा दी। परबत्ता विधानसभा क्षेत्र से उनकी जीत ने उन्हें राज्य की राजनीति में स्थापित किया।

सम्राट का बीजेपी में शामिल होना उनके करियर का 'टर्निंग पॉइंट' साबित हुआ। वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें बिहार प्रदेश का उपाध्यक्ष नियुक्त किया। उन्होंने विधान परिषद में भी विरोधी दल के नेता की भूमिका निभाई। 2023 के मार्च महीने में वे भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए, जो इसका साफ संकेत था कि आलाकमान उन पर बड़ा दांव खेलने जा रहा है। फिर जनवरी 2024 में उन्हें बिहार का उपमुख्यमंत्री (डिप्टी सीएम) बनाया गया। इसके बाद दुबारा 20 नवंबर 2025 को उन्होंने फिर से डिप्टी सीएम पद दिया गया। बता दें कि भाजपा में आने के बाद शुरुआती दौर में सम्राट नीतीश के विरोधी नेता के तौर पर उभरे और उन्होंने संकल्प लिया था कि जब तक नीतीश को सत्ता से बाहर नहीं करते, वे अपनी पगड़ी नहीं खोलने वाले है।

राशन कार्ड धारकों के लिए बड़ी चेतावनी

30 जून तक ई-केवाईसी नहीं कराया तो कट जाएगा नाम, फ्री राशन होगा बंद

रांची : यदि आप झारखंड के निवासी है और फ्री में सरकार की ओर से मिलने वाले राशन कार्ड योजना का लाभ लेते है तो आपको थोड़ा सावधान होना होगा. क्योंकि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अब राशन कार्ड धारकों पर सरकार ने सख्ती बढ़ा दी है. सरकार की ओर से राशन कार्ड को लेकर एक बड़ा ऐलान किया गया है.जिसके बारे में अगर आप नहीं जानते हैं तो आगे आपको बड़ी परेशानी झेलनी पड़ सकती है.सरकार राशन कार्ड को लेकर कौन सा बड़ा ऐलान किया है चलिए जानते है.

केंद्र सरकार की ओर से राशन कार्ड योजना में फर्जीवाड़ा को रोकने के लिए सरकार की ओर से समय-समय पर ई केवाईसी को लेकर डेडलाइन जारी की जाती है. ताकि इसमे पारदर्शिता लाई जा सके और जो फर्जी लाभुक है उनका नाम इस योजना से काटा जाए. ताकी सही लाभ को तक योजना का लाभ पहुंच सके लेकिन आज भी झारखंड के कई ऐसे लाभुक है जिनको अब तक ई केवाईसी की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई ऐसे लोगों पर अब सरकार सख्ती बरतने की तैयारी में है.सरकार ने एक बार फिर एक नया डेडलाइन जारी किया है अगर इस दिन तक आप राशन कार्ड से संबंधित येन जरुरी काम नहीं करते है तो राशन कार्ड योजना से आपका नाम काट दिया जाएगा.

झारखंड सरकार ने 30 जून तक का दिया है समय

झारखंड सरकार की ओर से राशन कार्ड लाभुको को साफ निर्देश दिया गया है कि यदि 30 जून 2026 से पहले आप अपने राशन कार्ड का ई-केवाईसी नहीं करवाते है तो आपको अपात्र और संदिग्घ मानते हुए नाम हटा दिया जाएगा.ऐसा करने के पीछे सरकार की एक ही उद्देश्य है कि राशन कार्ड योजना में पारदर्शिता लाई जा सके और गड़बड़ियों को रोका जाए.

18 अप्रैल से मुख्यमंत्री आवास के सामने आमरण अनशन करेंगे सहायक अध्यापक

सरायकेला(ईएमएस)।सरायकेला के सिद्धू कान्हु पार्क में मंगलवार को सहायक अध्यापक जिला कमिटी की बैठक की गई।बैठक की अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष विजय लेंका ने किया।बैठक में प्रदेश कमिटी के आवाहन पर आकलन को टेट के समतुल्य मान्यता देने की मांग को लेकर 18 अप्रैल से आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री आवास के समक्ष आमरण अनशन कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर चर्चा किया गया। जिलाध्यक्ष ने जिले के सभी सहायक अध्यापकों को 18 अप्रैल के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अधिक से अधिक संख्या में रांची चलने का आवाहन किया।उन्होंने कहा कि राज्य के सहायक अध्यापक सरकार के सभी नॉर्म्स को पूरा करते हुए आकलन परीक्षा में सफलता हासिल किया है। आकलन परीक्षा का पैटर्न टेट परीक्षा से कहीं अधिक कठिन था। बावजूद इसके सहायक अध्यापकों ने परीक्षा में सफलता हासिल की.उन्होंने कहा कि आज के समय में बिना मांगे अपना हक नहीं मिलता।आकलन को टेट के समतुल्य दर्जा दिलाने के लिए सहायक अध्यापकों को आगे आना होगा और सरकार से अपना अधिकार लेना होगा।संघ के महासचिव साकेत शेखर ने कहा कि झारखंड राज्य में सरकार द्वारा एक ही विद्यालय के दो शिक्षकों के लिए दोहरी नीति का पालन किया जा रहा है।एक समान काम करने तथा सरकार द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय परीक्षा में सफलता हासिल करने के बावजूद भी सहायक अध्यापकों को गुजर बसर के लायक भी पैसा नहीं दिया जा रहा वहीं सहायक शिक्षकों को हजारों लाखों वेतन दिया जाता है।उन्होंने सहायक अध्यापकों से अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए 18 के कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही।

जिला सचिव पुस्तम हजाम ने कहा कि आज तक सरकार ने बिना आंदोलन के सहायक अध्यापकों को कोई लाभ नहीं दिया।उन्होंने कहा कि आंदोलन की बदौलत ही पारा शिक्षक को सहायक अध्यापक के नाम में परिवर्तित किया गया साथ ही मानदेय को 2 हजार से 20 हजार तक पहुंचाया गया है।उन्होंने जिले के सहायक अध्यापकों से अपने हक और अधिकार के लिए आगे आने की अपील की।मौके पर गदाधर महतो,सुमन कुमार धीर सामंत,सोमेश दास एवं भगवती सामल सहित जिला कमिटी व प्रखंड कमिटी के अन्य सदस्य मौजूद थे।

बॉल पेन ने खोला 500 करोड़ का घोटाला

पटना की कंपनी ने झारखंड में 1962 के फर्जी दस्तावेजों से हड़पी 103 एकड़ वन भूमि

रांची। बोकारो के तेतुलिया मौजा की 103 एकड़ जमीन को आपराधिक साजिश के तहत फर्जीवाड़ा कर बेचा गया था। इसके लिए फर्जी जमीन मालिक इजहार हुसैन व अख्तर हुसैन ने शैलेश कुमार सिंह नामक व्यक्ति को पावर आफ अटार्नी दिया था। शैलैश कुमार सिंह ने अपने बेटे व अन्य रिश्तेदार के नाम पर शेल कंपनी मेसर्स उमायुष मल्टीकाम प्राइवेट लिमिटेड बनाकर उस कंपनी के नाम पर जमीन की बिक्री की। उस शेल कंपनी के माध्यम से 20 अलग-अलग लोगों को रजिस्ट्री कर मोटी कमाई की।

इसके लिए मेसर्स उमायुष मल्टीकाम प्राइवेट लिमिटेड को पटना की राजबीर कंस्ट्रक्शन ने 3.40 करोड़ रुपये की फंडिंग भी की थी। इसका खुलासा झारखंड हाई कोर्ट में छह अप्रैल को ईडी के सहायक निदेशक करुण ने दाखिल शपथ पत्र में किया है। झारखंड उच्च न्यायालय में शैलेश कुमार सिंह की याचिका पर ईडी ने यह शपथ पत्र दाखिल कर पूरे मामले की जानकारी दी है। इसके अलावा सीआइडी व वन विभाग ने भी शपथ पत्र में फर्जीवाड़े की जानकारी दी है। यानी, इस पूरे प्रकरण में तीन एजेंसियों ने अलग-अलग शपथ पत्र से फर्जीवाड़े की जानकारी कोर्ट को दी है। ईडी ने हाई कोर्ट को बताया है कि जमीन के कागजात में हेराफेरी कर आरोपितों ने करीब 500 करोड़ रुपये की मनी लांड्रिंग की है। छानबीन में पता चला कि इजहार हुसैन व उसके दादा के नाम पर जमीन के फर्जी दस्तावेज बने थे। तेतुलिया मौजा के थाना नंबर 38, खाता नंबर 59, प्लाट नंबर 426 व 450 का रिकार्ड संरक्षित वन भूमि के नाम पर 09 जुलाई 1958 के बिहार गजट में है। आरोपितों ने वन विभाग से फर्जी एनओसी का उपयोग किया था। ईडी ने इस पूरे प्रकरण में 10 मार्च 2025 को इंफार्समेंट केस इंफार्मेशन रिपोर्ट (ईसीआइआर) नंबर आरएनजेडओ/02/2025 दर्ज किया था। सीआइडी ने भी सात अक्टूबर 2025 को अपने चार्जशीट नंबर 14/2025 में आवेदक शैलेश कुमार सिंह के अलावा इजहार हुसैन व अख्तर हुसैन को आरोपित बनाया था। ईडी ने जांच में पकड़ा कि 1962 में जमाबंदी नंबर 70 में बॉल पेन का उपयोग दर्शाया गया है।

पीएम मोदी ने किया दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का उद्घाटन

बाबा साहेब को याद कर कहा- उनका जीवन शोषितों को न्याय दिलाने के लिए समर्पित था

देहरादून,(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी मंगलवार को देहरादून में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का उद्घाटन कर एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी भी मौजूद थे। पीएम मोदी ने कहा कि आज दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के साथ उत्तराखंड की प्रगति में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ी है आपको याद होगा बाबा केदार के दर्शन के बाद, मेरे मुंह से अनायास निकला था कि इस शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि डबल इंजन सरकार की नीतियां और उत्तराखंड के लोगों के परिश्रम से ये युवा राज्य विकास के नए आयाम जोड़ रहा है। ये प्रोजेक्ट भी उत्तराखंड के विकास को नई गति देगा। इस एक्सप्रेसवे का बहुत बड़ा हिस्सा जो वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर के रास्ते यहां पहुंचता है। इससे गाजियाबाद बागपत, बड़ोत, शामली और सहारनपुर जैसे अनेक शहरों को भी बहुत फायदा होगा। टूरिज्म के लिहाज से ये प्रोजेक्ट बहुत अहम है। पूरे देश को इस प्रोजेक्ट की बधाई देता हूं। दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर 213 किलोमीटर लंबा, छह लेन वाला और एक्सेस कंट्रोल्ड दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनाया गया है। यह कॉरिडोर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से होकर गुजरता है। वहीं, इससे दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा का समय वर्तमान में छह घंटे से अधिक से घटकर लगभग ढाई घंटे हो जाएगा। इस परियोजना के कार्यान्वयन में निर्बाध उच्च गति कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए 10 इंटरचेंज, तीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी), चार प्रमुख पुल और सड़क किनारे 12 जन सुविधाओं का निर्माण भी शामिल है। यात्रियों के लिए सुरक्षित और अधिक कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए यह कॉरिडोर उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएम) से सुसज्जित है। पीएम ने कहा कि आज डॉ बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती भी है। मैं सभी देशवासियों की ओर से बाबा साहेब को कोटि-कोटि श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। बीते दशक में हमारी सरकार ने जो नीतियां बनाई, जो फैसले लिए वह संविधान की गरिमा को फिर से स्थापित करने वाले रहे।

संक्षिप्त खबरें

1 करोड़ की अफीम-डोडा जब्त

चतरा(ईएमएस)। चतरा पुलिस ने लावालौंग क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 1 करोड़ रुपये की अफीम और डोडा जब्त किया है। यह कार्रवाई एसपी सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में की गई, जिसमें छह तस्करों के घरों से नशे का जखीरा बरामद हुआ। हालांकि तस्कर भागने में कामयाब रहे। पिछले तीन दिनों के भीतर लावालौंग क्षेत्र में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है, जिसमें अफीम माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया है। पुलिस ने तस्करों के घरों से उनके आधार कार्ड भी बरामद किए हैं। चतरा एसपी सुमित अग्रवाल को मिली एक गोपनीय सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया गया। सूचना थी कि रिमी पंचायत के खाखर गांव में आधा दर्जन तस्कर अपने घरों में भारी मात्रा में अफीम और डोडा जमा कर रहे हैं। तस्कर इस नशे को बाहरी व्यापारियों को बेचने की योजना बना रहे थे। इससे पहले कि वे अपने मंसूबों में कामयाब होते, सिमरिया एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने खाखर गांव को चारों तरफ से घेर लिया।

सीयूजे को शोधकर्ताओं को मिला सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार

रांची(ईएमएस)।केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के शोधकर्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अकादमिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए प्रतिष्ठित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांस्ड रिसर्च इन मैनेजमेंट, बिजनेस एंड टेक्नोलॉजी में दो सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार हासिल किये. इन उत्कृष्ट शोध कार्यों के लेखक प्रो बटेश्वर सिंह, डॉ रचना जायसवाल, शशांक गुप्ता, मेघा रानी पटेल और नेहा कुमारी हैं।ये सभी शोधकर्ता सीयूजे के वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग तथा व्यवसाय प्रशासन विभाग से जुड़े हुए हैं। यह सम्मेलन राम लाल आनंद कॉलेज, दिल्ली विवि में आयोजित किया गया था।पुरस्कार प्राप्त शोध पत्र सतत वित्त और पर्यटन विश्लेषण जैसे समकालीन और महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित हैं जो वैश्विक चुनौतियों के समाधान की दिशा में दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

निर्धनता और नम्रता के साथ जीवन जीए : आर्चबिशप

रांची(ईएमएस)।सिस्टर्स ऑफ पूअर हैंडमेड ऑफ जीसस क्राइस्ट की तीन धर्मबहनों ने मंगलवार को आजीवन व्रत धारण किया।व्रत धारण की धर्मविधि आरागेट के संत फ्रांसिस कैथोलिक गिरजाघर में आर्चबिशप विंसेंट आईंद ने संपन्न कराया। धर्मसंघ की जिन धर्मबहनों ने आजीवन व्रत धारण किया, उनमें सिस्टर अलीश कुल्लू, सिस्टर संध्या केरकेट्टा एवं सिस्टर अनामिका तीडू ने आज्ञाकारिता, निर्धनता तथा शुद्धता का आजीवन व्रत धारण किया।इस अवसर पर आर्चबिशप ने अपने उपदेश में कहा कि- आज का व्रत अंतिम नहीं है बल्कि यह प्रत्येक दिन व्रत के अनुसार जीने की प्रतिज्ञा है. और व्रत यह है कि मैं प्रभु की दासी हूं और उसी की आज्ञा अनुसार मैं प्रभु और लोगों को समर्पित जीवन जीती हूं।उन्होंने निर्धनता तथा नम्रता के भाव के साथ जीवन जीने का संदेश भी दिया। आर्चबिशप ने कहा कि ईश्वर के बिना व्रत धारण जीवन की गारंटी नही क्योंकि ईश्वर ही शक्ति का स्रोत है. उपदेश के बाद व्रत धारण करने वाली धर्मबहनों ने आजीवन व्रत की घोषणा कर घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर भी किया।उनके इस व्रत धारण के प्रतीक स्वरूप उन्हें आर्चबिशप के द्वारा आशीष किया हुआ अंगूठी भी पहनाया गया। समारोह में पल्ली पुरोहित फादर बेसिल रुंडा, सिस्टर लूसी, सिस्टर हेलन व अन्य धर्मबहनें, पल्ली के विश्वासी, व्रत धारण करने वाली धर्मबहनों के माता पिता एवं रिश्तेदार उपस्थित थे।

चड़क पूजा में शामिल हुए विधायक संजीव सरदार, बंगला वर्ष के अंतिम दिन परंपरागत उत्सव का आयोजन

पश्चिमी सिंहभूम (ईएमएस)।पोटका विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत हाथीबिंधा पंचायत के साधुडेरा स्थित श्री श्री महाकालेश्वर मंदिर, कोकदा में बंगला वर्ष के अंतिम दिन चड़क पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक संजीव सरदार शामिल हुए। उन्होंने परंपरागत तरीके से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की और उपस्थित श्रद्धालुओं का अभिवादन किया।विधायक संजीव सरदार ने अपने संबोधन में कहा कि चड़क पूजा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज में एकता, भाईचारे और पारंपरिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराओं को सहेजकर रखना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इससे प्रेरणा ले सकें।चड़क पूजा बंगाली परंपरा का एक महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सव है, जो बंगला वर्ष के अंतिम दिन मनाया जाता है। यह पूजा भगवान शिव की आराधना को समर्पित होती है, जिसमें भक्त कठोर तप और अनुष्ठान के माध्यम से अपनी आस्था प्रकट करते हैं। कार्यक्रम में मुखिया कृष्ण मुंडा, सुधीर सोरेन, बिद्यासागर दास, नरेश भगत, चक्रधर महतो, भूपति महतो, तपन भगत सहित कई गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मधुमक्खियों के हमले से दहशत, सेवानिवृत्त कर्मी की मौत, कई राहगीर व शिक्षक घायल

रामगढ़(ईएमएस)।पीटीपीएस हेसला पंचायत में शिशु विद्या मंदिर विद्यालय जाने वाले मार्ग पर पिछले कुछ दिनों से मधुमक्खियों के हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।इन हमलों से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।जानकारी के अनुसार, इस रास्ते से गुजरने वाले कई राहगीरों के साथ-साथ शिशु विद्या मंदिर के शिक्षक भी मधुमक्खियों के हमले का शिकार होकर घायल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे लगे पेड़ों या आसपास के क्षेत्र में मधुमक्खियों का छत्ता होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हो रही है।इसी बीच एक दुखद घटना में हेसला पंचायत निवासी एवं पीटीपीएस से सेवानिवृत्त भिखारी राम की मधुमक्खियों के हमले से मौत हो गई, जिससे लोगों में भय और आक्रोश दोनों बढ़ गया है।ग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर मधुमक्खियों के छत्तों को सुरक्षित तरीके से हटाने तथा इस समस्या से स्थायी निजात दिलाने की मांग की है, ताकि बच्चों, शिक्षकों और आम राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

नहाने के क्रम में कोयल नदी में डूबा बच्चा,गोताखोरों द्वारा तीन घन्टा बाद बच्चे का शव निकाला गया

लोहरदगा(ईएमएस)।सेन्हा थाना क्षेत्र बेड़ाटोली से उगरा जाने के रास्ते मे स्नान करने के दौरान कोयल नदी में डूबने से एक बालक की मृत्यु हो गई।सूत्रों के हवाले से बताया जाता है की बच्चा गांव के ही अन्य बच्चों के साथ कोयल नदी नहाने गया हुआ था।जिसे नदी में सभी बच्चे स्नान कर रहे थे.वही मृतक बच्चा अच्चानक गहरा पानी में चला गया।जिसे बच्चे को डूबते देख कर बाकी बच्चे गांव की ओर दौड़ते जा कर गांव में हल्ला कत बच्चे का नदी में डूबने के बारे बताया गया जिसे सुन कर गांव के लोग नदी तट पर पंहुच डूबा हुआ।बच्चा को नदी में घुस कर ढूंढने लगे जिसे काफी प्रयास से करीब तीन घंटा बाद स्थानीय गोताखोरों द्वारा बच्चे को निकाला गया।नदी से निकाल कर परिजन स्थानीय लोगों के सहयोग से बच्चे को सदर अस्पताल लोहरदगा ले गये जहां चिकित्सकों द्वारा जांचोपरांत बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया। वही मृत बच्चे की पहचान कलेहपाट निवासी कांग्रेसी नेता रुस्तम अंसारी के 12 वर्षीय पुत्र जियाउल मुस्तफा के रूप में किया गया है।मामले की खबर सुन कर जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की,बीडीओ संग्राम मुर्मू, सीओ पंकज कुमार भगत, स्थानीय मुखिया जय श्री उरांव भड़गांव मुखिया अनिल उरांव द्वारा घटना स्थल कोयल नदी पहुंच कर सहयोग किया गया।वही एसआई दयानंद सरस्वती ने कहा कि नहाने के क्रम में एक बच्चा कोयल नदी में डूब गया था।जिसका शव को बरामद कर लिया गया है।जिसे पोस्टमार्टम करा कर शव का अंतिम संस्कार के लिये परिजनों को शौंप दिया जायेगा।

महिलाओं के सशक्तिकरण की नई क्रांति है नारी शक्ति वंदन अधिनियम : अन्नपूर्णा देवी

कोडरमा(ईएमएस)। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की नई क्रांति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को 33% आरक्षण देकर उन्हें देश की नीति और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित की गई है। आज की नारी सशक्त, आत्मनिर्भर और नेतृत्व करने में पूरी तरह सक्षम है उक्त बातें केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सह कोडरमा की सांसद अन्नपूर्णा देवी ने मंगलवार को कहीं। झुमरीतिलैया के बाईपास रोड स्थित शिव वाटिका में विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सहयोग से आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में हजारों की संख्या में पहुंची महिलाओं को संबोधित करते हुए अन्नपूर्णा ने कहा कि महिलाओं की सशक्त भागीदारी, उनका आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण में उनकी बढ़ती भूमिका नए भारत की पहचान बन चुकी है पीएम के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण के लिए किए गए ऐतिहासिक प्रयास, विशेषकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम, देश को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं।यह अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर है वहीं विधायक डॉक्टर नीरा यादव ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। सरकार की योजनाओं ने महिलाओं को नई पहचान और आत्मविश्वास दिया है। अब समय आ गया है कि महिलाएं आगे बढ़कर समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी निर्णायक भूमिका निभाएं, इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत मंत्री के साथ ही मौजूद विधायक डॉ नीरा यादव व अन्य ने भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्जवलित कर किया कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रेया केडिया संचालन जूही दास गुप्ता एवं रूही संघई ने संयुक्त रूप से किया धन्यवाद ज्ञापन अधिवक्ता वंशिका जोशी ने किया।नारी शक्ति, राष्ट्र शक्ति के नारों से गूंजा परिसर।सम्मेलन के दौरान पूरा परिसर नारी शक्ति – राष्ट्र शक्ति के नारों से गूंज उठा वहीं वक्ताओं ने समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, उनके नेतृत्व और भविष्य की संभावनाओं पर विचार साझा किए महिलाओं ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे इस अभियान का हिस्सा बनेंगी और सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समावेशी भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगी केंद्रीय मंत्री ने महिलाओं से 9667173333 पर मिस्ड कॉल कर इस ऐतिहासिक पहल का समर्थन करने का आह्वान किया मौके पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया कार्यक्रम में पंचायत से पार्लियामेंट तक, निर्णय में नारी, नव भारत की तैयारी का संदेश प्रमुख रूप से उभरकर सामने आया।सम्मेलन को जयंती सेठ, पिंकी जैन, दीपा गुप्ता, ज्योति झा, रेणु बड़गवे, आशा वर्णवाल, वंदना अग्रवाल, आकृति चौधरी, अधिवक्ता किरण कुमारी, श्रेया केडिया, कलावती देवी, सोनी जयसवाल, शीला वर्णवाल, नीलम महर्षि आदि ने संबोधित किया महिलाओं ने केंद्र सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय के प्रति आभार व्यक्त किया और नारी सशक्तिकरण के इस अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया सम्मेलन में संगीता सिन्हा, सुनीति सेठ, अनीता देवी, सबिता देवी, लीना देवी, सावित्री देवी, नन्दिता कुमारी, शिल्पा कुमारी, कामिनी देवी, प्रमिला सिंह, सुमन पांडेय, रानी कुमारी, प्रियंका कुमारी, आशा देवी, सोनी देवी, शशि सिंह, वर्षा रानी, मीना देवी, बिमला देवी, सरिता सिन्हा, अनूप जोशी, नीतेश चन्द्रवंशी, राजकुमार यादव, नरेंद्र पाल, सूरज प्रताप मेहता, हरि पंडित, कृष्णा ब्रह्मपुरिया, नवीन चौधरी, संजय शर्मा, प्रदीप केडिया, किशन संघई, रामरतन महर्षि, महेश दारुका आदि मौजूद थे।

पीवीयूएनएल पतरातू में अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ, शहीद अग्निकर्मियों को दी गई श्रद्धांजलि

रामगढ़(ईएमएस)।पीवीयूएनएल पतरातू परियोजना में मंगलवार को अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम का आयोजन केऔसुब इकाई के कमांडेंट विभु सिंह प्रतिहार के मार्गदर्शन में किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अशोक कुमार सहगल उपस्थित थे।कार्यक्रम की शुरुआत शहीद अग्निशमन कर्मियों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई।मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ उपस्थित सभी बल सदस्यों ने भी पुष्प अर्पित कर शहीदों को नमन किया।इस दौरान बाम्बे डाकयार्ड अग्निकांड सहित विभिन्न अग्नि दुर्घटनाओं में शहीद हुए कर्मियों को दीप प्रज्वलित कर याद किया गया।साथ ही अग्नि सुरक्षा से संबंधित बुकलेट एवं पोस्टर का विमोचन भी किया गया।समारोह में पीवीयूएनएल के महाप्रबंधक, अवर महाप्रबंधक, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, केऔसुब इकाई पतरातू के निरीक्षक एवं अन्य बल सदस्य उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन निरीक्षक (अग्नि) अनिल कुमार ने किया।कमांडेंट विभु सिंह प्रतिहार ने अपने संबोधन में बताया कि अग्निशमन सेवा सप्ताह का उद्देश्य कर्मचारियों, आम नागरिकों और स्कूली बच्चों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि अग्निशमन कर्मियों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम सुरक्षा उपायों को अपने जीवन में अपनाएं और दुर्घटनाओं को रोकने का प्रयास करें।बताया गया कि सप्ताह के दौरान विभिन्न संस्थानों में फायर फाइटिंग एवं फर्स्ट एड प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।मुख्य अतिथि सीईओ अशोक कुमार सहगल ने अपने संबोधन में केऔसुब अग्निशमन शाखा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि परियोजना की सुरक्षा में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अग्नि दुर्घटनाओं को कम करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए कर्मचारियों एवं समाज के हर वर्ग को जागरूक होना होगा।उन्होंने इस वर्ष के थीम सेफ स्कूल, सेफ हॉस्पिटल, और फायर सेफ्टी अवेयर सोसाइटी टूगेदर फोर फायर प्रीवेंशन पर बल देते हुए कहा कि सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल और जागरूक समाज ही आग की घटनाओं को रोकने में सक्षम होंगे।

उन्होंने सभी से अपील की कि अग्नि सुरक्षा के नियमों का पालन करते हुए एक सुरक्षित वातावरण के निर्माण में सहयोग करें।कार्यक्रम के अंत में सहायक समादेष्टा गोरधन जाट ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

संगठित अपराध पर सख्ती के निर्देश, धमकी देने पर तुरंत प्राथमिकी दर्ज करें : डीआईजी

रामगढ़। उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र हजारीबाग के पुलिस उप-महानिरीक्षक अंजनी कुमार झा ने संगठित आपराधिक गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा कि किसी भी व्यवसायी या संवेदक को मिली धमकी पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए। मंगलवार को रामगढ़ पुलिस कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान डीआईजी ने जनवरी 2026 से अब तक जिले में संगठित गिरोहों द्वारा की गई फायरिंग, आगजनी, पोस्टरबाजी व धमकी से जुड़े मामलों की कांडवार समीक्षा की।बैठक में पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातु गौरव गोस्वामी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना व ओपी प्रभारी तथा अनुसंधानकर्ता मौजूद थे।समीक्षा के दौरान डीआईजी ने गिरोह को सूचना देने वाले स्थानीय तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तेज करने और साक्ष्य के आधार पर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने को कहा।उन्होंने प्रतिदिन समय और स्थान बदलकर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाने तथा उसकी प्रविष्टि रक्षक ऐप में अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया।इसके साथ ही आसूचना तंत्र को मजबूत करने, संगठित अपराधियों के खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई तेज करने और सभी गिरोहों का डेटाबेस तैयार करने पर जोर दिया।तकनीकी निगरानी पर बल देते हुए डीआईजी ने ई-प्रिजन के माध्यम से अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने और जेल से बाहर आए अपराधियों का सत्यापन करने को कहा।

साथ ही मामलों में त्वरित ट्रायल कराकर दोषियों को सजा दिलाने का निर्देश दिया।उन्होंने थाना क्षेत्रों के प्रवेश एवं निकास मार्गों पर स्लाइडिंग बैरियर और सीसीटीवी लगाने, वाहनों की सघन जांच करने तथा ब्लैक फिल्म लगे वाहनों पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करने को कहा।संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया।

उत्पाद सिपाही परीक्षा पेपर लीक, भाजपा ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

सीबीआई जांच की मांग

रांची (ईएमएस)। झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक का मामला एक बार फिर तूल पकड़ लिया है।मंगलवार को भाजपा के एक उच्चस्तरीय नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने लोक भवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने 12 अप्रैल को आयोजित उत्पाद सिपाही परीक्षा में हुई धांधली और जेएसएससी व जेपीएससी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सात सूत्री मांग पत्र सौंपा और पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की। राज्यपाल को सौंपे गये ज्ञापन में भाजपा ने आरोप लगाया कि तमाड़ के एक निर्माणाधीन भवन में परीक्षा माफियाओं द्वारा अभ्यर्थियों को प्रश्न-पत्र रटाये जा रहे थे। इस मामले में पुलिस ने 150 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है और भारी मात्रा में कंप्यूटर, लैपटॉप और संदिग्ध दस्तावेज बरामद किये हैं।दावा किया गया है कि प्रत्येक अभ्यर्थी से 15-15 लाख रुपये में सौदा तय हुआ था। भाजपा ने सवाल उठाया कि जब एक केंद्र पर इतनी बड़ी गड़बड़ी मिली है, तो राज्य के अन्य 370 केंद्रों की शुचिता पर भी संदेह लाजिमी है।नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में पहुंचे इस दल ने कहा कि जेएसएससी इतनी बड़ी गिरफ्तारियों के बावजूद पेपर लीक से इनकार कर रहा है, जिससे आयोग की भूमिका संदिग्ध लगती है।उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार के कार्यकाल में युवाओं के भविष्य की नीलामी हो रही है। ज्ञापन में पिछली परीक्षाओं (सीजीएल, जेपीएससी) का हवाला देते हुए कहा गया कि राज्य की एजेंसियां निष्पक्ष जांच करने में विफल रही हैं, इसलिए केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराना अनिवार्य है।भाजपा ने उत्पाद सिपाही परीक्षा के पेपर लीक की सीबीआई जांच कराने, सॉल्वर गैंग, परीक्षा एजेंसी और आयोग के बीच सांठगांठ का पर्दाफाश करने, पिछले 6 वर्षों में जेएसएससी और जेपीएससी द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं की उच्चस्तरीय जांच कराने व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शी सुधार करने की मांग की है।प्रतिनिधिमंडल में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू, कर्मवीर सिंह, राकेश प्रसाद, भानु प्रताप शाही, बालमुकुंद सहाय, नवीन जायसवाल, सीपी सिंह व अमित मंडल शामिल थे।

राहुल दुबे गैंग के दो अपराधी पकडाये, जेल भेजा गया

संगठित अपराधिक गिरोह पर लगातार हो रही है कारवाई : एसपी

रामगढ़(ईएमएस)।रामगढ पुलिस ने राहुल दुबे गैंग के दो अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सोमवार की रात सूचना मिली कि पतरातु थाना क्षेत्र के हेसला गांव में राहुल दुबे गैंग के दोनों सदस्य अवैध हथियार के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं।अपराधियों की गिरफ्तारी के लिये तत्काल सहायक पुलिस अधीक्षक सह एसडीपीओ पतरातु गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया। टीम ने पतरातू थाना क्षेत्र में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। संगठित अपराधिक गिरोह पर रामगढ पुलिस लगातार कारवाई कर रही है। उक्त बातें एसपी रामगढ अजय कुमार ने एसपी कार्यालय में मंगलवार को प्रेसवार्ता कर दी।एसपी ने बताया कि गठित टीम ने हेसला स्थित टाइप-टू काली मंदिर मैदान के पास एक बाइक संख्या जेएच 02एबी 5319 पर सवार दो युवकों को रोका। पूछताछ में उनकी पहचान करण करमाली,19 वर्ष व शिवम मिश्रा उर्फ शिवम आनंद उर्फ नंदु, 23 वर्ष के रूप में हुयी।तलाशी के दौरान करण करमाली के पास से 7.65 एमएम का लोडेड देशी पिस्टल व तीन जिंदा गोली व बाइक में टंगे बैग से नाइन एमएम का लोडेड देशी कारबाइन व दो जिंदा गोली बरामद की गयी। पकड़े गये आरोपियों ने बताया कि वे राहुल दुबे गैंग के लिए काम करते हैं।किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। उन्होंने चार अप्रैल को पतरातु स्थित ओसम डेयरी प्लांट में हुई गोलीबारी की घटना में भी संलिप्तता स्वीकार की।पतरातु थाना कांड संख्या 91/26 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

छापामारी दल में भापुसे सह अनुपुपदा गौरव गोस्वामी, पुनि सत्येन्द्र कुमार सिंह, पुअनि शिवलाल कुमार गुप्ता, पुअनि अख्तर अली, पुअनि उपेन्द्र कुमार, पुअनि अभिषेक कुमार, पुअनि कैलाश कुमार, पुअनि उमाशंकर कुमार वर्मा, पुअनि शिवा कच्छप, पुअनि मंटु कुमार शर्मा, पुअनि अफजल हुसैन, पुअनि रेणुका कुमारी दास, आरक्षी प्रेम कुमार ठाकुर, बंटी कुमार तकनीकी शाखा व पतरातु थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे. प्रेसवार्ता में एसपी अजय कुमार, एएसपी गौरव गोस्वामी, डीएसपी मुख्यालय चंदन वत्स, डीएसपी फौजान अहमद सहित पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

कॉल गर्ल्स स्कॉट सर्विस के नाम पर करते थे ठगी दो गिरफ्तार, छह मोबाइल व एटीएम कार्ड बरामद

कोडरमा (ईएमएस)। पुलिस ने कॉल गर्ल्स स्कॉट सर्विस के नामा पर झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल पंडित पिता स्व. गेंदो पंडित निवासी बेकोबार व मंटु कुमार पंडित पिता कार्तिक पंडित निवासी कांको थाना जयनगर शामिल हैं।इनके पास से छह मोबाइल, तीन एटीएम कार्ड बरामद किया गया है।पूरे मामले की जानकारी देते हुए एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक मोबाइल नंबर धारक अनिल पंडित के द्वारा कई लोगों से कॉल गर्ल्स स्कॉट सर्विस के नामा पर ठगी की जा रही है।सूचना पर थाना प्रभारी विकास पासवान के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।टीम में तकनीकी शाखा के पुलिसकर्मियों को भी शामिल किया गया।टीम ने उक्त मोबाइल धारक अनिल पंडित के बेकोबार स्थित घर पर छापामारी की। इस दौरान दो लोग भागने लगे, जिन्हें पकड़ा गया। पकड़े गए अनिल पंडित व मंटू कुमार ने पूछताछ में बताया कि वे फेक वेबसाइट पर फेक कॉल गर्ल्स स्कॉर्ट सर्विस का आईडी बनाकर उसमें मोबाइल नंबर डाल देते हैं।उसके बाद जो व्यक्ति कॉल गर्ल्स स्कॉर्ट सर्विस के लिए फोन करता है उसे लडकी का फोटो दिखाकर पैसों की मांग कर फेक बुकिंग कर क्यूआर कोड पर पैसा मंगवाते हैं तथा पैसे को एटीएम से निकालकर आपस में बांट लेते हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी कई शहरों में कॉल गर्ल्स स्कॉर्ट सर्विस का काम करते हैं।

इनके साथ इस अवैध धंधे में बेकोबार के और सात लोग शामिल हैं। आरोपियों के पास जब्त मोबाइल की जांच में कॉल गर्ल्स स्कॉर्ट सर्विस से संबंधित बातचीत का चैट, लडकी का फोटो, क्यूआर कोड पाया गया पुलिस के अनुसार आरोपी सोशल मीडिया व अन्य ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से लोगों से संपर्क स्थापित कर उन्हें स्कॉट सर्विस उपलब्ध कराने का लालच देते थे तथा विभिन्न माध्यमों से पैसे की मांग करते थे।

डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनायी गयी, भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी थे बाबा साहेब : उपायुक्त

खूंटी(ईएमएस)।भारतीय संविधान के निर्माता, समाज सुधारक और भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मंगलवार को जयंती मनायी गयी।इस अवसर पर विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया गया। समाहरणालय परिसर में मंगलवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर जिला प्रशासन ने उन्हें नमन किया।उपायुक्त आर रॉनिटा के अगुवाई में अधिकारियों ने उनके चित्र में माल्यार्पण किया और पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर न केवल भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी थे, बल्कि वे एक प्रखर अर्थशास्त्री, विधिवेता और समाज सुधारक भी थे।उन्होंने जीवन भर सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष किया और समता, स्वतंत्रता तथा बंधुत्व पर आधारित समाज की स्थापना के लिए कार्य किया।उनका सम्पूर्ण जीवन वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने और समाज में न्यायसंगत व्यवस्था स्थापित करने के लिए समर्पित रहा।

उपायुक्त ने बाबा साहेब के योगदानों को याद किया।वहीं सभी को उनके आदर्शों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कहा. कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र के मूल्यों के प्रतीक है।वे आज भी सभी के प्रेरणा स्रोत हैं।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए अलोक शिकारी कच्छप, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, कार्यपालक दंडाधिकारी बिपिन कुमार विश्वास सहित अन्य उपस्थित थे।

इरफान अंसारी ने पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर कहीं बड़ी बात

पाकुड़: स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर कहा कि कांग्रेस के बिना सरकार नहीं बनेगी। इस चुनाव में TMC और कांग्रेस में टक्कर है। भाजपा दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रही है। वही उन्होंने कहा कि एसआईआर में 90 लाख युवाओं के नाम मतदाता सूची से काटे जाने को लेकर वे चिंतित हैं। उन्होंने दावा किया कि इस बार चुनाव में भाजपा की सीटें घटेंगी, क्योंकि राज्य की जनता भाजपा को पसंद नहीं करती। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा का मनोबल बंगाल चुनाव से ही तोड़ा जाएगा। वे पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के धुलियान में होने वाली चुनावी सभा में शामिल होने जा रहे हैं। इस सभा में राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे।

ममता और मोदी की जोड़ी जनता को डराती है-राजेश ठाकुर

वहीं कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने कहा कि एक ओर ममता बनर्जी और दूसरी ओर नरेंद्र मोदी, दोनों ही जनता को डराने की राजनीति कर रहे हैं. उन्होंने इसे ममता और मोदी की जोड़ी बताते हुए कहा कि जनता इस बार इसे तोड़ने का मन बना चुकी है. पश्चिम बंगाल की जनता ने 2026 के विधानसभा चुनाव में बदलाव का मन बना लिया है. उन्होंने कहा कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने का समय आ गया है. देश के गृह मंत्री का बम और बारूद जैसी भाषा का इस्तेमाल करना जनता को डराने और धमकाने का प्रयास है. वहीं असम में कांग्रेस ने पूरी रणनीति के साथ चुनाव लड़ा है. उन्होंने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री बौखलाहट में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ बयान दे रहे हैं।

बासुकीनाथ शिवगंगा स्थित टाटा धर्मशाला के समीप बरगद पेड़ की डाली टूटकर गिर जाने से आवागमन एवं विद्युत आपूर्ति बाधित

नगर पंचायत बासुकीनाथ की त्वरित कार्रवाई से लोगों को मिली राहत

दुमका:बासुकीनाथ धाम स्थित शिवगंगा तालाब के समीप सड़क पर बरगद पेड़ की एक डाली अचानक गिर जाने से राहगीर बाल बाल बच गए।इस घटना से सड़क पर आवागमन के साथ साथ विद्युत आपूर्ति भी पूरी तरह बाधित हो गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पंचायत बासुकीनाथ की ओर से त्वरित कार्रवाई की गई और कड़ी मशक्कत के बाद पेड़ की डाली को हटाया गया और आवागमन बहाल किया गया। समाजसेवी निरंजन मंडल ने भी इस कार्य में अहम भूमिका निभाते हुए नगर मजदूरों के साथ मिलकर सड़क पर गिरी डाली को हटवाने में काफी सहयोग किया। हालांकि बाबा बासुकीनाथ की कृपा से इस घटना में जान माल की कोई क्षति नहीं हुई लेकिन सड़क पर आवागमन बाधित हो गया था और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। नगर पंचायत की ओर से की गई इस त्वरित कार्रवाई से लोगों को राहत मिली और आवागमन सुचारू हो सका।

कोचिंग कॉम्पलेक्स में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती गरिमामय वातावरण में हुई सम्पन्न

कर्मचारियों ने उनके विचारों को बताया प्रेरणास्रोत

धनबाद, कोचिंग कॉम्पलेक्स, धनबाद में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर अभय कुमार मेहता, संगठन सचिव , एवं नेताजी सुभाष शाखा के सचिव , जितेंद्र कुमार साव और एन के खवास सभी ने डॉ. अम्बेडकर के जीवन, उनके संघर्षों एवं समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अम्बेडकर के विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने शिक्षा, समानता और अधिकारों के प्रति जागरूकता को समाज की उन्नति का मूल आधार बताया।उन्होंने यह भी कहा कि समाज को शिक्षित बनाकर ही अपने अधिकारों के लिए सशक्त रूप से संघर्ष किया जा सकता है तथा सामाजिक न्याय की स्थापना संभव है। डॉ. अम्बेडकर का जीवन हम सभी को कर्तव्यनिष्ठा, परिश्रम और आत्मसम्मान का संदेश देता है।कार्यक्रम में राम जीवन कुमार, एसएसई देवदीप कुमार, संतोष कुमार गोंड, संतोष कुमार, संतोष कुमार वर्मा एवं स्वदेश कुमार सहित अनेक कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जन शिक्षण संस्थान विकास भारती ने श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई डॉ भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती

दुमका:जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका के निदेशक मोती उपाध्याय की अध्यक्षता में दुमका के गिलानपाड़ा एवं ट्राइबल स्किलिंग सेंटर शिवपहाड़ में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। दोनों स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में स्थानीय ग्रामीणों एवं प्रशिक्षणार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। उपस्थित सभी लोगों ने उनके विचारों और समाज में उनके योगदान को याद किया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। संस्थान के निदेशक मोती उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर एक समतामूलक और जागरूक समाज के निर्माण में योगदान दें।कार्यक्रम पदाधिकारी दीपक कुमार सिंह ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज के कमजोर वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी प्रेरणादायक है। उन्होंने शिक्षा को समाज के विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार बताया।वहीं सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी श्रीराम कुशवाहा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन हमें यह सिखाता है कि शिक्षा, समानता और अधिकार के लिए निरंतर प्रयास करना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपनी भूमिका निभाएं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में जागरूकता और शिक्षा ही समाज को आगे बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम है। ट्राइबल स्किलिंग सेंटर के कार्यक्रम पदाधिकारी सोनाली सोरेन ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित किया कि वे अपने कौशल को विकसित कर समाज और देश के विकास में योगदान दें। इस अवसर पर मृत्युंजय कुमार पंजियारा, सविता किस्कू एवं रिंकू सिंह सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने बाबा साहेब के जीवन और उनके विचारों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों और ग्रामीणों ने सामाजिक समानता, शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। दोनों स्थानों पर कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक रहा।

प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अम्बेडकर जयंती मनाया

दुमका:आदित्य नारायण महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारियों ने डॉ भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अम्बेडकर जयंती मनाया।इस अवसर पर कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार झा एवं डॉ.अन्हद लाल ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अम्बेडकर जयंती मनाया।कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार झा ने बताया कि डॉ अम्बेडकर समाज के लिए अमूल्य धरोहर संविधान दिए हैं जो हमें अपने अधिकारों के प्रति सजग किए हैं।कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ.अन्हद लाल ने बताया की संविधान में वर्णित केवल अधिकार नहीं कर्तव्य का भाव भी हमारे अंदर में जगाना चाहिए।प्राध्यापक डॉक्टर प्रदीप कुमार गोराई ने बताए कि संविधान के प्रति सजग रहना एवं देश, धर्म, संस्कृति एवं संविधान के बारे में सदा स्मरण एवं सजग रहें।

अम्बेडकर जयंती पर याद किये गए बाबा साहेब

बीएसएल की ओर से विशेष कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो । भारत रत्न एवं भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा, सम्मान एवं सामाजिक समरसता का वातावरण देखने को मिला।प्रातःकाल सेक्टर-4D स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन ने अधिशासी निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकों एवं अन्य वरीय अधिकारियों के साथ माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने बाबा साहेब के आदर्शों, विचारों एवं मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा सामाजिक न्याय, समानता एवं बंधुत्व की भावना को सुदृढ़ करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।कार्यक्रम के दौरान निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन ने बाबा साहेब के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं उनके अमूल्य योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक सुधार एवं संविधान निर्माण के क्षेत्र में उनके ऐतिहासिक योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी समाज को दिशा प्रदान करते हैं और उनके आदर्श एक सशक्त एवं समावेशी भारत के निर्माण के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

संध्या में बोकारो क्लब में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भिलाई से आए समूह "शिप्रा कम्युनिकेशन" द्वारा बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष एवं मूल्यों पर आधारित आकर्षक "साउंड एंड लाइट शो" प्रस्तुत किया गया। इस प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से बाबा साहेब के जीवन के विभिन्न आयामों को जीवंत रूप में दर्शाया गया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने अत्यंत सराहा।

इस कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन सहित बीएसएल के अधिशासी निदेशकगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बाबा साहब की जयंती पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए अपर समाहर्ता ने माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

पाकुड़: भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को अंबेडकर चौक, पाकुड़ में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला योजना पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, एसडीपीओ पाकुड़ डीएन आजाद, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।इसके अलावा समाहरणालय में भी सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। बाबा साहब के आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणा के स्रोत हैंपरियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर का जीवन समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन सामाजिक समानता, न्याय एवं मानवाधिकारों की स्थापना के लिए समर्पित किया। उनके विचार आज भी एक समतामूलक, सशक्त एवं विकसित समाज के निर्माण हेतु मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

विधायक राज सिन्हा के आवासीय कार्यालय में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई

धनबाद , झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा के जगजीवन नगर स्थित आवासीय कार्यालय में आज महान समाज सुधारक, संविधान निर्माता एवं शोषित-वंचित, दलित तथा महिलाओं के उत्थान हेतु आजीवन संघर्ष करने वाले पूज्यनीय डॉ० भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम का आयोजन द्वय मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता एवं बसंती देवी के नेतृत्व में किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में वरिष्ठ कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित नरेंद्र त्रिवेदी ने कहा कि,डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उनके आदर्श हमें समानता, सामाजिक न्याय और भाईचारे के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उनका जीवन संघर्ष और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।अंत में सभी ने एकजुट होकर बाबा साहेब के सपनों के समतामूलक समाज के निर्माण हेतु संकल्प दोहराया।मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष हुल्लास दास, राणा सिंह, अनिल सिन्हा, मोती महतो, शंभू सिंह, श्रवण झा, अजय मालाकार, दीपक सिंह, अरविंद सिंह, डिंपू कुमार, मनोज रिंकू सहित कई अन्य उपस्थित थे।

धनबाद में अम्बेडकर जयंती की धूम

धनबाद । देशभर में आज डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती मनाई जा रही है। इसी कड़ी में धनबाद में भी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। डीआरएम चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण का सिलसिला पूरे दिन जारी रहा। धनबाद के डीआरएम चौक पर बाबा साहेब की प्रतिमा के पास सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा। शहर के कोने-कोने से आए लोगों ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर को नमन किया और उनके विचारों को याद किया। इस मौके पर नेशनल फेडरेशन ऑफ अम्बेडकर मिशन की ओर से जयंती समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने बाबा साहेब के सामाजिक न्याय, समानता और संविधान निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और पूरे माहौल में बाबा साहेब के विचारों की गूंज सुनाई दी।

रांची में आयोजित झारखंड इमेजिंग एक्सपो 2026

फोटो जर्नलिज्म प्रतियोगिता में चंदन पाल ने दूसरे स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया

धनबाद, रांची , रांची में आयोजित झारखंड इमेजिंग एक्सपो 2026 के दौरान फोटो जर्नलिज्म प्रतियोगिता में धनबाद के युवा फोटोग्राफर चंदन पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। ज्ञात हो कि तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन का समापन रांची के हरिवंश ताना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव में हुआ। जहां देशभर से आए प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया।

फोटो जर्नलिज्म कैटेगरी में कोलकाता के शांतनु को प्रथम स्थान, जबकि पाकुड़ के पीटरसन बास्की को तृतीय पुरस्कार मिला। इस प्रतिस्पर्धा में चंदन पाल की प्रस्तुति ने निर्णायकों को काफी प्रभावित किया। जिसके परिणामस्वरूप उन्हें द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समापन समारोह में आयोजकों द्वारा उन्हें मोमेंटो, प्रमाण पत्र और नगद राशि प्रदान की गई। चंदन पाल धनबाद स्थित "चंदन स्टूडियो" के संचालक हैं और पिछले कई वर्षों से फोटोग्राफी के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे विशेष रूप से फोटो जर्नलिज्म और इवेंट फोटोग्राफी के लिए जाने जाते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और समाचार से जुड़े महत्वपूर्ण पलों को प्रभावशाली ढंग से कैमरे में कैद करना उनकी पहचान बन चुका है।

इससे पहले भी वे कई क्षेत्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में सम्मानित हो चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि से धनबाद के स्थानीय फोटोग्राफर्स में खुशी और प्रेरणा का माहौल है। चंदन पाल की सफलता यह साबित करती है कि छोटे शहरों के प्रतिभाशाली कलाकार भी अपनी मेहनत और लगन से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं।

धनबाद कांग्रेस मुख्यालय में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा डॉ.भीमराव की जयंती मनाई गई

धनबाद ,भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136 वीं जयंती के पावन अवसर पर धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जिला कांग्रेस मुख्यालय, हाउसिंग कॉलोनी, धनबाद में श्रद्धांजलि सभा एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, संतोष कुमार सिंह ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित कांग्रेसजनों द्वारा बाबा साहेब के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके उपरांत आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने डॉ, भीमराव अंबेडकर के जीवन, उनके संघर्ष एवं भारतीय संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला । उन्होंने उनके विचारों को समाज में समानता, न्याय एवं भाईचारे की स्थापना के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

सभा को संबोधित करने वालों में सर्वश्री रमेश जिंदल ,कोषाध्यक्ष, लक्ष्मण तिवारी, नवनीत नीरज, योगेंद्र सिंह 'योगी', इरफान खान चौधरी, दिनेश यादव, अवध नारायण प्रसाद, अक्षयवर प्रसाद, हरेंद्र शाही, गुड्डू खान, जयप्रकाश चौहान, बंटी दास, दीपक कुमार सिंह, आशीष सिन्हा, मनोज कुमार हांडी, मृत्युंजय कुमार सिंह, नवीन कुमार पासवान, अनु पासवान, नरेंद्र कुमार सिंह, चंदन बावड़ी, प्रवीण कुमार चौधरी, रविंद्र भारती, मोहम्मद शरीफ अंसारी, सावन सुमन, राजकुमार पासवान, मधुसूदन सिंह चौधरी सहित सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित थे।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा दुमका के तत्वावधान में मनाई गई बाबा साहेब की जयंती

उनके विचारों को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प

दुमका:भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर (मंगलवार) को दुमका के डीसी चौक स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा, दुमका के तत्वावधान में श्रद्धा-सुमन अर्पित कर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस गरिमामयी कार्यक्रम का नेतृत्व अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्रीधर दास ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के आदमकद प्रतिमा के समक्ष नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने एवं सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर केवल एक महान विधिवेत्ता और संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के सबसे बड़े पुरोधा थे। उनके संघर्ष और विचार आज भी देश को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने का जो कार्य किया, वह सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करते हुए सबका साथ,सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है तथा समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर अनुज आर्या, मनोज शाह, बबलू मंडल, पवन केशरी, गायत्री जायसवाल, धर्मेंद्र सिंह, श्रीधर दास, पंकज वर्मा, दिनेश सिंह, रामवतार भालोटिया, मनीष कुमार, नवल किस्कू, आशित दास, तपन मिर्धा, किशोरेंद्र दास, संतोष ढिबर, रामकुमार साह, दीप्तांशु कोचगवे, अखिलेश सिंह, जितलाल राय, सुनील हेमब्रम, टिंकू गण सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

डॉ भीमराव अंबेडकर ने स्वतंत्रता के पूर्व जिस भारत का सपना देखा था वह आज भी अधूरा है : हिमांशु मिश्रा

दुमका:छात्र चेतना संगठन दुमका इकाई द्वारा जिला अध्यक्ष राकेश रौशन के नेतृत्व में संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का जयंती समारोह के उपलक्ष पर माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य रूप से केंद्रीय प्रमुख हिमांशु मिश्रा,क्षेत्रीय प्रभारी राजीव मिश्रा उपस्थित थे। संगठन के कार्यकर्ताओं के द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर अमर रहे, संविधान निर्माता अमर रहे, सामाजिक समरसता अक्षुण्ण रहे, भारत माता की जय, वंदे मातरम जैसे नारों से कार्यक्रम स्थल गूंज उठा सर्वप्रथम केंद्रीय प्रमुख हिमांशु मिश्रा जी ने बाबा साहब के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। वहीं उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर ने स्वतंत्रता के पूर्व जिस भारत का सपना देखा था वह आज भी अधूरा है, हमें बाबा साहेब के सपनों का भारत निर्माण के लिए शिक्षा और संघर्ष को अपना हथियार बनाना होगा, शिक्षा एक मात्र ऐसा अस्त्र है जीसका तोड़ किसी के पास नहीं है और न तो यह कोई छीन सकता है और न ही चुरा सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ जब राष्ट्र प्रथम का भाव शामिल हो जाय तो बाबा साहेब के प्रति यही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम को क्षेत्रीय प्रभारी राजीव मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के दिखाए गए मार्गों पर छात्र चेतना संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता विगत 28 वर्षों से चलकर मां भारती के प्रति समर्पित होते हुए भारत को अपना सेवा प्रदान कर रहा है बाबा साहब ने अपने वक्तव्य में कहा था कि शिक्षा शेरनी का दूध है इसके सही महीने में यही अर्थ है कि अगर आप शिक्षित रहेंगे तो एकजुट रहेंगे और जाति धर्म से ऊपर उठकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करेंगे माल्यार्पण कार्यक्रम में मुख्य रूप से छात्र चेतना संगठन के जिला छात्रा प्रमुख मालोती टुडू, पीयूष लायक, रोशन गुप्ता, प्रेम कुमार शाह, अंकुश गुप्ता, आलोक कुमार, मुकेश कुमार, सिंटू ठाकुर, विशाल ठाकुर, बमबम कुमार, उमेश यादव, सुधांशु केसरी, कंचन पाल, मनोज मंडल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन के सदस्यों ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को किया नमन

दुमका:झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन कार्यालय प्राइवेट बस स्टैंड दुमका मे यूनियन के अध्यक्ष कामरेड गजेंद्र कुमार की अध्यक्षता मे बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के 135वी जयंती कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धासुमन सुमन अर्पित कर नमन कर उनके जीवन पर आधारित विचारो को याद किया गया। कार्यक्रम मे यूनियन के महासचिव कामरेड अखिलेश कुमार झा, उपाध्यक्ष विनोद राउत, रवि पाठक, अभिनंदन सिन्हा, आदित्य चौरासिया, आनंद राउत, सोनू कुमार, माणिक यादव, बाबूल, सहित भारी संख्या परिवहन मजदूर उपस्थित थे।

भारतीय संविधान आधुनिक भारतीय समाज की रीढ़ है:डॉ विनोद कुमार

दुमका:नेत्रहीन विद्यालय श्री अमड़ा में बाबा भीम राव अम्बेडर की 135 वीं जयंती बड़े उत्साह एवं हर्षौल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग सह नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान आधुनिक भारतीय समाज की रीढ़ है। यह संविधान सभी वर्गों की बिना भेदभाव के सम्मान के साथ जीने का हक देती है। डॉ अम्बेडर आधुनिक भारत निर्माता थे जिन्होंने समाज को एक सूत्र में बांधने का काम किया है। डॉ आंबेडकर किसी एक वर्ग विशेष का न होकर सभी के लिए सम्मानीय है। बच्चों को अभिप्रेरित करते हुए डॉ शर्मा ने कहा कि बाबा साहेब के दिए गए मंत्रों यथा शिक्षित हो, संगठित हो और संघर्ष करो का अनुशरण करे। हौसले बुलंद रखे और आने वाले चुनौतियों का सामना करे। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से हीनता की भावना से दूर रहकर मंजिल हासिल करने की सोच होनी चाहिए। निःशक्तता कभी भी जीवन पथ में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने सूरदास और रविन्द्र जैन का उदाहरण देते उसके हौसले को बढ़ाया तो भारतीय पुनर्वास परिषद और नेशनल ट्रस्ट के विभिन्न उद्देश्यों और कार्यक्रमों को भी लाभार्थ बतलाया। मौके पर संस्था सचिव शिव नंदन महतो ने कहा कि डॉ आंबेडकर ने संविधान निर्माण कर समाज को एक सूत्र में बांधा और समान हक अधिकार दिया। कार्यक्रम में शिक्षक तापस कुमार दास, संजय कुमार ठाकुर, वार्डेन सालोमी हेंब्रम, पानमुनि सोरेन, खुदिया देवी, आलोक कुमार एवं प्रीतम सोरेन उपस्थित थे। कार्यक्रम में बच्चों में मुंहजबानी भारतीय संविधान का प्रस्तावना और कविता भी गाकर सुनाया।

संक्षिप्त खबरें

धनबाद में अम्बेडकर जयंती की धूम

धनबाद। देशभर में आज डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। इसी कड़ी में धनबाद में भी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। डीआरएम चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण का सिलसिला पूरे दिन जारी रहा। धनबाद के डीआरएम चौक पर बाबा साहेब की प्रतिमा के पास सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा। शहर के कोने-कोने से आए लोगों ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर को नमन किया और उनके विचारों को याद किया। इस मौके पर जेएमएम नेता वकील दास ने भी रैली निकाल कर सैकडो साथियों के साथ प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तथा हाउसिंग कोलनी स्थित अंबेडकर क्लब में संध्या के समय बच्चों के द्वारा कई तरह के प्रोग्राम का आयोजन किया तथा रात्री में जागरन का भी कार्यक्रम का आयोजन किया। वक्ताओं ने बाबा साहेब के सामाजिक न्याय, समानता और संविधान निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और पूरे माहौल में बाबा साहेब के विचारों की गूंज सुनाई दी। मौके पर जेएमएम नेता मंटू चौहान, हरेंद्र चौहान,वकील दास, राजेस तुरी, राजू, टींकू सरकार, कुणाल सहित कई मौजूद थे।

अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई

धनबाद : भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धनबाद में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नवनीत नीरज सिंह ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। माल्यार्पण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलना और संविधान की रक्षा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी समाज को समानता, न्याय और अधिकारों के प्रति जागरूक करते हैं। इस अवसर पर गोविंदपुर प्रखंड के अध्यक्ष मनोज हाड़ी, जोगिंदर सिंह जोगी, आकाश कुमार यादव, बसंत कुमार यादव, राधेश्याम शर्मा, शिवकुमार सिंह और निखिल कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

झारखंड राज्य उर्जा मित्र संघ ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 135वीं जयंती मनाई

धनबाद। झारखंड राज्य उर्जा मित्र संघ ने अपने प्रधान कार्यालय धैया स्थित धनबाद में। भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 135वीं जयंती (2026) हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । संघ के संस्थापक संतोष कुशवाहा ने कहा की बाबा साहब ने सभी वर्गो को संदेश दिए थे की शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।"जयंती समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। रोनित सिंह,मनोवर खान,अरुण रवानी,अशरफ अली अंसारी,सुरेश प्रसाद, अफरोज अख्तर, रवि दा, इफ्तेखार अंसारी, निरंजन कुमार दास, रोहित साव, सुनील महतो, सुनील साव, हिमांशु बनर्जी, अमिताभ तिवारी, बादल महतो, राजेश महतो, कपिल दास मुख्य रूप से उपस्थित थे।

गोमो में 'रिझू नगर' का भव्य नामकरण, पूजा-अर्चना के साथ मिठाइयाँ बांटकर मनाई गई खुशी

गोमो : स्थानीय क्षेत्र में स्वर्गीय रिझू साव के वंशजों द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए क्षेत्र का नामकरण "रिझू नगर" किया गया। इस ऐतिहासिक मौके पर पूरे इलाके में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ ब्राह्मणों द्वारा पूजा-अर्चना के साथ की गई। जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। इस नामकरण कार्यक्रम में श्री मंटू साव की अहम भूमिका रही। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल पूर्वजों के सम्मान का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक पहचान भी स्थापित करेगी।

सड़क दुर्घटना हेतु उदय नारायण चौधरी के नेतृत्व में राजद की नौ सदस्यीय जांच समिति 16 अप्रैल को घटनास्थल पर जाएगी- एजाज अहमद

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने बताया कि कटिहार जिलान्तर्गत कोढ़ा में एन.एच-31 पर बीते 11 अप्रैल को एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना हुई थी, जिसमें 13 अनुसूचित जनजाति (आदिवासी) की मौत हो गई थी एवं लगभग 20 अनुसूचित जनजाति (आदिवासी) समाज के लोग गंभीर रूप से घायल हो गये थे। इस पीड़ादायक घटना को सभी समाचार पत्रों ने भी प्रमुखता के साथ प्रकाशित की थी। मुझे बताया गया है कि ऐसी मार्मिक तथा दिल दहला देने वाली घटनाओं में मृत एवं घायल व्यक्तियों के लिए अनुग्रह राशि प्रदान करने का जो प्रावधान है, वह देय राशि अभी तक किसी भी पीड़ित परिवार को नहीं दी जा सकी है। इस संदर्भ में स्वीटी सीमा हेम्ब्रम (पूर्व विधायिका) एवं सत्येन्द्र शाह गोंड (प्रदेश अध्यक्ष, अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय जनता दल, बिहार) के आवेदन पत्र राष्ट्रीय जनता दल, बिहार के मुख्यालय को प्राप्त हुए हैं।

इन दोनों आवेदन पत्रों में मृतकों एवं घायलों की पूरी सूची का उल्लेख किया गया है। ऐसी पीड़ादायक घटना क्यों घटी और किन परिस्थितियों तथा कारणों से घटी, इसकी जानकारी प्राप्त करना भी आवश्यक है। राजद के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद बताया कि इस संदर्भ में दोनों बिंदुओं पर मामले की स्थलीय जांच करने तथा अब तक अनुग्रह राशि के रूप में प्रावधानित राशि का भुगतान मृतक परिवारों तथा घायलों को भुगतान न होने के संबंध में जांच व छानबीन कर समिति के द्वारा अपने स्तर से कार्रवाई करने के लिए प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी के नेतृत्व में नौ सदस्यीय समिति गठित की गई है, एजाज ने आगे बताया कि जांच समिति दिनांक 16 अप्रैल को पूर्वाह्न 8 राष्ट्रीय जनता दल के राज्य मुख्यालय से घटना स्थल के लिए प्रस्थान करेगी।

बापू और अंबेडकर के विचारों को कमजोर करने वाले गोडसेवादी को सत्ता सौंपकर नीतीश कुमार ने आहत किया हैः तेजस्वी प्रसाद यादव

पटना, (ईएमएस)। बिहार की राजधानी पटना स्थित बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय के कर्पूरी सभागार में संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी का 135वाँ जयंती समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर पर आरजेडी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव सहित पार्टी के सभी नेताओं ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने की जबकि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह स्वागताध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने संचालन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा हमसबों को यह नहीं भूलना चाहिए कि बाबा साहब ने भारत के संविधान की रचना की और उसमें पिछड़ा, अतिपिछड़ा, अनुसूचित जाति, जनजाति के हक और अधिकार की बातें की और इन वर्गों के लिए संविधान ने अधिकार दिया। बाबा साहब ने हमें संगठित, शिक्षित और संघर्ष करने की प्रेरणा दी। शिक्षा ग्रहण करने के लिए दलितों, शोषितों, वंचितों को हर स्तर पर आगे आना होगा। तेजस्वी ने आगे कहा कि नीतीश जी ने आज इस्तीफा दे दिया है, भाजपा-आरएसएस को बढ़ावा देने के प्रति उनका जो सोच रहा है, उसी का परिणाम आज उनका इस्तीफा। आज बापू के हत्यारे नाथूराम गोडसे की नीतियों पर चलने वालों को सत्ता सौंपकर बाबा साहब के आत्मा को आत्मा और विचार को आहत किया है। ये उन पर दबाव का नतीजा है। जहां राष्ट्रीय जनता दल और हमलोगों ने भाजपा-आरएसएस को रोकने का काम किया वहीं नीतीश कुमार जी ने उनके लिए मैदान मुहैया करवाकर बाबा साहब के विचारों को आज के दिन उनके जयन्ती के अवसर पर कमजोर किया है। आने वाले समय में जिस तरह की राजनीति हो रही है, उसके खिलाफ पिछड़ा, दलित, अतिपिछड़ा, आदिवासी और अल्पसंख्यक समाज के लोगों को अपनी एकजुटता बनायी रखनी होगी और भाजपा की नीतियों के खिलाफ साम्प्रदायिक शक्तियों को कमजोर करने के लिए संघर्ष और आन्दोलन के रास्ते को चुनने का संकल्प लेकर सदन से सड़क तक लड़ाई लड़नी होगी।इन्होंने कहा कि जो लोग परिवारवाद की राजनीति पर बड़ी-बड़ी बातें करते थे, आज उन्हीं लोगों के द्वारा बिना संघर्ष, आन्दोलन और सामाजिक कार्यों के बिना विधायक बने मंत्री के पद पर सुशोभित किया जा रहा है। ये लोग जो बोलते हैं उसपर अमल नहीं करते हैं। जो लोग मेरी षिक्षा पर सवाल खड़ा किया करते थे वो लोग आज चुप्पी क्यों साधे हैं और जनता दल यू के प्रवक्ता जो बात पहले कहते थे क्या अब भी वो सम्राट के संबंध में बातें कहेंगे। सम्राट चौधरी के सर्टिफिकेट पर अब सवाल क्यों नहीं खड़ा किये जा रहे हैं? बिहार में नीतीश जी ने खजाना खाली कर दिया है। एनडीए सरकार न वेतन दे पा रही है और न पेंषन। फ्री बिजली के नाम पर उपभोक्ताओं को तीन स्लैब का बिजली बिल थमाया जा रहा है। बिहार में किसान, मजदूर, नौजवान और आम-आवाम परेषान है। सरकार के द्वारा पढ़ाई, दवाई, कमाई की बात नहीं की जा रही है। सरकार के लोग सरकार बनाने में लगे हुए हैं। उन्हें बिहार की कोई चिंता नहीं है। सरकार स्थिर नहीं है, जिस कारण विकास संभव नहीं है।

बीजेपी विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल, डॉक्टरों की टीम कर रही निगरानी

पटना, (ईएमएस)। बीजेपी के कुम्हरार से विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक संजय गुप्ता पश्चिम बंगाल में चुनावी कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद सिलीगुड़ी से पटना लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका वाहन हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना कितनी गंभीर थी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि हादसे में उन्हें सीने में चोट लगी है। हादसे के तुरंत बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टरों द्वारा जांचें की जा रही हैं ताकि किसी अंदरूनी चोट की स्थिति का सही आकलन किया जा सके। इधर, घटना की खबर मिलते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता का माहौल है। पार्टी के कई नेता और करीबी अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जान रहे हैं। साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

सम्राट चौधरी को एनडीए विधानमंडल दल के नेता चुने जाने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने दी बधाई

पटना, (ईएमएस)। मंगलवार को बिहार एनडीए विधानमंडल दल की बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी को नेता चुन लिया गया। बिहार एनडीए विधानमंडल दल के नेता के रूप में सम्राट चौधरी के सर्वसम्मति से चयन किए जाने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने विश्वास जताते हुए कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि उनका कार्यकाल जनकल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी का सशक्त, अनुभवी और दूरदर्शी नेतृत्व निश्चित ही संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा तथा जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार की विकास की गति और तेज होगी और न्याय के साथ विकास की प्रतिबद्धता को और मजबूती मिलेगा। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी के सफल एवं जनकल्याणकारी कार्यकाल की मंगलकामनाएं भी की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि सम्राट चौधरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ जन-जन की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकसित बिहार बनाने के संकल्पों को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को विकास, सुशासन और समृद्धि के नए आयाम गढ़े हैं। अब उन आयामों को आगे बढ़ाने में सम्राट चौधरी कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि बिहार तेजी से आगे बढ़ेगा।

देवली में उमड़ा जनसैलाब, शहीद विधायक गुरुदास चटर्जी को 26वें शहादत दिवस पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

धनबाद : हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने तय कार्यक्रम के तहत 14 अप्रैल को दिवंगत तत्कालीन मासस नेता व निरसा पूर्व विधायक कामरेड गुरदास चटर्जी का 26वां शहादत दिवस वर्तमान में उनके पुत्र अरूप चटर्जी के नेतृत्व में मनाया गया। जिसमें हजारों की संख्या में उनके कार्यकर्ता समर्थक नेता पदाधिकारी उपस्थित हुए। शुरुआत में अपने आवास में ही विधायक अरुप चटर्जी अपने पूरे परिवार के साथ अपने आवास पर व अपने समर्थकों के साथ अपने पिता शहीद गुरदास चटर्जी के फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी । वही निरसा क्षेत्र के तमाम जगहों से उनके कार्यकर्ता हजारों की संख्या में मोटरसाइकिल रैली निकाली। जिसमें निरसा विद्यायक अरुप चटर्जी के साथ साथ चल रहे थे। साथ ही उनके हजारों कार्यकर्ता उनके साथ निरसा स्थित शहादत स्थल देवली पहुंचे। जहां भारी भीड़ उम्र पड़ी व सभा में तब्दील हो गई। सभा में विशेष रूप से पहुंचे पूर्व विधायक विनोद सिंह, आरा के सांसद सुदामा सिंह , सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो उर्फ बब्लू महतो , व माले के तमाम नेता कार्यकर्ता मंच पर उपस्थित होकर अपने अपनी बातों को रखा और और कहा कि किस तरह शहीद कामरेड गुरदास चटर्जी मजदूरों की लड़ाई लड़ते-लड़ते माफिया की निशाने पर आ गए और उनकी हत्या कर दी गई। वही सभा में उपस्थित विधायक अरुप चटर्जी व उनके समर्थक व कार्यकर्ताओं ने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनके बताएं पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया ।

बाबा साहेब का संविधान ही देश की असली ताकत, इसे कमजोर करने की साजिश नहीं चलेगी– राजेश राम

पटना, (ईएमएस)। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर की 136 वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम पटना में भीम संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को शाल देकर सम्मानित किया गया। सदाकत आश्रम में आयोजित भीम संवाद की अध्यक्षता करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि संविधान ने सबको बराबर का अधिकार दिया हैं। बाबा साहेब सबके हैं । उन्होंने आगे कहा कि संविधान में आरक्षण सभी वर्गों को दिया गया हैं उनकी ही परिकल्पना पे आधारित ओबीसी आरक्षण हो या ईडब्ल्यूएस आरक्षण हो या एसटी/एससी का आरक्षण हो, यह सभी आरक्षण संविधान के अनुरूप ही दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा बाबा साहेब के संविधान और सामाजिक न्याय की भावना की रक्षा के लिए लड़ती रही है और आगे भी पूरी मजबूती के साथ लड़ाई लड़ती रहेगी। राजेश राम ने कहा कि बाबा साहेब का सपना एक ऐसे भारत का था जहां हर व्यक्ति को समान अवसर मिले और समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो। उन्होंने कहा कि "भीम संवाद" का उद्देश्य बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और दलित, पिछड़े, आदिवासी तथा कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए समाज को जागरूक करना है। राजेश राम ने कहा कि आज जरूरत है कि देश के सभी लोकतांत्रिक और सामाजिक न्याय में विश्वास रखने वाले लोग एकजुट होकर संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलकर देश में सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर बिहार के सह प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने देश को ऐसा संविधान दिया, जिसने करोड़ों दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और वंचितों को सम्मान और अधिकार दिलाया। लेकिन आज देश में कुछ ताकतें संविधान की मूल भावना को कमजोर करने और सामाजिक न्याय की व्यवस्था को खत्म करने की साजिश कर रही हैं। कार्यक्रम का संचालन कनेक्ट सेंटर के मिन्नत रहमानी ने किया।

पुरानी रंजिश में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या, बेटा घायल

पटना, (ईएमएस)। बिहार की राजधानी पटना के पालीगंज अनुमंडल में एक पुरानी रंजिश में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बिक्रम थाना क्षेत्र के अराप गांव की है। मृतक की पहचान 40 वर्षीय रमाकांत पासवान के रूप में हुई है, जबकि उनका बेटा गोलू कुमार इस हमले में घायल हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, गोलू कुमार और 45 वर्षीय सरयूग शर्मा के बीच सब्जी की दुकान लगाने को लेकर पुराना विवाद था। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि गुस्से में आकर सरयूग शर्मा ने गोलू पर चाकू से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए गोलू अपने घर की ओर भागा, लेकिन आरोपी उसका पीछा करते हुए वहां भी पहुंच गया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मनाई गई भीमराव अंबेडकर जयंती

पटना, (ईएमएस)। भाजपा प्रदेश कार्यालय पटना में मंगलवार को संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सहित बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उन्हें नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि आज भारतीय संविधान के निर्माण में बाबा साहेब के योगदान और उनके महान विचारों का स्मरण करने का दिन है। हम सभी को अपने जीवन में उनके विचारों को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में जिस तरह से भेदभाव था और जो लोग मुख्य धारा के साथ जुड़ नहीं पाए थे और जो लंबे समय तक हाशिए पर थे, बाबा साहेब ने न केवल उनकी चिंता की बल्कि ऐसे लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संविधान में वो प्रावधान बनाने का भी कार्य किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर न केवल संविधान के निर्माता थे, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे। उन्होंने देश को ऐसा संविधान दिया जो लोकतंत्र, समानता और बंधुत्व के मूल्यों पर आधारित है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बाबा साहेब ने उच्चतम शिक्षा प्राप्त की और भेदभाव के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। उनका जीवन संकल्प और आत्मविश्वास का प्रेरणादायी उदाहरण है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब जैसे सपूत पर पूरे देश को गर्व है। हम सब सदैव उनके दिखाए मार्ग और उनके योगदान को याद रखेंगे।

अपने विदाई भाषण में भावुक हुए नीतीश,नई सरकार को मार्गदर्शन देता रहूंगा

पटना (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को अपनी आखिरी कैबिनेट मीटिंग की, जहां माहौल काफी भावुक दिखाई दिया। मीटिंग के दौरान नीतीश ने मंत्रिपरिषद को संबोधित कर अपने लंबे कार्यकाल व राज्य के विकास कार्यों को याद किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगली जो भी सरकार बनेगी, वह उसका मार्गदर्शन करते रहने वाले है। नीतीश के विदाई भाषण के दौरान वहां मौजूद कई नेता और मंत्री अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। पटना में आयोजित आखिरी कैबिनेट बैठक में नीतीश ने भावुक अपील कर कहा कि उन्होंने अपनी टीम के साथ मिलकर बिहार को आगे ले जाने का प्रयास किया है। करीब पांच मिनट के अपने संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने सहयोग के लिए सभी मंत्रियों का आभार जताया। मुख्यमंत्री नीतिश का यह संबोधन इतना मार्मिक था कि बैठक में सन्नाटा पसर गया और सभी ने इस विदाई भाषण को बहुत गंभीरता से सुना।

बाबा साहेब डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर समता मूलक समाज के प्रहरी के रूप में थे : अधिवक्ता परिषद धनबाद जिला इकाई

धनबाद। बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर जी की 135 वी जयंती समरसता दिवस के रूप में उर्मिला टावर रूम नंबर 116 में मनाई गई। इस जयंती में मुख्य रूप से अधिवक्ता परिषद सुनील कुमार क्षेत्रीय संयोजक झारखंड बिहार की उपस्थिति हुई। कार्यक्रम में उपस्थित विजय नाथ कुंवर महामंत्री अधिवक्ता परिषद झारखंड प्रांत, प्रशांत कुमार सिंह विशेष आमंत्रित सदस्य सह केंद्रीय कार्यकारणी, वरिष्ठ हरीश जोशी इत्यादि वरिष्ठों की उपस्थिति हुई। सुनील कुमार क्षेत्रीय संयोजक झारखंड बिहार ने कहा बाबा साहेब के योगदान आज प्रासंगिक है और आज हमारा देश उनके द्वारा बनाए गए लिखित संविधान पर समानता का अधिकार लोगो को दिलाने में सक्षम है। प्रशांत कुमार सिंह ने विधिक अधिकार पर बाबा साहेब की सोच को बताते हुए विधिक सेवा में उनके द्वारा बनाए गए सेक्शन और आर्टिकल पर प्रकाश डाला साथ ही विदेशों में भारत के संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालने का काम किया। विजय नाथ कुंवर ने बाबा साहेब के बनाए गए संविधान जो भारत की अखंडता और संप्रभुता को कैसे मजबूत बनाता है बतलाने का काम किया। हरीश जोशी ने कहा आज देश समरसता दिवस को मनाते हुए गौरांवित हो रहा है कि भारत का संविधान सबसे महान। मुख्य वक्ता प्रमोद झा ने अध्यात्म की अतीत से वर्तमान तक मानव जीवन तक प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का संविधान प्रासंगिक है जो भारत को मजबूत बनाता है और आह्वाहन किया है भारत के लोग को संविधानिक दृष्टिकोणों से और मजबूत बनाने की जरूरत है। जिला इकाई की ओर से प्रेम प्रकाश उपाध्याय और पंचानंद सिंह ने अपने संबोधन में कहा बाबा साहेब के सिद्धांतों को आज अपनाने की जरूरत है बाबा साहेब ने जो सोचा था उस सोच को मजबूती से उतारने की जरूरत है। जिला इकाई की ओर से उपस्थित होने वाले अधिवक्ता गणों में शिव शंकर चौधरी, नरेंद्र त्रिवेदी, प्रताप कुमार, सुनीता साहनी, राजन डॉन, चंदन सिंह, डॉक्टर साक्षी गोपाल चौबे, जितेन्द्र कुमार, दीपक कुमार, संतोष कुमार शील, नीरज कुमार, संगीता कुमारी, नंद कुमार गुप्ता, कामेश्वर मंडल, हीरा लाल चौहान, गजेंद्र सिंह, कुमार करुणा सिंह, शालिनी सिंह, राजू कुमार, सुब्रतो कुमार मुखोपाध्याय, टीनू सिन्हा, अभिजीत कुमार साधु, अशोक कुमार साधु, प्रेम प्रकाश उपाध्याय, प्रकाश कुमार सिंह, सुनील कुमार, अशोक कुमार मिश्रा इत्यादि उपस्थित हुए।

जदयू प्रदेश कार्यालय में मनाई गई अंबेडकर जयंती, उमेश कुशवाहा ने किया नमन

पटना, (ईएमएस)। मंगलवार को जद (यू) के प्रदेश कार्यालय, पटना में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ0 भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बाबा साहेब के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह 'गांधीजी', राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद, पूर्व मंत्री सह विधायक रत्नेश सदा, पूर्व मंत्री सह विधायक संतोष निराला, पूर्व सांसद सह अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, दुलाल चंद गोस्वामी, विधायक अरुण मांझी, विधायक शुभानंद मुकेश, विधायक महेंद्र राम, विधायक हेम नारायण शाह एवं जनाब सलीम परवेज सहित अनेक नेताओं ने बाबा साहेब को नमन करते हुए उनके विचारों एवं आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

नीतीश कुमार का 21 वर्षो का सुशासन, शोषितों वंचितों के कल्याण को समर्पितः जद (यू0)

पटना, (ईएमएस)। जद (यू0) के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पिछले दो दशकों का कार्यकाल आधुनिक बिहार के इतिहास में 'स्वर्णिम युग' के रूप में दर्ज किया जाएगा। वर्ष 2005 में सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री ने एक ऐसे बिहार की नींव रखी, जो समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है। उनके नेतृत्व में बिहार ने न केवल बदहाल कानून-व्यवस्था के दौर को पीछे छोड़ा, बल्कि सुशासन के माध्यम से प्रदेश में भयमुक्त वातावरण स्थापित कर विकास की नई इबारत लिखी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समाज के उन वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया है, जो सदियों से उपेक्षित थे। महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में बिहार ने पूरे देश को राह दिखाई है। सरकारी नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण देने के साहसिक फैसले और पुलिस बल में उनकी बड़े पैमाने पर बहाली ने राज्य के प्रशासनिक और सुरक्षा ढांचे में महिलाओं की भागीदारी को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान की है। साल 2013 में पुलिस बलों में महिलाओं के दिए गए उनकी सरकार के 35 फीसदी आरक्षण की मदद से आज बिहार में महिला पुलिस बलों की संख्या देश भर में सबसे ज्यादा है। इसके साथ ही, 'जीविका' के माध्यम से लाखों महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर और उद्यमी बनाया गया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की पूरी तस्वीर ही बदल गई है। उनकी ही कोशिशों के चलते आज बिहार में करोड़ों जीविका दीदियां आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनकर अपना सुनहरा भविष्य लिख रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण के लिए दर्जनों लक्षित योजनाएं चलाकर उनके सामाजिक और आर्थिक उत्थान को सुनिश्चित किया गया है।

मुख्यमंत्री के 'न्याय के साथ विकास' के संकल्प का ही परिणाम है कि आज बिहार के सुदूर गांवों तक बिजली और आधारभूत संरचना का जाल बिछ चुका है। सड़कों और पुलों के निर्माण ने राज्य की कनेक्टिविटी को वैश्विक मानकों के अनुरूप खड़ा किया है। आज का बिहार बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ आधारभूत ढांचे के मामले में देश के अग्रणी राज्यों को टक्कर दे रहा है। यह 21 वर्षों की अटूट तपस्या का फल है कि आज बिहार की पहचान एक प्रगतिशील और सशक्त प्रदेश के रूप में होती है।

संक्षिप्त खबरें

मिडिल ईस्ट मुद्दे पर जयशंकर और इजरायली विदेश मंत्री ने की फोन पर चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट मुद्दे पर दिल्ली से खबर आ रही हैं कि भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजरायल के विदेश मंत्री से फोन पर चर्चा की है। जयशंकर ने बताया कि मंगलवार दोपहर में इजरायल के विदेश मंत्री से फोन पर बात हुई, जिसमें पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को लेकर कई पहलुओं पर बात हुई। इजरायली विदेश मंत्री गिदोन साआर ने जयशंकर से लेबनान और ईरान के अलावा हार्मुज में चल रही टेंशन को लेकर विस्तार से चर्चा की। इतना ही नहीं उन्होंने इस्लामाबाद वार्ता में अमेरिका की शर्तों की भी हिमायत की और उन्हें जरूरी बताया। वहीं साआर की ओर से बताया गया, मेरे मित्र, भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के साथ हमेशा की तरह एक अच्छी बातचीत हुई। हम दोनों ने ईरान, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और लेबनान पर चर्चा की। 'मैंने कहा कि वार्ता में अमेरिका का सख्त रुख, ऐसी शर्तों पर जो ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकें (ईरान में किसी भी तरह का संवर्धन नहीं, और समृद्ध सामग्री को ईरान से हटाना) पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। गिदोन ने कहा, मैंने कहा कि ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में आर्थिक आतंकवाद के जरिए नौवहन की स्वतंत्रता और वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना ऐसी कार्रवाई की मांग करता है, जिससे सभी देशों जिसमें भारत और खाड़ी क्षेत्र के हमारे मित्र भी शामिल हैं, के लिए नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जा सके।

अफगानिस्तान के लिए भारत का मानवीय सहयोग, 13 टन टीबी वैक्सीन की खेप भेजी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत ने एक बार फिर मानवीय पहल करते हुए अपने पड़ोसी अफगानिस्तान को बड़ी सहायता भेजी है। भारत ने तपेदिक यानी टीबी से बचाव के लिए 13 टन बीसीजी वैक्सीन और संबंधित चिकित्सा सामग्री अफगानिस्तान भेजी है, जिससे वहां बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम को मजबूती मिलेगी। यह पहली बार नहीं है जब भारत ने अफगानिस्तान की मदद की हो। इससे पहले जनवरी में भारत ने काबुल को 7.5 टन जीवन रक्षक कैंसर दवाओं की खेप भेजी थी। लगातार मिल रही इस सहायता से दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग और मजबूत हुआ है। हाल ही में अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री मावलवी नूर जलाल जलाली ने नई दिल्ली में भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, दवाओं की आपूर्ति और चिकित्सा ढांचे को मजबूत करने पर चर्चा हुई। भारत ने पिछले चार वर्षों में अफगानिस्तान को 327 टन से अधिक दवाइयां और वैक्सीन उपलब्ध कराई हैं। इसके अलावा काबुल के बच्चों के अस्पताल के लिए एक सीटी स्कैन मशीन भेजने की योजना भी बनाई गई है, जिससे वहां इलाज की सुविधाएं और बेहतर होंगी। दोनों देशों के बीच हुई बातचीत में मेडिकल वीजा, कैंसर उपचार, स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान जैसे मुद्दों पर भी जोर दिया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की मानवीय सहायता न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करती है, बल्कि क्षेत्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा को भी बढ़ावा देती है।

श्रीराम जन्मभूमि परिसर के सभी 18 मंदिरों के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खुले

अयोध्या,(ईएमएस)। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर के सभी 18 मंदिरों के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। अब भक्त रामलला के साथ-साथ परिसर में स्थित अन्य मंदिरों के भी दर्शन का सौभाग्य पा सकते हैं। दर्शन का समय सुबह 7:00 बजे से रात 9:00 बजे तक रहेगा। इसके साथ दोपहर 12-1 बजे के बीच बंद रहेगा। इस फैसले के बाद भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। मंदिर परिसर में रामलला और राम परिवार सहित कुल 18 मंदिरों का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अब पूरे परिसर को श्रद्धालुओं के लिए खोला गया है। पहले जहां सीमित स्थानों पर ही दर्शन की सुविधा थी, अब भक्त पूरे परिसर में स्थापित सभी मंदिरों के दर्शन कर सकते है। यह व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए बड़ा आध्यात्मिक अनुभव साबित हो रही है। राम मंदिर प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए पास प्रणाली लागू की है। इसके तहत सीमित संख्या में ही श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जा रहा है। हर दो घंटे के स्लॉट में करीब 1500 श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति मिल रही है। इससे भीड़ नियंत्रण में मदद मिल रही है और श्रद्धालुओं को बिना धक्का-मुक्की के आराम से दर्शन का मौका मिल रहा है। श्रद्धालु सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक कुल 13 घंटे दर्शन कर सकते हैं। हालांकि दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक सभी मंदिरों के पट बंद रहने वाले है। मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिस और प्रशासनिक टीमें लगातार निगरानी में लगी हुई हैं। सीसीटीवी कैमरे और बैरिकेडिंग के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

ईरान ने दिया अप्रत्याशित बयान, भारत को वैश्विक शांति की "कुंजी" बताया

भारत की संतुलित और जिम्मेदार विदेश नीति की खूब सराहना की

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता विफल होने के बाद वैश्विक तनाव बढ़ने की आशंका थी, इससे वेस्ट एशिया में संघर्ष का खतरा मंडराने लगा। इस बीच ईरान ने एक अप्रत्याशित बयान देकर दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींच दिया है। मुंबई में ईरानी राजदूत सैयद रजा मोसेब मोतलाद ने भारत को वैश्विक शांति की "कुंजी" बताकर उसकी संतुलित और जिम्मेदार विदेश नीति की खूब सराहना की। ईरान ने अमेरिका पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया, लेकिन साथ ही भारत, रूस और चीन को ऐसी "त्रिमूर्ति" बताया जो संभावित वैश्विक युद्ध रोक सकती है। यह बयान तब आया जब दुनिया महाशक्तियों के टकराव को लेकर चिंतित थी। ईरान के अनुसार, भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को जोखिम में डालकर भी संतुलन और स्थिरता का पक्ष लिया है। भारत न अमेरिकी कार्रवाइयों का अंध समर्थन किया और न ही किसी युद्धोन्मुखी रुख को बढ़ावा दिया। भारत की यही तटस्थ और संतुलित नीति एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में दिखाती है। इतना ही नहीं ईरान ने इस भरोसे को व्यवहार में दिखाकर होरमुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया। यह कदम दोनों देशों के बीच विश्वास और सम्मान को दर्शाता है। इस दौरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजिस्कियन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच कूटनीतिक बातचीत भी जारी रही, इससे संकेत मिलता है कि युद्ध के बजाय समाधान की कोशिशें चल रही हैं। इन घटनाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें अब भारत पर टिकी हैं। वर्तमान परिदृश्य में भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। ईरान के इस बयान ने स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक शांति बनाए रखने में भारत से बड़ी उम्मीदें जुड़ी हैं, और आने वाले समय में उसके कदम अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय कर सकते हैं।

नोएडा हिंसा हुई नहीं, भड़काई ! रातोंरात बने व्हाट्सएप ग्रुप, बाहर से बुलाए गए लोग

नोएडा (ईएमएस)। नोएडा में श्रमिकों के द्वारा हिंसा हुई नहीं थी, बल्कि सोची-समझी रणनीति के तहत कराई गई थी...? नोएडा में सोमवार को हजारों श्रमिक सड़कों पर उतार आए और उन्हीं फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ करने लगे, जिसमें वे काम करते हैं। ये वहीं, फैक्ट्रियां हैं, जिनसे उनका घर चलता है, उनकी रोजी-रोटी का इंतजाम होता है। लेकिन कैसे हजारों मजदूर तोड़फोड़ करने का उतर आए। इन सवालों के जवाब पुलिस की जांच में धीरे-धीरे सामने आ रहा हैं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि हिंसक प्रदर्शन में शामिल कई लोग मजदूर थे ही नहीं। पुलिस जांच में पता चला है कि नोएडा में प्रदर्शनकारियों को जुटाने और विरोध को हिंसक बनाने के लिए व्हाट्सएप ग्रुपों का बड़ी संख्या में इस्तेमाल हुआ। जांच एजेंसियों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों को क्यूआर कोड के जरिए अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुपों में जोड़ा गया। यह प्रक्रिया बेहद तेजी से की गई, जिसके चलते बड़ी संख्या में लोगों को रातोंरात इन ग्रुपों में शामिल किया गया। इन ग्रुपों के नाम भी अलग-अलग थे, जिससे उनकी पहचान करना शुरुआती दौर में मुश्किल हो गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एक ग्रुप मजदूर आंदोलन के नाम से संचालित हो रहा था, जिसमें विभिन्न मजदूर संगठनों और समूहों को जोड़ा गया था। इन समूहों में लगातार संदेश भेजे जा रहे थे।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर जारी तनाव, क्या दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध में झोंक देगा

भारत पर क्या असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बढ़ते तनाव ने वैश्विक स्तर पर गंभीर चिंताएँ पैदा कर दी हैं। अमेरिका और ईरान के बीच 12 अप्रैल को इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता विफल होने के बाद स्थिति और जटिल हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों पर "टोटल मैरीटाइम ब्लॉकेड" लागू किया है। यह कदम दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक को प्रभावित करता है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आपूर्ति होती है। इस कारण न केवल तेल की कीमतों में तेज उछाल का खतरा है, बल्कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पर भी गंभीर असर पड़ सकता है।

इस बार की स्थिति पिछले खाड़ी युद्धों से अलग है, क्योंकि अमेरिका को व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन नहीं मिल रहा। नाटो के कई प्रमुख देश जैसे स्पेन, जर्मनी और इटली सैन्य कार्रवाई से दूरी बना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी इस कदम को मंजूरी नहीं मिली, क्योंकि रूस और चीन ने वीटो किया। केवल इजराइल और यूएई ही अमेरिका के साथ खड़े नजार आ रहे हैं। इससे अमेरिका पर आर्थिक और सैन्य दबाव बढ़ गया है। जहां चीन और रूस संकट को अमेरिका के प्रभाव को कमजोर करने के मौके के रूप में देख रहे हैं। चीन, जो मध्य पूर्व से भारी मात्रा में तेल आयात करता है, अपने हितों की रक्षा के लिए सैन्य तैनाती का संकेत दे चुका है। वहीं रूस यूरोप में अपनी गतिविधियां बढ़ा रहा है। दोनों देश उर्वरक आपूर्ति को नियंत्रित कर वैश्विक दबाव बना सकते हैं, जिससे भारत और ब्राजील जैसे देशों के सामने खाद्य सुरक्षा की चुनौती खड़ी हो सकती है। आर्थिक प्रभाव केवल तेल तक सीमित नहीं रहेगा। तेल की कीमतें 130–150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। उर्वरक की कीमतों में भारी वृद्धि से कृषि प्रभावित होगी, इससे खाद्य संकट की आशंका है। शिपिंग बीमा महंगा होने से वैश्विक सप्लाई चेन बाधित हो सकती है, और बैंकिंग सिस्टम में भी तरलता संकट पैदा हो सकता है।

इस संकट के तीसरे विश्व युद्ध में बदलने की आशंका जाहिर की जा रही है। यदि ईरान पर दबाव बढ़ता है, तब वह परमाणु कार्यक्रम को तेज कर सकता है। साथ ही, हिजबुल्लाह और हूती जैसे सहयोगी समूह सक्रिय हो सकते हैं। साइबर हमलों का खतरा भी बढ़ गया है, जो वैश्विक वित्तीय और ऊर्जा प्रणालियों को प्रभावित कर सकता है। भारत पर इसका सीधा असर पड़ सकता है, क्योंकि वह कच्चे तेल के लिए खाड़ी क्षेत्र पर निर्भर है। तेल महंगा होने से महंगाई बढ़ेगी और आम लोगों पर बोझ पड़ेगा। उर्वरक महंगे होने से कृषि उत्पादन प्रभावित हो सकता है। हालांकि भारत ने अभी तटस्थ रुख अपनाया है, लेकिन लंबा संकट होने पर भारत को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और रणनीतिक भंडार का उपयोग करना पड़ेगा। कुल मिलाकर, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का यह संकट केवल क्षेत्रीय मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। ऐसी स्थिति में सतर्क कूटनीति और आर्थिक तैयारी ही देशों को इस संभावित संकट से बचा सकती है।

महिला आरक्षण बिल को लेकर सहमति बनाने में जुटी केंद्र सरकार, विपक्ष परिसीमन को लेकर हमलावर

कांग्रेस का आरोप, परिसीमन पर चर्चा करने से भाग रही सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। महिला आरक्षण बिल को लेकर केंद्र ने सहमति बनाने की कोशिशें तेज कर 2029 के आम चुनाव से लागू करने का साफ संकेत दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी दलों से सहयोग की अपील की है, लेकिन पूरे मामले में परिसीमन सबसे बड़ा पेंच बनकर सामने आया है, जिस पर मोदी सरकार अब भी स्पष्ट रुख सामने नहीं ला रही। विपक्ष, खासकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिल की प्रक्रिया के समय और मंशा पर सवाल उठाया है, इससे मुद्दा राजनीतिक सहमति से ज्यादा टकराव की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। दरअसल,16 अप्रैल से शुरू हो रहे संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने के लिए सरकार फिर संविधान संशोधन विधेयक ला रही है। खुद पीएम मोदी ने इसका खुलासा किया है, लेकिन सूत्रों का दावा है कि परिसीमन आयोग के गठन व लोकसभा और विधानसभा की सीटों की संख्या में संभावित बदलाव के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने की तैयारी हो रही है। हालांकि मोदी सरकार की ओर से इस पर औपचारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराना गठबंधन की सरकार के लिए आसान नहीं है। इसके लिए सरकार अपने सहयोगी सभी दलों को साथ रखकर विपक्षी दलों को साधना जरूरी है। संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए कुल सदस्यों के पचास फीसदी सदस्यों का सदन में मौजूद रहना जरूरी है। वहीं मौजूद सदस्यों में से दो तिहाई के समर्थन से ही विधेयक पारित हो सकता है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक दलों के नेताओं को लिखे पत्र में कहा कि देश की बेटियां आज स्पेस, खेल, सेना और स्टार्टअप्स जैसे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। इसके बाद राजनीति में उनकी भागीदारी बढ़ाना समय की मांग है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लागू करने का सही समय है। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल से संसद में इस बिल पर ऐतिहासिक चर्चा शुरू होने जा रही है। यह लोकतंत्र को मजबूत करने और सभी को साथ लेकर चलने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि 2023 में संसद में सभी दलों ने मिलकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का समर्थन किया था। उस दिन को वह भारत की संसदीय यात्रा का एक प्रेरक और ऐतिहासिक क्षण था। उन्होंने उम्मीद जाहिर की हैं कि इस बार भी सभी दल उसी भावना के साथ आगे आएंगे।

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पीएम मोदी को जवाबी पत्र भेजा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों के बीच विशेष सत्र बुलाना ठीक नहीं है। इससे लगता है कि यह महिला सशक्तिकरण से ज्यादा राजनीतिक लाभ की जल्दबाजी के लिए हैं। यह विशेष सत्र विपक्ष को विश्वास में लिए बिना बुलाया गया है। सरकार परिसीमन के मुद्दे पर कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं कर रही है, जबकि यह कानून उससे जुड़ा हुआ है। 2023 में महिला आरक्षण का विधेयक को सर्वसम्मति से पारित किया गया था और उस समय कांग्रेस ने इस तुरंत लागू करने की मांग की थी, लेकिन अब 30 महीने बाद अचानक सरकार फिर से चर्चा में ला रही है।

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार 48 साल बाद खुले भीतरी कक्ष में गिनती जारी

पुरी,(ईएमएस)। ओडिशा के जगन्नाथ मंदिर में स्थित रत्न भंडार को लेकर एक बार फिर रहस्य और जिज्ञासा का माहौल बन गया है। लगभग 48 वर्षों बाद मंदिर के भीतरी रत्न भंडार कक्ष को खोला गया है, जहां रखे बहुमूल्य आभूषणों और खजाने की गिनती का कार्य जारी है।

मंदिर से जुड़े पुजारियों और उनके वंशजों का दावा है कि इस रत्न भंडार में सोने, चांदी और हीरे-जवाहरात का विशाल भंडार मौजूद है। साथ ही मंदिर परिसर में कई खुफिया चैम्बर और एक गुप्त सुरंग होने की भी चर्चा लंबे समय से होती रही है। बताया जाता है कि वर्ष 2018 में एक बंद पड़े गुप्त तहखाने तक पहुंचने की कोशिश की गई थी, लेकिन उस समय उसका दरवाजा खोलने के लिए चाबी नहीं मिल सकी। बाद में जुलाई 2024 में उस कक्ष को खोला गया, हालांकि अंदर मौजूद वस्तुओं को लेकर अब भी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मंदिर के पुजारी बताते हैं, कि प्राचीन काल में विभिन्न राजाओं द्वारा जीते गए धन और आभूषण इसी रत्न भंडार में सुरक्षित रखे जाते थे। इनमें सोने-चांदी के मुकुट, सिंहासन और बहुमूल्य रत्न शामिल हैं। वहीं दूसरी तरफ कहा जाता है, इतिहास में उल्लेख मिलता है कि मंदिर को कई बार लूटने के प्रयास हुए, लेकिन हर बार प्रतिहारियों ने भगवान की मूर्तियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया।

इन्हीं दंत कथाओं के आधार पर मंदिर के भीतर एक गुप्त सुरंग होने की बात कही जाती है, जहां संकट के समय मूर्तियों को छिपाया जाता था। एक और रहस्यमयी दावा मंदिर के पुजारियों द्वारा किया गया है। वे बताते हैं कि जब मंदिर में मूर्तियों के परिवर्तन की परंपरा निभाई जाती है, उस दौरान रत्न भंडार के आसपास से अजीब-अजीब आवाजें सुनाई देती हैं। कुछ लोगों का दावा है कि वहां सांपों के फुफकारने जैसी ध्वनियां भी सुनाई देती हैं। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मंदिर से जुड़ी ये रहस्यमयी कहानियां आज भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

दिल्ली–देहरादून कॉरिडोर के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे साधु-संतों ने पीएम मोदी का आभार जताया

पीएम बनने के बाद से अब तक 20 बार किया देवभूमि का दौरा

देहरादून,(ईएमएस)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में दिल्ली–देहरादून कॉरिडोर के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान साधु-संतों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया और इस उत्तराखंड के प्रति उनके विशेष स्नेह का प्रतीक बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संत और धार्मिक प्रतिनिधि शामिल हुए, जिन्होंने प्रधानमंत्री के आगमन और परियोजना को राज्य के लिए ऐतिहासिक कदम बताया।

बद्री-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि उत्तराखंड के लोग स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी का राज्य से गहरा जुडाव बना हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में बार-बार आगमन इसका संकेत है कि वे राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को विशेष महत्व दे रहे हैं। उनके अनुसार, मोदी सरकार लगातार उत्तराखंड को विकास की नई सौगातें दे रही है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था और सामाजिक ढांचा मजबूत हो रहा है।

कार्यक्रम में मौजूद संतों ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि उनका उत्तराखंड की जनता और संत समाज से गहरा प्रेम और सम्मान का संबंध है। संतों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जब भी राज्य में आते हैं, वे विकास से जुड़ी कोई न कोई बड़ी परियोजना देवभूमि को देकर जाते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को सीधा लाभ मिलता है। संत समाज के एक अन्य सदस्य ने बताया कि प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी अब तक 20 से अधिक बार उत्तराखंड का दौरा कर चुके हैं, जो राज्य के प्रति उनकी गंभीरता और प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली–देहरादून कॉरिडोर बनने से दोनों शहरों के बीच यात्रा समय घटकर करीब ढाई घंटे रह जाएगा, जिससे आवागमन आसान और व्यापार, पर्यटन तथा रोजगार के नए अवसर पैदा होने है। इस परियोजना को उत्तराखंड के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। इससे न केवल कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ भी बढ़ेंगी।

अलकायदा से जुड़े तीन आतंकियों को मिली उम्रकैद, कुकर बम से दहलाने की थी तैयारी

लखनऊ (ईएमएस)। राजधानी लखनऊ की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने आतंकी साजिश रचने वाले तीन आतंकवादियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ-साथ कोर्ट ने तीनों आरोपियों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। विशेष न्यायाधीश जैनेंद्र पांडे ने सुनवाई पूरी करने के बाद मुख्य आरोपी मिनहाज अहमद, मुसीरुद्दीन और तौहीद को दोषी पाते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि ये तीनों आरोपी देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा थे और किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। पब्लिक प्रॉसिक्यूटर मनोज सिंह और बृजेश यादव ने कहा कि इन आतंकियों के पास से संदिग्ध दस्तावेज, अवैध हथियार और भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई थी। कोर्ट में पेश किए गए तथ्यों के आधार पर यह साबित हुआ कि तीनों आरोपी मिलकर 15 अगस्त से पहले लखनऊ समेत कई ठिकानों पर विस्फोट करना चाहते थे। इसके लिए अपराधियों ने 'कुकर बम' तैयार किए थे, जिनके सहारे भीड़भाड़ वाले इलाकों में तबाही मचाने की योजना थी। साल 2021 में गिरफ्तारी के दौरान इनके पास से कुकर बम और हथियारों का जखीरा बरामद किया गया था। 11 जुलाई 2021 को यूपी एटीएस ने अलकायदा से जुड़े मुसीरूद्दीन को गिरफ्तार किया था, जबकि दूसरी टीम ने काकोरी में छापेमारी कर मिनहाज अहमद को दबोचा था। इन दोनों से हुई पूछताछ में जम्मू-कश्मीर के रहने वाले तौहीद का नाम सामने आया, जिसे बाद में एटीएस ने गिरफ्तार किया। जांच में यह खुलासा हुआ कि ये तीनों आरोपी टेलीग्राम और इंटरनेट के माध्यम से विदेश में बैठे आतंकियों के सीधे संपर्क में थे। वे विदेशी हैंडलर्स के इशारे पर स्थानीय युवाओं को बरगलाकर अपने संगठन में जोड़ने का काम भी कर रहे थे। इन तीनों आरोपियों के इरादे बेहद खतरनाक थे और वे राजधानी लखनऊ व आसपास के जिलों में सीरियल ब्लास्ट करने की विस्तृत योजना बना चुके थे। लेकिन किसी भी बड़ी वारदात को अंजाम देने से पहले ही यूपी एटीएस ने सक्रियता दिखाते हुए इन्हें गिरफ्तार कर लिया था। एनआईए ने कोर्ट के समक्ष सभी वैज्ञानिक साक्ष्य और तकनीकी दस्तावेज पेश किए, जिसके आधार पर कोर्ट ने इन्हें समाज के लिए घातक माना।

इस्लामाबाद में उड़ रहे ड्रोन या मिसाइल को पहचान लें ऐसा रडार सिस्टम खरीद रही भारतीय वायुसेना

नई दिल्ली (ईएमएस)। वहां जमाना बीत गया, जब किसी देश पर हमला करने के लिए सैनिकों की टुकड़ी भेजी जाती थी। आज के समय में जंग मिसाइल, फाइटर जेट और ड्रोन से लड़ी जाती है। लेकिन आधुनिक जंग में दुश्मन पर लड़ाकू विमान, मिसाइल और ड्रोन से हमला करने से भी ज्यादा जरूरी होता है, उसके हमलों से खुद को बचाना। दुनिया के ज्यादातर देश या आधुनिक रडार सिस्टम तैयार कर रहे हैं या फिर उन्हें खरीदकर अपनी सेना में शामिल कर रहे हैं। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) भी बेहद आधुनिक और लंबी दूरी तक निगरानी रखने में सक्षम रडार (एलआरएसआर) खरीद रही है। ये रडार उन सिस्टमों की जगह ले सकते हैं, जिन्हें भारत 1970 के दशक से इस्तेमाल कर रहा है।

वायुसेना को एक मोबाइल गाड़ी में माउंटेड सिस्टम चाहिए, जो बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ-साथ फाइटर जेट और ड्रोनों का पता लगाकर उन्हें ट्रेक कर सके। रडार का क्रास सेक्शन कम होना चाहिए, यानी वह हवा में चली आ रही ज्यादातर मशीन को डिटेक्ट कर ले। इसकी स्पीड तेज होनी चाहिए। साथ ही 450 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर और 40 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर उड़ते मिसाइल या ड्रोन का भी पता लगा ले। यानी इस्लामाबाद से कोई ड्रोन या मिसाइल लांच होने पर भारत की धरती से डिटेक्ट किया जा सके। वायुसेना की तरफ से जारी रिक्वेस्ट फॉर इन्फॉर्मेशन (आरएफआई) के मुताबिक यह सिर्फ भारतीय संस्थाओं के लिए ही है। इसमें मुख्य रडार के अलावा, ड्रोन का पता लगाने के लिए मुख्य एंटीना वाहन पर ही एक एक्स-बैंड रडार भी होना चाहिए, जिसके साथ एक साझा या एकीकृत डिस्प्ले भी होना चाहिए। ये तकनीक इसलिए जरूरी है, क्योंकि 2025 में पाकिस्तान के साथ टकराव में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिसाइलें और ड्रोन ही सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जा रहे थे। भारतीय वायुसेना जिस तरह का रडार चाहती है, उसमें अहम शर्त यह है कि वह जेएन टेक्नोलॉजी पर आधारित हो। दरअसल, जेएन (गैलियम नाइट्राइड) एक उन्नत सेमीकंडक्टर मिश्रण है, जो पारंपरिक सिलिकॉन की जगह लेता है। इससे छोटे, तेज और ज्यादा कुशल पावर डिवाइस बनाना संभव होता है। इसकी कई खासियतें हैं, जैसे उच्च-पावर दक्षता, कम गर्मी पैदा होना और उच्च-आवृत्ति स्विचिंग। इसकारण यह कॉम्पैक्ट, उच्च-पावर वाले चार्जर, नवीकरणीय ऊर्जा और रक्षा प्रणालियों के लिए एकदम सही है।

संपादकीय

ट्रंप का पागलपनः अमेरिका के लिए ब्रिक्स के बाद अब अफ्रीकी देशों की चुनौती

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अमेरिका की पारंपरिक ताकत को कई मोर्चों पर चुनौती मिलना शुरू हो गई है। ब्रिक्स देशों के विस्तार और अमेरिका के प्रति नाराजी के बाद अब अफ्रीकन यूनियन भी वैश्विक शक्ति संतुलन में अमेरिका के खिलाफ अपनी भूमिका को मजबूती से स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सबसे बड़ा परिवर्तन आर्थिक मोर्चे पर देखने को मिल रहा है। लंबे समय से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर का वर्चस्व बना हुआ था। पहले "पेट्रो-डॉलर" की व्यवस्था कहा जाता है। डॉलर के जरिए पेट्रोलियम का कारोबार जब से शुरू हुआ है तब से डॉलर और अमेरिका दोनों का प्रभुत्व बढ़ता चला गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से टैरिफ को लेकर सारी दुनिया के देशों को धमकाया। वैश्विक व्यापार संधि को ठुकराते हुए उन्होंने अपने नियम कानून बनाने शुरू कर दिए। इससे अमेरिका की साख सारी दुनिया में घट गई। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को आधी रात को राष्ट्रपति भवन से उठा लिया था, इस कार्रवाई को दुनिया के किसी भी देश ने पसंद नहीं किया। अब इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया है, यह हमला उस समय हुआ था जब बातचीत चल रही थी। इस हमले के जरिए ईरान के धर्मगुरु सहित 180 छोटी-छोटी बच्चियों और हजारों लोगों की हत्या इजराइल और अमेरिका ने की है। उसके बाद से अमेरिका की मुश्किलें एक के बाद एक बढ़ती चली जा रही हैं। ईरान, रूस और चाइना जैसे देश अपने द्विपक्षीय व्यापार में स्थानीय मुद्राओं का उपयोग लगातार बढ़ा रहे हैं। कई देशों ने अमेरिकी ट्रेजरी से बांड और गोल्ड का स्टॉक निकाल लिया है। सारी दुनिया के देशों की डॉलर पर निर्भरता कम हो रही है। अमेरिका की आर्थिक स्थिति भी दिन-प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। अमेरिका की आर्थिक और सामरिक ताकत ही सबसे बड़ी ताकत थी, जिसके बल पर वह सारी दुनिया में राज कर रहा था।

यहां अफ्रीकी यूनियन का रुख भी महत्वपूर्ण हो चला है। अफ्रीका के कई देश मिलकर अपने संसाधनों विशेषकर खनिज और ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक संतुलित और बहुध्रुवीय व्यापार व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रहे हैं। इससे अमेरिका और पश्चिमी देशों की पारंपरिक पकड़ और आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। ऐसे में यदि अफ्रीकी देश एकजुट होकर व्यापार और मुद्रा के नए विकल्प तलाश कर लेते हैं, तो बड़ी तेजी के साथ वैश्विक आर्थिक समीकरण बदलना तय है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव विशेषकर इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने अमेरिका की ताकत को चुनौती देने का काम कई देश मिलकर कर रहे हैं। मुस्लिम देशों में भी अमेरिका की नीतियों को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। जिसका असर अमेरिका की आर्थिक स्थिति में पड़ना तय है। यह कहना जल्दबाजी होगी, अमेरिका की शक्ति क्षीण हो रही है। सैन्य, तकनीकी और वित्तीय क्षेत्रों में अमेरिका की बढ़त अभी भी कायम है। इतना स्पष्ट है, विश्व अब एकध्रुवीय व्यवस्था पर नहीं चल सकता है। नई शक्तियां तेजी के साथ उभर रही हैं। वैश्विक व्यवस्था बहुध्रुवीय दिशा में आगे बढ़ रही है। इस समय अमेरिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती नीतियों में लचीलापन लाकर नए शक्ति केंद्रों के साथ संतुलित संबंध स्थापित करना होगा। पिछले 60 वर्षों से अमेरिका की जो दादागिरी थी अब वह देखने को नहीं मिलेगी। आने वाले वर्षों में यह देखना होगा, अमेरिका इस चुनौती का किस तरह से सामना करता है। डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रामक टैरिफ और हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर धमकी भरी नीतियाँ अमेरिका के लिए घातक हो सकती हैं। अल्प काल में दबाव बना सकती हैं, दीर्घ काल में सहयोगी देशों का विश्वास और भी कम कर सकती हैं। इससे वैश्विक व्यापार संतुलन बिगड़ेगा। अमेरिका की आर्थिक और कूटनीतिक स्थिति तेजी के साथ कमजोर हो सकती है। ट्रंप की नीतियों के कारण जो हाल सोवियत रूस का हुआ था, उसी तरह के आसार अब अमेरिका के दिखने लगे हैं।

राजनीति के आंगन में सनातन की अडिग ध्वजा के वाहक डॉ. नरोत्तम मिश्रा

डॉ. दुर्गेश केसवानी

भारतीय राजनीति में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल सत्ता के समीकरणों में न फंसकर, एक विचारधारा, संस्कृति और अडिग विश्वास का प्रतीक बन जाते हैं। मध्य प्रदेश की राजनीति में संकटमोचक के रूप में चर्चित पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। उनका जीवन और कार्य हमें यह संदेश देते हैं कि राजनीति केवल अवसरवादिता तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह समाज के सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों की रक्षा का एक पवित्र दायित्व भी है। 15 अप्रैल 1960 को ग्वालियर की ऐतिहासिक भूमि पर जन्मे डॉ. नरोत्तम मिश्रा के व्यक्तित्व में चंबल की प्रचंडता और ग्वालियर की सांस्कृतिक गरिमा का अद्वितीय सम्मिलन है। उनकी शिक्षा और जीवन के प्रारंभिक संघर्षों ने उन्हें न केवल अकादमिक रूप से सशक्त किया, बल्कि उनके भीतर राष्ट्रवाद, सनातन संस्कृति और धर्म के प्रति अडिग श्रद्धा का बीज भी रोपित किया। डॉ. मिश्रा का राजनीति में प्रवेश केवल एक पेशेवर विकल्प नहीं था, बल्कि यह समाज की सेवा और भारतीय संस्कृति की रक्षा का संकल्प था। डॉ. नरोत्ततम मिश्रा ने हमेशा यह कहा है कि भारत की आत्मा उसके मंदिरों, ग्रंथों और परंपराओं में बसी है। गृह मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में, मध्य प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और मंदिरों के जीर्णोद्धार की जो पहल की, वह उनकी इस दृष्टि का सशक्त प्रमाण है। उज्जैन के महाकाल लोक से लेकर ओरछा के राम राजा लोक तक, उन्होंने हर कदम पर सनातन की गरिमा को पुनर्निर्मित किया। इन प्रयासों ने न केवल राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को फिर से जीवित किया, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था का नया केंद्र भी स्थापित किया। डॉ. मिश्रा का सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार उनका स्पष्ट दृष्टिकोण और साहसिक निर्णय थे। जब भी सनातन संस्कृति पर हमलावर शक्तियाँ सामने आईं, उन्होंने उनके खिलाफ हमेशा अपनी आवाज उठाई। लव जिहाद पर कड़ा कानून लागू करना हो या धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने के लिए कानून बनाना, डॉ. मिश्रा ने यह सुनिश्चित किया कि धर्म की मर्यादाओं की रक्षा के लिए कानून उतना ही कठोर और स्पष्ट रहे जितना समाज के अन्य मुद्दों पर होता है। डॉ. मिश्रा का सनातन धर्म के प्रति प्रेम दतिया में बने नवग्रह मंदिर में जीवित रूप से देख सकते हैं। दतिया को लघु वृंदावन का दर्जा दिलाने में उनका अत्यधिक योगदान है, और नवग्रह मंदिर का निर्माण उनके जीवन का एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक कार्य है। यह मंदिर न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि सनातन धर्म के ज्योतिषीय और स्थापत्य विज्ञान का अद्वितीय संगम भी है। दतिया का नवग्रह मंदिर दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां नौ ग्रहों के अधिष्ठाता देवों की भव्य मूर्तियाँ शास्त्रों के अनुसार स्थापित की गई हैं। यह मंदिर न केवल आध्यात्मिक शांति का केंद्र है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और खगोलशास्त्र का एक अद्वितीय संगम भी प्रस्तुत करता है। मंदिर की स्थापत्य कला में उत्तर और दक्षिण भारतीय कला का मिश्रण है, जो डॉ. मिश्रा की कलात्मक दृष्टि और संस्कृतिपरक दृषटिकोन को दर्शाता है। यह नवग्रह मंदिर दतिया को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान प्रदान करता है। लाखों श्रद्धालु यहाँ आकर ग्रहों की शांति और आध्यात्मिक उन्नति के लिए पूजा अर्चना करते हैं। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसरों में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। डॉ. मिश्रा को उनके प्रभावशाली भाषणों और वाकपटुता के लिए भी जाना जाता है। चाहे वह विधानसभा में हो या प्रेस कांफ्रेंस में, वे सनातन धर्म विरोधी नरेटीव को तथ्यों और तर्कों से ध्वस्त कर देते हैं। वे हमेशा कहते हैं, सनातन वह प्रवाह है जिसे कोई भी बांध नहीं सकता। उनके भाषण युवाओं को प्रेरित करते हैं कि वे अपनी सांस्कृतिक धरोहर पर गर्व करें और उसे राजनीति के माध्यम से प्रोत्साहित करें। डॉ. मिश्रा ने हमेशा संस्कृति की रक्षा के लिए आवाज उठाई है। चाहे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर सनातन प्रतीकों का अपमान हो, या कहीं अन्यत्र सनातन के विरुद्ध कुछ हो, डॉ. मिश्रा हमेशा उसके खिलाफ खड़े हुए। उनका मानना है कि राजनीति को धर्म (कर्तव्य) के अंकुश में रहकर ही चलाना चाहिए। सादगी और पारंपरिकता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, डॉ. मिश्रा ने यह सिद्ध किया है कि सत्ता के शीर्ष पर रहते हुए भी अपनी संस्कृति और परंपराओं से नाता तोड़ा नहीं जा सकता।

कैनवास पर जिंदगीः जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

दिलीप कुमार पाठक

15 अप्रैल विश्व कला दिवस

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

अंततः, हमें कला को केवल दीर्घाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। चाहे आप एक शिक्षक हों, खेत में पसीना बहाता किसान हों, घर संभालती गृहणी हों या कंप्यूटर पर कोडिंग करता सॉफ्टवेयर इंजीनियर-अपने काम को करने का आपका जो अपना मौलिक और बेहतर तरीका है, वही आपकी असली कला है। भारत की असली ताकत यहाँ के लोगों के हुनर और उनकी सांस्कृतिक विविधता में है। जब हम अपनी इस कलात्मक सोच को आधुनिक तकनीक और नए विचारों से पूरी तरह जोड़ देंगे, तभी एक ऐसे समाज का निर्माण होगा जहाँ हर हाथ में कौशल होगा और हर दिमाग में एक नया विचार। आइए, इस रचनात्मकता के सप्ताह को अपनी जिंदगी के कोरे कैनवास पर नए रंग भरने और समाज में एक सार्थक बदलाव लाने की शुरुआत बनाएं।

माता पिता आपको अच्छा इंसान बनाते हैं

संजय गोस्वामी

हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है। वह उसे तराश कर सुन्दर मूर्ति में बदल सकता है। क्योंकि मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को जिसमें मूर्ति ढकी होती है, एक तरफ कर देता है और सुन्दर मूर्ति प्रकट हो जाती है। माता-पिता शिक्षक और समाज बालक को इसी प्रकार सँवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। मां- बाप प्रतिफल बच्चों को सुख देने के लिए बेचैन रहते हैं इनके जीवन का 90 प्रतिशत संघर्ष तो मां –बाप ही पूरा कर देते हैं ऐसे लोग होते है जो पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं आज के बच्चे इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते इन्हें लगता है कि फीस मां- बाप को ही भरनी है पेरेंट्स बच्चों को अच्छे से पढ़ा देते हैं अच्छी सी नौकरी लगवा देते हैं बच्चों के जीवन में संघर्ष बचा ही नहीं कुछ संघर्ष संतानों के लिए भी छोड़ना चाहिए एहसास कराना चाहिए कि जो सुविधाएं इन्हें मिल रहे हैं ये इनका अधिकार नहीं बल्कि माता- पिता का उपकार है परिंदा भी अपने छोटे बच्चों को पेड़ से धक्का दे देता है इसके बाद वो बच्चा पेड़ से गिरता नहीं उड़ जाता है और तब उस बच्चे को पता चलता है कि अगर धक्का नहीं दिया होतो तो में आसमान में नहीं आया होता इसे प्रकार जिंदगी के दरिया में इन बच्चों को हाथ पैर चलाने देना होगा जब संघर्ष आता है तो लोग दुर्भाग्य मानने लगते हैं संघर्ष और दुर्भाग्य में फर्क है दुर्भाग्य परेशान करता है संघर्ष तराशता है पांच चीजें बच्चों को अवश्य सिखाएं परिश्रम ईमानदारी सहनशीलता सहयोग की वृत्ति और परिणाम के प्रति बेफिक्र होना इससे बच्चे परिपक्व होगें हम बहुत-सी चीजें करने के इच्छुक हैं—अच्छी आदतें डालने और बुरी आदतें छोड़ने, एकाग्रता के साथ पढ़ने और मन लगाकर कुछ करने का हम संकल्प लेते हैं। परन्तु बहुधा हमारा मन विद्रोह कर बैठता है और हमें इन संकल्पों को रूपायित करने के हमारे प्रयास से पीछे हटने को मजबूर कर देता है। हमारे सामने किताब खुली पड़ी है और हमारी आँखें खुली हैं; परन्तु मन कुछ पुरानी बातों को सोचता हुआ या भविष्य के लिए ख्याली पुलाव पकाता हुआ इधर-उधर घूमने लगता है। जब हम थोड़ी देर के लिए प्रार्थना, जप या ध्यान करने बैठते हैं, तब भी ऐसा ही होता है। स्वामी विवेकानन्द कहते हैं, ''स्वतन्त्र ! हम एक क्षण तो स्वयं अपने मन पर शासन नहीं कर सकते ! यही नहीं, किसी विषय पर उसे स्थिर नहीं कर सकते और अन्य, सबसे हटाकर किसी एक बिन्दु पर उसे केन्द्रित नहीं कर सकते ! फिर भी हम अपने को स्वतन्त्र कहते हैं ! जरा इस पर गौर तो करो !''शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का व्यक्तित्व विकास उनकी योजना का अनिवार्य अंग नहीं बन पाता है।चाहे आई.टी. का क्षेत्र हो अथवा मैनेजमेंट या मेडिकल का, सभी में सन्तोषजनक प्रगति हुई है, परन्तु युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण की समस्या जस की तस दिखाई दे रही है। भगवद्गीता का कहना है कि असंयमित मन एक शत्रु के समान और संयमित मन हमारे मित्र के समान आचरण करता है। शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार शिक्षा को त्रिमुखी प्रक्रिया माना गया है। शिक्षक, शिक्षार्थी एवं पाठ्यक्रम तीन आधार इस प्रक्रिया में हैं। शिक्षक का पुनीत कार्य शिक्षार्थी को पढ़ाना है, पाठ्यक्रम इसका माध्यम है। स्पष्ट है कि शिक्षक के लिए साध्य शिक्षार्थी है न कि पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रम तो शिक्षक के लिए साधन के रूप में उपयोग में लाया जाता है। समय परिवर्तन के साथ साधन, साध्य के रूप में परिवर्तित हो गया है। शिक्षक का केन्द्रीकरण पाठ्यक्रम तक सीमित रह गया है, शिक्षार्थी द्वितीय वरीयता क्रम में आ गया है। अस्तु ! शिक्षा का सर्वांगीण विकास अथवा शिक्षार्थी के व्यक्तित्व विकास की अवधारणा उलट गयी है। लक्ष्य परिवर्तित हो गये हैं, व्यक्तित्व के विकास का स्थान अंक-अर्जन ने प्राप्त कर लिया है, लक्ष्य उपाधि अथवा परिणाम हासिल करने तक सिमट गया है। समस्त शिक्षा-तन्त्र का भी एकमात्र उद्देश्य विद्यालय के उत्तम परीक्षाफल तक ही सीमित हो गया है। विद्यार्थी के विकास से उनका अब कोई लेना-देना नहीं है। पाठ्यक्रम केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था ने जो भी विकास किया है वह मात्र पाठ्यक्रम का। दिनोंदिन बस्ते का वजन बढ़ रहा है, विद्यार्थी के विकास की गति उसी के सापेक्ष घट रही है। विद्या प्रदाता को गुरु कहा जाता था, विद्या ग्रहण करने वाले को शिष्य। शनैः-शनैः गुरु-अध्यापक में परिवर्तित हुआ और शिष्य-विद्यार्थी में। वर्तमान में अध्यापक भी शिक्षक के रूप में तथा विद्यार्थी भी शिक्षार्थी के रूप में विद्यमान हैं। व्यक्तित्व निर्माण अथवा सद्गुण तथा सद्संस्कार का सम्बन्ध गुरु और शिष्य से है, शिक्षक और शिक्षार्थी से नहीं। संस्कार तथा जीवन निर्माण की बात तभी पूर्ण हो सकती है जब शिक्षक-गुरु के रूप में कार्य करें तथा शिक्षार्थी स्वयं को शिष्य के स्वरूप को परिलक्षित करें। दोनों में पारस्परिक यथायोग्य परम्पराओं एवं सम्बंधों का निर्वहन हो। शिक्षक और शिक्षार्थी के मध्य निरन्तर सम्पर्क, सम्बन्ध तथा संस्कारोचित व्यवहार हो।

व्यक्तित्व-विकास में वंशानुक्रम तथा परिवेश दो प्रधान तत्त्व हैं। वंशानुक्रम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियाँ प्रदान करता है। परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्धि के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। बालक के व्यक्तित्व पर सामाजिक परिवेश प्रबल प्रभाव डालता है। ज्यों-ज्यों बालक विकसित होता जाता है, वह उस समाज या समुदाय की शैली को आत्मसात् कर लेता है, जिसमें वह बड़ा होता है, विकास का तात्पर्य यहां सद्गुणों से है, नैतिक एवं जीवन मूल्यों से है, कुल मिलाकर संस्कारों से है। जिसमें माता पिता का वचन पालन करना आवश्यक है जो भगवान राम ने मर्यादा का पालन किया,वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने शिक्षा को केवल साक्षर बनाने तक परिसीमित कर दिया है, शिक्षा का परम उद्देश्य संस्कार होता है, वह ओझल हो गया है।विद्या ददाति विनयम् के आधार पर प्रदान की जाने वाली शिक्षा विकासोन्मुखी एवं संस्कारोन्मुखी थी। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक-शिक्षार्थी सम्बन्ध लगभग समाप्त हो गये हैं। समस्त शिक्षण व्यवस्था का केन्द्र-बिन्दु शिक्षक है। सामाजिक मूल्यों में चाहे जितनी गिरावट आयी हो किन्तु समूचा समाज शिक्षक को आज भी अपेक्षाकृत अन्य वर्गों की तुलना में सम्मान की दृष्टि से देखता है।॰ उन्ही लोगों के साथ न जुड़े रहना जो आपको बार बार और लगातार दर्द दे रहें हैं। यह सोचकर बैठ जाना की आप जीवन कुछ खो नहीं सकते। जब अचानक संघर्ष आता है तो तैयारी न होने पर लोग टूट जाते हैं या बिखर जाते हैं टूट गए तो फिर जुड़ जाएंगे लेकिन बिखर गए तो व्यक्तित्व के टुकड़े समेटना मुश्किल होगा आज के बच्चों को तो मालूम ही नहीं है कि संघर्ष होता क्या है।अतः हमें अपने मन की प्रक्रिया के विषय में एक स्पष्ट धारणा रखने की आवश्यकता है। क्या हम इसे अपने आज्ञा-पालन में, अपने साथ सहयोग करने में प्रशिक्षित कर सकते हैं ? किस प्रकार हमारे व्यक्तित्व के विकास में माता पिता का अहम योगदान रहता है।

रंग, राग और रचनाः जीवन में कला का उत्सव

सुनील कुमार महला

विश्व कला दिवस पर विशेष आलेख

15 अप्रैल को प्रतिवर्ष विश्व कला दिवस (वर्ल्ड आर्ट डे) के रूप में मनाया जाता है।विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है।कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है।कला केवल एक सुंदर चित्र,या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है। वास्तव में, यह यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने, कलाकारों को सम्मान और पहचान दिलाने,समाज में संवाद, शांति और एकता को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में कला के महत्व को उजागर करने तथा युवाओं को कला के प्रति प्रेरित करने के क्रम में हर साल मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला हमारे जीवन को सुंदर, अर्थपूर्ण और संवेदनशील बनाती है।अनेक शोध यह बताते हैं कि कला (जैसे पेंटिंग, संगीत, लेखन) तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होती है और यह दिवस चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्य जैसी विभिन्न कला विधाओं को समर्पित है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य और कला का संबंध अत्यंत गहरा, स्वाभाविक और प्राचीन है। जब से मानव सभ्यता का आरंभ हुआ, तब से ही मनुष्य ने अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए कला का सहारा लिया। प्रारंभिक मानव ने गुफाओं की दीवारों पर चित्र बनाकर अपने जीवन, शिकार और प्रकृति के साथ संबंध को दर्शाया-और यहीं से वास्तव में कला और मनुष्य का यह अनोखा रिश्ता शुरू हुआ।सच तो यह है कि कला मनुष्य की संवेदनाओं की पूर्ण व अनोखी अभिव्यक्ति है। खुशी, दुःख, प्रेम, क्रोध, आशा और निराशा जैसे भाव जब शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं हो पाते, तब कला उन्हें रूप, रंग, संगीत, नृत्य या साहित्य के माध्यम से जीवंत बना देती है। इस प्रकार कला मनुष्य के भीतर की दुनिया को(आंतरिक भावों, संवेदनाओं) बाहर लाने का माध्यम बनती है।कला केवल अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि यह तो मनुष्य के आत्मिक संतुलन और मानसिक शांति(मेंटल सूदिंग) का भी साधन है। चित्रकारी, संगीत या लेखन जैसे कलात्मक कार्य मनुष्य को तनाव से दूर ले जाकर उसे सृजनात्मक आनंद प्रदान करते हैं। शायद यही कारण भी रहा है कि हर युग में कला ने मानव जीवन को सुंदर और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इसके अलावा, कला समाज और संस्कृति का दर्पण भी होती है। किसी भी देश या समाज की परंपराएँ, रीति-रिवाज, इतिहास और जीवन शैली कला के विभिन्न रूपों में झलकते हैं। इस तरह कला न केवल व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है, बल्कि उसे अपने समाज और उसकी जड़ों से भी जोड़ती है। आधुनिक युग में भी यह संबंध उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि और भी व्यापक हो गया है। डिजिटल आर्ट, एनीमेशन, फिल्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के माध्यम से कला के नए-नए रूप सामने आ रहे हैं, जो मनुष्य की रचनात्मकता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहे हैं। हाल फिलहाल, इस दिवस पर देश-विदेश में विभिन्न स्कूल, कॉलेज और सांस्कृतिक संस्थान इस दिन प्रदर्शनी, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं, आर्ट फेस्टिवल और लाइव पेंटिंग इवेंट्स आदि आयोजित करते हैं। आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है और ऐसे समय में आजकल सोशल मीडिया पर भी कलाकार अपनी कला साझा कर जागरूकता फैलाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है।इसकी शुरुआत अंतरराष्ट्रीय कला संघ द्वारा की गई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय कला संघ यूनेस्को से जुड़ा हुआ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार इसे वर्ष 2012 में मनाया गया था तथा 15 अप्रैल का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि यह महान कलाकार लियोनार्डो दा विंची का जन्मदिन है, जिन्हें कला और विज्ञान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।सरल शब्दों में कहें तो लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन (15 अप्रैल) को समर्पित है, जो विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुसंस्कृतिवाद के प्रतीक हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में यूनेस्को ने इस दिन को आधिकारिक रूप से मान्यता दी, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और मजबूत हुई।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 में इसकी थीम-अभिव्यक्ति का बगीचा-कला के माध्यम से समुदाय का निर्माण रखी गई थी। वास्तव में, इस थीम का उद्देश्य था कि कला के जरिए लोगों को जोड़ना, देश और समाज में सामुदायिक भावना को मजबूत करना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना।इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम-एकता और उपचार के लिए कला रखी गई है। यह थीम दुनिया भर में बढ़ती विभिन्नताओं और तनावों के बीच कला की जोड़ने वाली शक्ति पर जोर देती है। यह कला ही होती है जो मानसिक और भावनात्मक उपचार (हीलिंग) में मदद करती है। वास्तव में यह लोगों को प्रेरित करती है कि वे कला के जरिए सामाजिक सौहार्द, सहानुभूति और शांति को बढ़ावा दें। आज का युग डिजिटल युग है, सोशल नेटवर्किंग साइट्स,एआइ व संचार क्रांति का युग है और ऐसे दौर में कला तकनीक व विज्ञान के साथ मिलकर नए रूप में उभर रही है। डिजिटल आर्ट के जरिए कलाकार अब एडोब फोटोशॉप और प्रो-क्रिएट जैसे सॉफ्टवेयर से आसानी से अपनी रचनात्मकता व्यक्त कर रहे हैं। वहीं नोन- फंजीबल टोकन (एन एफ टी) ने डिजिटल कला को आर्थिक पहचान दी है, जिससे कलाकार सीधे अपनी कला बेच सकते हैं। इसके साथ ही एआइ(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आर्ट, जैसे डैल.ई, ने कुछ ही सेकंड में कल्पनाओं को चित्रों में बदलना संभव बना दिया है। इस प्रकार, आधुनिक तकनीक ने कला को अधिक सुलभ, वैश्विक और नवाचारी बना दिया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि डैल.ई एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित इमेज जनरेटर है, जिसे ओपन-एआइ ने विकसित किया है। वास्तव में, यह एक ऐसा टूल है जो टेक्स्ट (शब्दों/वर्णन) को समझकर उसके आधार पर चित्र (इमेजेज) बना देता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के तेज़-रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में कला एक तरह की मानसिक चिकित्सा (थैरेपी) की तरह काम करती है। यही कारण है कि आर्ट थैरेपी का उपयोग भी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो कला में अद्भुत सूदिंग पावर (सुकून देने की शक्ति) होती है। यह मनुष्य के मन और आत्मा को गहराई से प्रभावित करती है। जब व्यक्ति तनाव, चिंता या दुख में होता है, तब संगीत, चित्रकला, कविता या नृत्य जैसे कला के रूप उसे भीतर से शांत और हल्का महसूस कराते हैं। वास्तव में, कोई भी कला मन की अशांति को धीरे-धीरे कम करती है और भावनाओं को संतुलित करती है। जैसे मधुर संगीत सुनने से मन शांत हो जाता है, या कोई सुंदर चित्र देखने से भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। इसी तरह लेखन या चित्रकारी करने से व्यक्ति अपनी भावनाओं को बाहर निकाल पाता है, जिससे मानसिक बोझ कम होता है।अंततः यह बात कही जा सकती है कि मनुष्य और कला का संबंध आत्मा और अभिव्यक्ति का संबंध है-एक के बिना दूसरा अधूरा है। कला मनुष्य को केवल जीवित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील, सृजनशील और मानवीय बनाती है।

धोखा फरेब नाकामी की पटकथा रही इस्लामाबाद वार्ता

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब डेड़ महीने से से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते। आपको बता दें बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया। अमेरिका-ईरान वार्ता बिना नतीजे के खत्म हो गई. लेकिन बातचीत के नाम पर असली फायदा डोनाल्ड ट्रंप ने उठाया है. अमेरिका ने होर्मुज में माइंस हटाने वाले जहाज भेज दिए हैं. वहीं पाकिस्तान ने भी सऊदी अरब में जेट भेजे हैं. इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या बातचीत के नाम पर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई गई. कहीं बातचीत में उलझाकर उसे फिर से धोखा तो नहीं दिया गया। क्योंकि बातचीत के बीच ही अमेरिका ने माइंस हटाने के लिए अपने दो सैन्य जहाजों को होर्मुज के पार ईरान के पास भेज दिया है. करीब 21 घंटे तक चली मैराथन बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को खाली हाथ लौटना पड़ा. वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका ने अपनी 'रेड लाइन' बता दी थी, लेकिन ईरान ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया. दूसरी तरफ ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जरूरत से ज्यादा शर्तें थोप दीं और बातचीत को संतुलित नहीं रखा. यहां यह भी गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, त्रियोदशी, बुधवासरे, पूर्वाभाद्र नक्षत्रे, वृण योगे, गर करणे, मीन की चंद्रमा, पद्य योग, प्रदोष व्रत भद्रा 35/48 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्योगपति, हार्डवेयर का व्यापारी, किराना, कपड़ा व्यापारी, क्राकरी एवं फलों का व्यापारी, रसायन वस्तु का व्यापारी होगा।

मेष राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, मनोबल बनायें रखें, विचार हीनता से बचे रहें।

वृष राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, इष्ट मित्र सहयोग करेंगे, माता-पिता से सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि :- इष्ट मित्रों से परेशानी, अशांति दैनिक कार्यगति बनी रहेगी, ध्यान दें।

कर्क राशि :- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि होगी, कृषि के कार्य बनेंगे, दैनिक कार्य में वृद्धि हो।

सिंह राशि :- कार्यगति अनुकूल हो, सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि तथा प्रतिष्ठा बनेगी।

कन्या राशि :- कुटुम्ब की परेशानी, चिन्ता व व्याग्रता, मानसिक उद्विघ्नता से बने रहे।

तुल राशि :- धन हानि, शरीर कष्ट, मानसिक बेचैन, व्यर्थ भ्रमण तथा विशेष ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक हो, अधिकारियों का समर्थन फलप्रद अवश्य ही होगा, ध्यान दें।

धनु राशि :- कार्य कुशलता से संतोष की प्राप्ति होगी, दैनिक समृद्धि के साधन जुटाएं।

मकर राशि :- दैनिक कार्यगति वृत्तियों में सुधार, योजनाएं फलीभूत होंगी, रुके कार्य होंगे।

कुंभ राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखें, मानसिक विभ्रम, उद्विघ्नता अवश्य बने।

मीन राशि :- कार्य विफलता, प्रयास करने पर सफलता मिले, कार्य रुकेंगे, ध्यान दें।

श्री स्वयंभू माता देवी स्थानम्; भावनात्मक अनुभूतियों की पृष्ठभूमि पर आस्था का आयाम

डॉ. उमेशचन्द्र शर्मा

विन्ध्याचल की सुरम्य शैली श्रृंखलाओं के मध्य पद्मावती नदी के किनारे लगभग 200 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित श्री स्वयंभू माता देवी स्थानम् अपनी विशिष्ट एवं अनुपम भौगोलिक स्थिति, मनोरम प्राकृतिक दृश्यावली तथा आध्यात्मिक ऊर्जा केंद्र के रूप में प्राचीन काल से ही आकर्षण का महत्वपूर्ण केंद्र बिन्दु बना हुआ है। वस्तुतः यह स्थान अनुभूतियों की दमदार पृष्ठभूमि पर श्रद्धा का एक सुख, शांतिपूर्ण बसेरा है। वन प्रांतर में स्थित इस स्थान का मनोरम सौंदर्य जहां आमंत्रण देता हुआ प्रतीत होता है, वहीं आंतरिक ऊर्जा के उर्ध्वगमन एवं आत्मबोध की स्थिति प्राप्त किए जाने के उद्देश्य से साधनारत मनुष्यों के हेतु यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जाने योग्य है। इन्हीं महत्वपूर्ण कारकों से इस भौतिक युग में भी यह शक्ति स्थल अपनी पृथक आध्यात्मिक पहचान बनाए हुए हैं। भारत के पश्चिमी मध्य प्रदेश के जनजातीय बाहुल्य झाबुआ जिले के मेघनगर जनपद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवीगढ़ में स्थित श्री स्वयंभू माता मंदिर दैवी स्थानम् एक तरफ जहां अपने प्राकृतिक सौंदर्य की आभा लिए हुए है, वहीं तंत्र साधना एवं तंत्र विद्या के लिए भी प्रसिद्ध रहा है, और यहां के सेवादारों सहित इस स्थान से जुड़े श्रद्धालुजनों के अनुसार यहां आज भी विचित्र चमत्कारों की अनुभूति होती है। मान्यता है कि प्राचीन काल में वनाच्छादित इस दुर्गम इलाके की सुरम्य पहाड़ी पर देवी की प्रतिमा स्वयंमेव प्रकट हुई थी। देवी के प्राकट्य के संबंध में जनजातीय समुदाय के उम्रदराज लोग बताते हैं कि पुराने समय में जबकि आवागमन का कोई साधन नहीं था, तब देवीगढ़ के रहवासी माताजी के दर्शनार्थ बैल गाड़ियों से प्रतिवर्ष पावागढ़ जाया करते थे। इन दर्शनार्थियों में एक वृद्ध किसान भी था, जिसने अपने जीवन के अंतिम पड़ाव के समय पावागढ़ में देवी दर्शन के दौरान व्यथित मन से कहा था कि वृद्धावस्था के चलते अब मैं आपके द्वार नहीं आ सकूंगा और मुझे आपके दर्शन नहीं हो पाएंगे, तब अपने भक्त की इस करुणा से द्रवित देवी ने उस वृद्ध किसान को रात्रि में स्वप्न के दौरान दर्शन देते हुए कहा कि तुझे व्यथित होने की जरूरत नहीं, मैं तेरे गांव की पहाड़ी पर ही विद्यमान हूं। बाद में जब ग्रामवासियों ने निर्दिष्ट स्थान की खुदाई की तो वहां देवी प्रतिमा मिली, जिसे बाद में विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया गया, और चूंकि देवी प्रतिमा यहां स्वयंमेव प्रकट हुई थी, इसीलिए देवी को स्वयंभू माता का नाम दिया गया, और यहां निर्मित मंदिर स्वयंभू माता मंदिर नाम पा गया, किंतु आम जनमानस में यह स्थल शंभू माता के ही नाम से जाना जाता है, और यहां लगने वाले मेले को भी शंभू माता का मेला ही कहा जाता है। यह मेला जिले में होने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक मेला आयोजनों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, इसीलिए आम बोलचाल में इसे मोटा मेला कहा जाता है। ग्राम देवीगढ़ स्थित उक्त देवी स्थल किसी समय गहन वनों से आच्छादित अत्यन्त दुर्गम इलाकों में एक रहा है। समय के साथ साथ इस क्षेत्र में वनों का विनाश होने लगा, ओर मानव बस्तियां भी विकसित हुई, किन्तु पर्यावरणीय परिवर्तन के दौर में भी इस स्थान का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व बरकरार बना हुआ है, और मंदिर में परंपरागत रूप से की जाने वाली पूजा अर्चना एवं अनुष्ठान का क्रम भी कमोबेश अब तक जारी है। देवी प्रतिमा की पूजा प्राचीन काल से ही जनजातीय समुदाय द्वारा की जाती रही है। प्राचीन काल में गहन वनों से पटे हुए इस दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में हिंसक पशुओं का खतरा हमेशा मंडराता रहता था, ऐसे में आम लोगों का वहां पहुंचना बड़ा मुश्किल था, किंतु वक्त के उस विकराल कालखंड में भी इस स्थान पर तांत्रिक साधक अपनी साधना को आयाम देते थे, और तंत्र साधना के माध्यम से आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने के उद्देश्य से यहां साधना किया करते थे। तंत्र क्रिया के लिए विख्यात उक्त मंदिर चमत्कारों के रूप में भी जाना जाता है। मंदिर से लंबे समय से जुड़े जनजातीय समुदाय के साधक इस बात की पुष्टि करते हैं, कि अमावस्या और पूर्णिमा की रात्रि में यहां विचित्र अनुभूतियां होती है। मंदिर से लंबे समय से जुड़े एक साधक के अनुसार यहां संध्या काल में नगाड़े बजने की आवाज सुनी गई, जबकि एक सेवादार के अनुसार उन्हें देवी कृपा की प्रत्यक्ष अनुभूति उस समय हुई जब जीवन में विषम परिस्थितियों में आत्म निवेदन से समस्या का समाधान हुआ। केवल यही नहीं बल्कि देवी का श्राप बस्ती के उजड़ने की वजह भी बना। कहा जाता है कि ग्राम देवीगढ़ प्राचीन काल में कुलंबी (पाटीदार) समुदाय की सामुहिक बस्ती रहा, किंतु माताजी के श्राप के कारण पाटीदार समुदाय की बस्ती तहस नहस हो गई। तब समुदाय के कुछ लोग काल कवलित हो गए थे, और शेष को अपना घर, गांव छोड़ने हेतु बाध्य होना पड़ा।

देवी चमत्कार का एक अन्य प्रत्यक्ष प्रमाण तब देखने में आया जब अस्सी के दशक में पड़े सूखे के दौरान देवीगढ़ में बहने वाली पद्मावती नदी सूख गई, ऐसी स्थिति में जिला प्रशासन द्वारा मेला निरस्त कर दिया गया, किंतु अगले ही दिन नदी में जल प्रवाहित होने लगा, जिसे देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा मेला स्थगित किए जाने संबंधी अपना ही आदेश निरस्त कर दिया गया। मंदिर के समीप पहाड़ी पर प्राकृतिक रूप से निर्मित एक गुफा भी है, जिसे सिंह का आवास माना जाता है। जनजातीय समुदाय के उम्रदराज लोगों के अनुसार उक्त पहाड़ी क्षेत्र में शेर सहित अन्य अनेक जंगली जानवरों का भी आवास रहा है। क्षेत्र के ग्रामीण जन बताते हैं कि अस्सी के दशक तक यहां शेरों को देखा भी जाता रहा, किंतु वनों के विनाश ने इन हिंसक पशुओं को भी पलायन हेतु मजबूर कर दिया। प्राचीन काल में यातायात के साधनों के अभाव तथा दुर्गम ओर असुरक्षित क्षेत्र होने की वजह से यहां पहुंचना मुश्किल भरा होता था, ऐसे स्थान पर तत्कालीन राजवंश द्वारा मेले की शुरुआत की गई थी, ताकि वर्ष में एक बार ही सही आम व्यक्ति ऐसे धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व के स्थान पर सपरिवार पहुंच कर धर्म लाभ अर्जित करते हुए, मनोरंजन का उद्देश्य भी पूराकर सके। देशी रियासतों द्वारा परिपोषित यह मेला रियासतों का अस्तित्व समाप्त हो जाने और देश की आजादी के बाद स्थानीय ग्राम पंचायत द्वारा आयोजित किया जाता है। मेले के अवसर पर मेला समिति ओर ग्राम पंचायत देवीगढ़ द्वारा जहा दर्शनार्थियों एवं दुकानदारों की सुविधाओं के मद्देनजर व्यापक रूप से व्यवस्थाएं की जाती है, वहीं सुरक्षात्मक दृष्टि से पुलिस बल की भी तैनाती रहती है, किंतु प्रशासनिक उपेक्षा के कारण एक तरफ जहां मेला स्थल पर अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है, और मेला स्थल संकुचित होता जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ मेला अधिकारी की नियुक्ति के अभाव में सुव्यवस्थित रूप से मेले का संचालन भी नहीं हो पाता है, साथ ही मेले के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित होने पर कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु दिक्कत होंने का अंदेशा भी बना रहता है।

लॉफिंग ज़ोन

राकेश ने मुकेश से पूछा तुमने वाकई उस लड़की से शादी करने का पक्का फैसला कर लिया है?

मुकेश - हां यार, अब मजबूरी है.

राकेश - कैसी मजबूरी है?

मुकेश -वह लड़की इतनी मोटी हो गई है कि मंगनी में जो अगूठी मैंने उसे दी थी, वह उतरती ही नहीं है.

☺ ☺ ☺

ड्राइंग रूम में सजे शेर को देखकर मेहमान ने मेजबान से पूछा, 'बडा सुन्दर शेर है. इसे कहां से लाये हो?'

मेजबान बोला, 'श्रीलंका से, जब वहां मै और चाचा शिकार खेलने गए थे.'

मेहमान - 'इसके पेट में क्या भरा है?'

'मेरे चाचा.' मेजबान बोला.

☺ ☺ ☺

एक सेठ जी अपने बेटे को स्कूल में दाखिल कराने गए तो प्रिंसीपल ने कहा, 'सेठ जी, आपने देर कर दी, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.'

'आप चिंता मत करें लड़के को दाखिल कर लें, बैठने के लिए कुर्सी मैं घर से भेज दूंगा.'

☺ ☺ ☺

सेठ (खाने की थाली देखकर) - 'इतनी महंगाई में रोटी पर इतना घी?'

नौकर - 'मालिक, माफ करें. शायद गलती से मेरी रोटी आपके पास आ गई.'

आज का इतिहास 15 अप्रैल

1658 धमत की लड़ाई में औरंगजेब ने दारा शिकोह और शाहजहां द्वारा भेजे गये राजा जसवंत सिंह को हराया.

1895 बाल गंगाधर तिलक ने रायगढ़ किले में शिवाजी समारोह का उद्घाटन किया.

1923 कनाडा के डॉक्टर फ्रेडरिक बैटिंग द्वारा खोजा गया इन्सुलिन मधुमेह के रोगियों के लिए जारी किया गया.

1940 'आनंद बाजार' पत्रिका बच्चों का कालम शुरू करने वाला पहला अखबार बना.

1942 द्वितीय विश्व युद्ध में फिलीपींस में अमेरिकी ठिकानों पर बमबारी की.

1968 सोवियत संघ के दो स्पुतनिक अंतरिक्ष में एक-दूसरे से जुड़ गये.

1974 नाइजर में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया.

1975 सिक्किम जनता विधानसभा द्वारा भारत में विलय का प्रस्ताव.

1977 पाकिस्तान में हिंसक प्रदर्शनों में 8 व्यक्ति मारे गये व कई घायल हुए

1989 शेफील्ड(इंग्लैंड) में फुटबाल मैच के दौरान स्टेडियम ढहने से 94 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई.

1997 सउदी अरब के मक्का शहर के बाहर हज यात्रियों के शिविर में आग लगने से लगभग 300 व्यक्ति मारे गये, मृतकों में अधिकतर भारतीय.

2002 चीन का वायुयान दक्षिण कोरिया की पहाड़ियों में गिरा, 106 लोग मारे गये.

ज्येष्ठ अधिक मास का महत्व

डॉ. शारदा मेहता

प्रत्येक तीन वर्ष के अन्तराल से सनातन धर्म में अधिक मास आता है। इस वर्ष २०२६ में ज्येष्ठ मास में अधिक मास आ रहा है। अधिक मास को मलमास तथा पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। इस मास में भगवान विष्णु के पूजन का अत्यधिक महत्व है। ज्येष्ठ मास ग्रीष्म ऋतु में आता है इसलिए इस समय प्रचण्ड गर्मी रहती है। इस मास में सूर्य और वरुण की उपासना का अधिक महत्व है।

भौगोलिक महत्व : विद्वानों का कथन है कि इस्वी सन् में हर चौथे वर्ष में फरवरी माह २९ दिन का होता है। अर्थात् हर चौथे वर्ष में एक दिन बढ़ जाता है। ३६५ वाला वर्ष ३६६ दिन का हो जाता है। ज्योतिष के अनुसान जिस वर्ष सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में संक्रमण नहीं करता है, उस मास को अधिक मास कहते हैं। अधिक मास पृथ्वी के सौर चक्र में सन्तुलन बनाने का कार्य करता है। यदि यह सन्तुलन न हो तो पृथ्वी पर ऋतु चक्र परिवर्त्तित हो जाएंगे। भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ का फसल चक्र ऋतु परिवर्तन पर आधारित रहता है। अधिक मास और सौर ऋतु चक्र और चन्द्र ऋतु चक्र में सन्तुलन बनाता है। चन्द्र वर्ष और सौर वर्ष में ग्यारह दिन का अन्तर है। तीन वर्ष में ये तैंतीस दिन हो जाते हैं। तिथियों के घटने से एक माह हो जाता है, जिसे अधिक मास कहते हैं।

वैज्ञानिक महत्व : ग्रीष्म ऋतु में जल स्तर गिरता जाता है। शरीर में भी पानी की कमी हो जाती है। लू लगना (सनस्ट्रोक) से बचना अति आवश्यक है। खानपान में रसदार फल, सत्तू, हरी सब्जियों का अधिक सेवन करना चाहिए। दोपहर में धूप से बचाव करना आवश्यक है। ठंडे जल का सेवन करना और तले हुए मसालेदार भोजन से बचना चाहिए। नींबू की शिकंजी, शरबत, केरी पना और दही की लस्सी का सेवन लाभकारी रहता है। गन्ने का रस भी गर्मी से बचाता है।

धार्मिक महत्व : अधिक मास में दिए गए दान का अत्यधिक महत्व है। पानी की मटकी, सत्तू, गुड़, रसदार फल, पंखे, वस्त्र आदि का दान महत्वपूर्ण है। ग्रीष्म ऋतु में आगन्तुकों को शरबत, केरी पना (झोलिया), दही की लस्सी, नींबू पानी, गन्ने का रस आदि पिलाना चाहिए। ये सभी पेय गर्मी में आवश्यक है। सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ लगाकर जल सेवा का पुण्य अर्जन किया जा सकता है। धर्मशाला आदि ठहरने के स्थानों में कूलर, सीलिंग फेन आदि लगाकर यात्रियों की सेवा की जा सकती है। यह दान प्रक्रिया का एक परिवर्तित रूप है। ए.सी. आर.ओ. पलंग आदि का दान दानदाता अपने सामर्थ्य के अनुसार कर सकते हैं।

अधिक मास में अधिकतर पीले वस्त्रों का दान किया जाता है क्योंकि यह भगवान विष्णु का प्रिय रंग है। इस रंग से भाग्य में वृद्धि होती है। दीपक सायंकाल के समय जलाना चाहिए।

दीप दान भी किया जाता है। विष्णुजी की पूजा का महत्व है। दीप दान से अकाल मृत्यु नहीं होती है और दरिद्रता दूर होती है। अधिक मास में अन्नदान करने से सहज रूप से लक्ष्मीजी की प्राप्ति होती है। इस मास में तैंतीस मालपुए दान करने का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त छतरी, जूते, कांसे के बर्तन, चना, दाल, गुड़, ताम्बे के बर्तन, पान, खारक, मौसमी फल, धार्मिक पुस्तकें, विष्णु पुराण, श्रीमद् भगवत गीता, चन्दन, सोना, चाँदी, दीपक, रत्न, मोती, माणिक्य भी विशेष तिथियों पर सामर्थ्य के अनुसान दान देना चाहिए।

अधिक मास के प्रमुख त्योहार : ज्येष्ठ मास में रोहिणी नक्षत्र भी रहता है। गंगा दशहरा, वट सावित्री पूर्णिमा, निर्जला एकादशी आदि प्रमुख त्योहार हैं। गंगा दशहरा में नदी स्नान का महत्व है। वट सावित्री पूर्णिमा पर वट वृक्ष का पूजन आम तथा चना दाल से किया जाता है। वृक्ष को सूत का धागा लपेटकर सत्यवान सावित्री की कथा पढ़ी जाती है। पशु पक्षी के लिए जल पात्र रखे जाते हैं। पुष्कर यात्रा का महत्व है। सत्तू दान का भी महत्व है। अक्षय तृतीया पर आम, खरबूज, तरबूज आदि के दान का भी महत्व है।

स्वास्थ्य संबंधी सावधानियाँ : ज्येष्ठ मास में गर्मी अपने चरम पर होती है। ऐसे समय घर के वृद्ध व्यक्तियों और चिकित्सकों की सलाह मान कर जीवन यापन करना चाहिए। धूप से बचाव करना, सूती कपड़े से नाक, कान और सिर को ढाँक कर रखना, गॉगल पहनना, अमृतधारा तथा प्याज का सेवन करना, केरी पना, नींबू पानी, रसदार फल, लस्सी, शीतल जल आदि का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होता है।

पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार श्रीराम और हनुमानजी की भेंट ज्येष्ठ मास में मंगलवार को हुई थी। इस मास में हनुमानचालीसा, श्री सुन्दरकाण्ड का पाठ तथा श्रीरामचरितमानस का पारायण करने का भी विधान है। अधिक मास में भगवान श्रीविष्णु, श्रीकृष्ण, शालिग्राम आदि के पूजन का अधिक महत्व है। अधिक मास को पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है और श्रीविष्णु सहस्रनाम का पाठ करने का महत्व है। वर्तमान समय में युवा पीढ़ी अत्यधिक व्यस्त और भागदौड़ वाला जीवन व्यतीत कर रही है। उनके पास समय की कमी है। चाह कर भी वे अपने धार्मिक नियमों का पालन करने में असमर्थ है। हमारे पौराणिक ग्रन्थों में कहा गया है कि यदि ú नमो भगवते वासुदेवाय का पाठ भी कर लें तो उन्हें भगवान का आशीर्वाद प्राप्त हो जाएगा। निम्नलिखित मंत्र का पाठ करने से भी उन्हें अधिक मास के पुण्य फल प्राप्त हो जाएगा। यह मंत्र कौण्डिण्य ऋषि द्वारा रचित है-

ॐ गोवर्धन धरं वन्दे गोपालं गोपरूपिणं।
गोकुलोत्सव मिशानं गोविन्दं गोपिका प्रियं।।

दैनिक पंचांग

15 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.41 बजे से
चंद्र	मीन में	वृष	07.21 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.19 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.32 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	13.49 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.00 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.11 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.26 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.42 बजे से
		मकर	00.47 बजे से
		कुंभ	02.34 बजे से
		मीन	04.06 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 105 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 22.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 15.23 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 13.25 बजे को समाप्त। **करण** गर 11.27 बजे तदनन्तर वणिज 22.32 बजे को समाप्त।

चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 09° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872680
जूलियन दिन 2461145.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 26
विशेष प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि, विषु कानी, कुब्जिका जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

ललित गर्ग

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। "अभी न जाओ छोड़ कर" जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी- हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना

और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है। आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। "पिया तू अब तो आजा", "दम मारो दम", "चुरा लिया है तुमने", "दिल चीज क्या है" जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है। आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं।

ऊर्जा और खाद्य कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहने की आशंका: आईएमएफ, विश्व बैंक, आईईए

- वैश्विक संस्थाओं ने चेताया, तेल, गैस और उर्वरक बाजार पर गहरा असर, आपूर्ति बहाली में लगेगा समय

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने संयुक्त रूप से चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। तीनों संस्थानों ने कहा कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक और असमान रूप से पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रह सकती है। इन संस्थानों ने इस महीने की शुरुआत में गठित एक समन्वय समूह के तहत बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। संयुक्त बयान में कहा गया कि युद्ध का प्रभाव केवल ऊर्जा बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे वैश्विक स्तर पर लोगों का विस्थापन हुआ है, रोजगार प्रभावित हुए हैं और यात्रा व पर्यटन क्षेत्र में गिरावट आई है। इन क्षेत्रों को सामान्य स्थिति में लौटने में काफी समय लग सकता है। तीनों संस्थानों ने स्पष्ट किया कि यह संकट व्यापक, वैश्विक और असमान है।

विशेष रूप से ऊर्जा आयात करने वाले देशों और निम्न-आय वाले देशों पर इसका अधिक गंभीर असर पड़ा है। तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में वृद्धि ने खाद्य सुरक्षा और रोजगार से जुड़ी चिंताओं को भी बढ़ा दिया है। बयान में यह भी कहा गया कि पश्चिम एशिया के कुछ तेल और गैस उत्पादक देशों को निर्यात राजस्व में नुकसान हुआ है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री आवागमन अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। संस्थाओं ने चेतावनी दी कि भले ही भविष्य में आवाजाही सामान्य हो जाए, फिर भी युद्ध से प्रभावित बुनियादी ढांचे के कारण वैश्विक आपूर्ति को पूर्व स्तर पर लौटने में समय लगेगा। इससे ईंधन और उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। आईएमएफ, विश्व बैंक और आईईए ने कहा कि वे स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और सदस्य देशों को नीति सलाह और आवश्यकतानुसार वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए समन्वित प्रयास जारी रखेंगे, ताकि वैश्विक आर्थिक स्थिरता और रोजगार बहाली को समर्थन मिल सके।

संक्षिप्त खबरें

हाजिर कच्चा तेल 135 डॉलर, सौदे में 104 डॉलर प्रति बैरल

मुंबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को लेकर असामान्य स्थिति देखने को मिल रही है। हाजिर (स्पॉट) बाजार में कच्चा तेल 135 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जबकि वायदा सौदों में इसकी कीमत 104 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई। कीमतों के इस बड़े अंतर ने कारोबारियों और निवेशकों को चौंका दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति बाधाओं और उत्पादन में कटौती जैसे कारक स्पॉट कीमतों को ऊपर धकेल रहे हैं। वहीं वायदा बाजार में निवेशक आने वाले समय में आपूर्ति सुधरने और मांग में संतुलन बनने की उम्मीद जता रहे हैं, जिससे कीमतें अपेक्षाकृत कम बनी हुई हैं। तेल की ऊंची हाजिर कीमतों का सीधा असर पेट्रोल-डीजल के दाम, परिवहन लागत और महंगाई पर पड़ सकता है। आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। ऊर्जा बाजार के जानकारों के अनुसार आने वाले हफ्तों में वैश्विक घटनाक्रम और उत्पादन संबंधी फैसले कीमतों की दिशा तय करेंगे।

ईरान-अमेरिका तनाव का असर भारत में, फ्रिज, पंखे, खाद्य तेल और कपड़ों के दाम 15 फीसद तक बढ़े

मुंबई (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारतीय बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और सप्लाई चेन पर दबाव के कारण रोजमर्रा के सामान महंगे हो गए हैं। फ्रिज, पंखे, पेंट, कपड़े और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की लागत 10 से 15 फीसदी तक बढ़ी है, जबकि कई खाद्य सामग्रियों की कीमतों में 7 फीसदी तक इजाफा दर्ज किया गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, खासकर खाद्य तेल और कच्चा तेल। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ने से परिवहन, पैकेजिंग और उत्पादन लागत पर सीधा असर पड़ता है। कंपनियां बढ़ी लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं।

यदि पश्चिम एशिया में हालात लंबे समय तक तनावपूर्ण रहे तो महंगाई और बढ़ सकती है। सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है, लेकिन आम लोगों की जेब पर फिलहाल दबाव साफ महसूस किया जा रहा है।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में 31,561 करोड़ का निवेश दर्ज किया गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की ओर रुख किया है। इसी कारण जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में रिकॉर्ड स्तर पर निवेश देखने को मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना अधिक है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में कुल 31,561 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 5,654 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग छह गुना वृद्धि को दर्शाता है। तिमाही आधार पर भी इस श्रेणी में निवेश 36 प्रतिशत बढ़कर 23,132 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हालांकि, मासिक प्रवाह में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जनवरी में जहां 24,040 करोड़ रुपये का भारी निवेश आया, वहीं फरवरी में यह घटकर 5,255 करोड़ रुपये और मार्च में 2,266 करोड़ रुपये रह गया। विशेषज्ञों का मानना है कि जनवरी में असामान्य रूप से अधिक निवेश जोखिम से बचने की प्रवृत्ति, पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन और सोने की कीमतों में तेजी के कारण हुआ। मार्च में आई गिरावट को शुरुआती भारी निवेश के बाद सामान्यीकरण माना जा रहा है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार बाजार की अनिश्चितताओं के बीच सोना अब भी निवेशकों के लिए एक मजबूत विविधीकरण साधन बना हुआ है। मजबूत निवेश प्रवाह के चलते मार्च 2026 के अंत तक गोल्ड फंड्स की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) लगभग तीन गुना बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो एक वर्ष पहले 58,888 करोड़ रुपये थीं। गोल्ड ईटीएफ जो भौतिक सोने की कीमत को ट्रैक करते हैं, निवेशकों को डिजिटल रूप में सोने में निवेश का आसान विकल्प प्रदान करते हैं।

पहली तिमाही में एप्पल ने रचा इतिहास सेमसंग को पछाड़ बनी नंबर वन

ग्लोबल शिपमेंट में गिरावट के बावजूद एप्पल ने सेमसंग को पीछे छोड़ा, जियोमी तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। साल 2026 की पहली तिमाही वैश्विक स्मार्टफोन उद्योग के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रही। कंपोनेंट्स की कमी के चलते कुल शिपमेंट में गिरावट देखने को मिली, लेकिन इस दबाव के बीच एप्पल इंक ने इतिहास रचते हुए पहली बार पहली तिमाही में दुनिया का सबसे बड़ा स्मार्टफोन ब्रांड बनने का गौरव हासिल किया। एक रिपोर्ट के अनुसार एप्पल ने 21 फीसदी मार्केट शेयर के साथ पहला स्थान प्राप्त किया है। आईफोन 17 सीरीज की मजबूत मांग, बेहतर कैमरा फीचर्स और आकर्षक ट्रेड-इन ऑफर्स ने कंपनी की बिक्री को नई ऊंचाई दी। यह पहली बार है जब एप्पल ने साल की पहली तिमाही में वैश्विक स्मार्टफोन बाजार में शीर्ष स्थान हासिल किया है। दूसरी ओर, लंबे समय से मार्केट लीडर रही सेमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इस बार 20 फीसदी शेयर के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई। कंपनी के गैलेक्सी एस26 सीरीज के लॉन्च में देरी और बजट सेगमेंट में कमजोर प्रदर्शन को इसकी प्रमुख वजह माना जा रहा है। वहीं जियोमी 14 फीसदी मार्केट शेयर के साथ तीसरे स्थान पर बनी हुई है, हालांकि कंपनी की सालाना बिक्री में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि जनवरी से मार्च 2026 के बीच वैश्विक स्तर पर कुल 1.26 बिलियन स्मार्टफोन शिप किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 7.5 करोड़ यूनिट कम है। इसके अलावा बढ़ती लागत के कारण बजट स्मार्टफोन की मांग घटी है, जबकि उपभोक्ता अब प्रीमियम और एआई-पावर्ड डिवाइस की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी बदलाव ने एप्पल जैसे ब्रांड को फायदा पहुंचाया है और वैश्विक बाजार की प्रतिस्पर्धा को और भी दिलचस्प बना दिया है।

एलआईसी ने दिया 1:1 बोनस शेयर का तोहफा, निवेशकों को मिलेंगे मुफ्त शेयर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जीवन बीमा निगम ने अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा दिया है। कंपनी के बोर्ड ने 1:1 बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी है, जिसके तहत हर एक शेयर पर एक अतिरिक्त शेयर मुफ्त मिलेगा। हालांकि इस फैसले पर अंतिम मुहर शेयरधारकों की मंजूरी के बाद ही लगेगी। एलआईसी ने स्पष्ट किया है कि बोनस शेयर पूरी तरह चुकता इक्विटी शेयर होंगे, जिनकी फेस वैल्यू 10 रुपए होगी। यह इश्यू कंपनी के रिजर्व और सरप्लस से किया जाएगा, जो 31 दिसंबर 2025 तक उपलब्ध है। बोनस के बाद कंपनी की शेयर पूंजी दोगुनी हो जाएगी, जिससे बाजार में शेयरों की संख्या बढ़ेगी। हालांकि निवेशकों की कुल वैल्यू लगभग समान रहेगी, क्योंकि शेयर की कीमत समायोजित हो जाएगी। मई 2022 में लिस्टिंग के बाद यह एलआईसी का पहला बोनस इश्यू है। सरकार की हिस्सेदारी करीब 96.5 फीसदी है और बाजार में फ्री फ्लोट कम होने से शेयर में उतार-चढ़ाव रहता है। यह कदम भविष्य में ओएफएस और बाजार लिक्विडिटी बढ़ाने में मदद कर सकता है।

अंबेडकर जयंती पर शेयर बाजार बंद

मुंबई (ईएमएस)। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर मंगलवार 14 अप्रैल को देश के प्रमुख शेयर बाजारों में कारोबार पूरी तरह बंद रहा। निवेशक अब 15 अप्रैल से सामान्य ट्रेडिंग फिर शुरू कर सकेंगे, जबकि कमोडिटी बाजार में आंशिक गतिविधि देखने को मिलेगी। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के चलते बाम्बे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) पर मंगलवार को किसी भी सेगमेंट में ट्रेडिंग नहीं हुई। इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग और इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स सभी में पूरे दिन कारोबार बंद रहा। कमोडिटी बाजारों में स्थिति थोड़ी अलग रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज आफ इंडिया में सुबह का सत्र बंद रहा, लेकिन शाम 5 बजे के बाद ट्रेडिंग शुरू होगी। वहीं नेशनल कमोडिटी एंड डेरीवेटिव्स एक्सचेंज पूरे दिन के लिए बंद है।

चीन के निर्यात में धीमी वृद्धि, वैश्विक अनिश्चितताओं और ऊर्जा संकट का असर गहराया

- मार्च में निर्यात 2.5 फीसदी बढ़ा, आयात में तेज उछाल, ईरान युद्ध और ऊर्जा कीमतों ने बढ़ाई चिंता

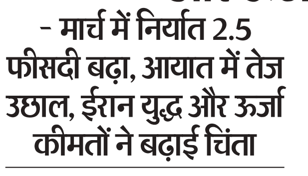

हांगकांग (ईएमएस)। चीन के व्यापार आंकड़ों में मार्च के दौरान निर्यात वृद्धि में तेज गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर ईरान से जुड़े युद्ध और ऊर्जा संकट, ने अंतरराष्ट्रीय मांग और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नकारात्मक असर डाला है। चाइना के सीमा शुल्क विभाग द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च महीने में देश का निर्यात सालाना आधार पर केवल 2.5 प्रतिशत बढ़ा। यह वृद्धि पिछले दो महीनों की तुलना में काफी कमजोर है, जब जनवरी-फरवरी में निर्यात 21.8 प्रतिशत की तेज गति से बढ़ा था। विश्लेषकों का कहना है कि यह गिरावट वैश्विक मांग में आई नरमी का संकेत है। दूसरी ओर, आयात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में आयात 27.8 प्रतिशत बढ़ा, जो इस वर्ष के पहले दो महीनों की 19.8 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। इससे संकेत मिलता है कि घरेलू खपत और कुछ क्षेत्रों में मांग अभी भी बनी हुई है, हालांकि निर्यात क्षेत्र दबाव में है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, इरान से जुड़े युद्ध और मध्य पूर्व में जारी तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को प्रभावित किया है। इससे न केवल तेल और गैस की कीमतों में अस्थिरता आई है, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन पर भी दबाव बढ़ा है। इसका सीधा असर चीन के निर्यात पर पड़ रहा है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक मांग कमजोर हुई है, जिससे निर्यात में गिरावट देखी जा रही है। वैश्विक बाजार अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की संभावित बीजिंग यात्रा और चीनी राष्ट्रपति एक्सआई जिंपिंग से उनकी मुलाकात पर भी नजर बनाए हुए हैं। विश्लेषकों का मानना है कि कमजोर घरेलू मांग और संपत्ति क्षेत्र की मंदी के बीच चीन के लिए निर्यात ही आर्थिक वृद्धि का मुख्य सहारा बना रहेगा।

ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी से बढ़ा तनाव

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां यूनाइटेड स्टेट ने इरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी की तैयारी तेज कर दी है। इस कदम के जवाब में ईरान ने फारस की खाड़ी और ओमान सागर के सभी बंदरगाहों को खुली चेतावनी दी है, जिससे क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात बनने की आशंका बढ़ गई है। अमेरिकी सेना ईरान के तटीय इलाकों और बंदरगाहों से जहाजों की आवाजाही रोकने के उद्देश्य से नाकेबंदी शुरू करने की तैयारी में है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इस कदम के जरिए ईरान पर दबाव बढ़ाना चाहते हैं। वहीं ईरान ने सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यदि उसके बंदरगाहों को निशाना बनाया गया, तो पूरे क्षेत्र के किसी भी बंदरगाह की सुरक्षा की गारंटी नहीं होगी।

आरबीआई ने उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक की यूनिवर्सल बैंक बनने की अर्जी लौटाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) ने उज्जीवन स्माल फायनेंस बैंक की यूनिवर्सल बैंक बनने की अर्जी वापस कर दी है। केंद्रीय बैंक ने लोन पोर्टफोलियो में और विविधता लाने की जरूरत बताई है। बैंक ने अपने बयान में कहा कि आरबीआई ने उसके लोन पोर्टफोलियो में विविधता लाने के प्रयासों को सराहा, लेकिन इसे अभी पर्याप्त नहीं माना। केंद्रीय बैंक का मानना है कि बैंक को अपने कर्ज वितरण को और संतुलित और व्यापक बनाना होगा। आरबीआई ने बैंक को सलाह दी है कि वह विभिन्न सेक्टर और श्रेणियों में अपने लोन बुक को मजबूत करे और इसके बाद दोबारा आवेदन करे। बैंक ने भी कहा है कि वह नियामक के निर्देशों के अनुसार काम करेगा और भविष्य में फिर से यूनिवर्सल बैंक का दर्जा पाने के लिए प्रयास करेगा। गौरतलब है कि फरवरी 2025 में उज्जीवन स्माल फायनेंस बैंक ने यूनिवर्सल बैंक बनने के लिए आवेदन किया था। इस दौड़ में एयू स्माल फायनेंस बैंक और जन स्माल फायनेंस बैंक भी शामिल थे। इनमें से एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जबकि जन स्मॉल फाइनेंस बैंक का आवेदन भी वापस कर दिया गया है। बैंक के वित्तीय आंकड़ों पर नजर डालें तो उसके सुरक्षित कर्ज में लगातार सुधार हुआ है। दिसंबर तिमाही तक कुल 37,057 करोड़ रुपए के लोन पोर्टफोलियो में सुरक्षित कर्ज की हिस्सेदारी 48 फीसदी थी, जो मार्च तिमाही में बढ़कर 49.4 फीसदी हो गई। इससे पहले वित्त वर्ष 25 में यह 43.5 फीसदी थी। पिछले कुछ वर्षों में बैंक ने असुरक्षित कर्ज पर निर्भरता कम करने की दिशा में काम किया है।

पश्चिम एशिया तनाव का भारतीय कंपनियों पर असर, बिक्री 40 फीसदी तक घटी

- सप्लाई चेन बाधित, कई एफएमसीजी और कंज्यूमर कंपनियों की विस्तार योजनाएं प्रभावित

मुंबई (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारतीय कंज्यूमर और एफएमसीजी कंपनियों के कारोबार पर साफ दिखाई देने लगा है। बिक्री में गिरावट, लागत में तेज उछाल और सप्लाई चेन बाधित होने से कंपनियों की रणनीतियों पर पुनर्विचार शुरू हो गया है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अस्थिरता के चलते भारतीय कंज्यूमर कंपनियों के कारोबार पर गंभीर असर पड़ा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण इस क्षेत्र में कई कंपनियों की बिक्री में 30 से 40 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही कंटेनर शिपिंग की लागत 4 से 5 गुना तक बढ़ जाने से लॉजिस्टिक्स और ऑपरेशनल खर्च भी काफी बढ़ गए हैं। इस क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख कंपनियों में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, डाबर, मैरिको, इमामी, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बीबा फैशन, आईडी फ्रेश फूड, रसना और बिसलेरी शामिल हैं। इन कंपनियों की कुल कमाई का लगभग 5 से 20 फीसदी हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। आईडी फ्रेश फूड के ग्लोबल सीईओ पी.सी. मुस्तफा के अनुसार कंपनी ने मौजूदा हालात को देखते हुए अपने निवेश और विस्तार योजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। वहीं रसना के चेयरमैन पीरूज खंबाटा ने स्थिति को कोविड जैसे हालात बताया है, जिससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई है। बीबा फैशन के एक अधिकारी ने बताया कि दुबई में ईद तक कारोबार स्थिर था, लेकिन उसके बाद बिक्री में अचानक 30-40 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। कंपनियां अब जोखिम कम करने के लिए अतिरिक्त स्टॉक, वैकल्पिक सप्लाई रूट और बीमा कवरेज पर ध्यान दे रही हैं। डाबर ने भी स्वीकार किया है कि इस क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का उसके कारोबार पर असर पड़ा है। कंपनी की लगभग 15 फीसदी सालाना आय मिडिल ईस्ट से आती है और वहां करीब 500 कर्मचारी कार्यरत हैं। कुल मिलाकर, पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने भारतीय कंपनियों के लिए मांग, लागत और विस्तार तीनों मोर्चों पर बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है, जिससे आने वाले समय में उनकी वैश्विक रणनीति और प्रभावित हो सकती है।

डॉलर पर दबाव, कच्चे तेल में गिरावट, अमेरिका-ईरान वार्ता से बदला वैश्विक रुख

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक बाजारों में मंगलवार को डॉलर और कच्चे तेल में हलचल देखने को मिली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत की उम्मीदों ने निवेशकों के रुख को प्रभावित किया, जिससे बाजार का मूड बदला हुआ नजर आया। मंगलवार को वैश्विक बाजार में डॉलर पर दबाव बना रहा। डॉलर इंडेक्स करीब 98.3 के स्तर पर बना रहा, जो पिछले छह हफ्तों के निचले स्तर के आसपास है। निवेशक अब सुरक्षित निवेश विकल्पों से निकलकर जोखिम वाले एसेट्स की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे डॉलर की मांग कमजोर हुई है। इस बदलाव के पीछे अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीद प्रमुख वजह रही। हालांकि वीकेंड पर लंबी बातचीत के बावजूद कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका, लेकिन दोनों देशों ने वार्ता जारी रखने के संकेत दिए हैं, जिससे बाजार को कुछ राहत मिली है। कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई। डब्ल्यूटीआई क्रूड आयल की कीमत 2 प्रतिशत से ज्यादा टूटकर 97 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। स्ट्रेट आफ होर्मुज के फिर से सुचारु होने की संभावना से सप्लाई को लेकर चिंता कम हुई है, जिसका असर कीमतों पर पड़ा। तेल की कीमतों में गिरावट से महंगाई को लेकर चिंता भी कुछ कम हुई है। इससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना थोड़ी कमजोर पड़ी है। फेड के एक अधिकारी ने संकेत दिया कि ऊर्जा क्षेत्र के झटकों का दीर्घकालिक महंगाई पर सीमित असर पड़ेगा और अगले एक साल में महंगाई लक्ष्य के करीब लौट सकती है। वहीं ओपेक प्लस की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में उत्पादन में करीब 7.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन की कमी आई है।

हर तीसरे हार्ट इलाज पर 1.7 लाख से ज्यादा खर्च, स्पेशल इंश्योरेंस बना सहारा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में दिल से जुड़ी बीमारियां अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहीं। 20 से 30 साल के युवाओं में तेजी से बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य और आर्थिक दोनों स्तरों पर चिंता बढ़ा दी है। इलाज का खर्च बढ़ने के साथ हेल्थ इंश्योरेंस लेना भी चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हार्ट से जुड़े हर तीन में से एक इलाज का खर्च 1.7 लाख रुपये से अधिक पहुंच जाता है, जबकि गंभीर मामलों में यह 5 लाख रुपये से ऊपर चला जाता है। खासतौर पर आईसीयू में भर्ती या सर्जरी की स्थिति में खर्च और बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि देश में करीब 6 से 7 करोड़ लोग किसी न किसी प्रकार की हृदय बीमारी से जूझ रहे हैं और हर साल 20 से 25 लाख नए मामले सामने आते हैं। कम उम्र में दिल की बीमारी का असर सिर्फ स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह बीमा पॉलिसी लेने में भी बाधा बनता है। बीमा कंपनियां ऐसे मामलों में ट्रेडमिल टेस्ट, इको और एंजियोग्राफी जैसी विस्तृत जांच कराती हैं। इसके अलावा पॉलिसी मिलने पर भी कई शर्तें लागू होती हैं, जैसे 2 से 3 साल का वेटिंग पीरियड और अधिक प्रीमियम। विशेषज्ञों के अनुसार, जोखिम को देखते हुए प्रीमियम में 30 से 80 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा सकती है। साथ ही को-पे क्लॉज के तहत मरीज को इलाज का 10 से 30 प्रतिशत खर्च खुद उठाना पड़ सकता है। ऐसे में दिल के मरीजों के लिए स्पेशलाइज्ड हार्ट इंश्योरेंस पॉलिसी एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है। यह पॉलिसी न केवल हृदय रोग, बल्कि उससे जुड़ी अन्य बीमारियों और इलाज को भी कवर करती है, जिससे मरीजों को तेजी से और भरोसेमंद कवरेज मिल सकता है।

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में रिकॉर्ड उछाल, एयूएम 73.73 लाख करोड़ के पार

- एसआईपी में लगातार मजबूत निवेश और बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत ग्रोथ दर्ज कर रहा है। निवेशकों के बढ़ते भरोसे और लगातार एसआईपी निवेश के चलते इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया के ताजा आंकड़ों के अनुसार, उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 12.2 फीसदी बढ़कर 73.73 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद निवेशकों का रुझान इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की ओर बढ़ा है। मार्च महीने में एक्टिव इक्विटी फंड्स में इनफ्लो 40,450 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो जुलाई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फरवरी में यह आंकड़ा 25,978 करोड़ रुपये था, जिससे स्पष्ट है कि बाजार में निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है। रिटेल निवेशकों का भरोसा सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में भी मजबूत दिखाई दिया। मार्च में एसआईपी के जरिए 32,087 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो फरवरी के 29,845 करोड़ रुपये से अधिक है। यह दर्शाता है कि निवेशक उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि की रणनीति पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि, कुल मिलाकर मार्च में इंडस्ट्री से 2.39 लाख करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो भी दर्ज हुआ, जिसका मुख्य कारण डेट म्यूचुअल फंड्स से 2.94 लाख करोड़ रुपये की भारी निकासी रही। इसी अवधि में गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया, जबकि फरवरी में यह 5,254 करोड़ रुपये था। इक्विटी कैटेगरी में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे ज्यादा आकर्षण में रहे, जहां 10,054 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया। इसके साथ ही मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड्स में भी निवेश बढ़ा, जबकि लार्ज-कैप फंड्स में अपेक्षाकृत कम इनफ्लो देखने को मिला। म्यूचुअल फंड निवेश एक ऐसा माध्यम है जिसमें कई निवेशकों का पैसा एकत्र कर पेशेवर फंड मैनेजर द्वारा शेयर, बॉन्ड और अन्य साधनों में निवेश किया जाता है। एसआईपी के जरिए छोटे निवेश से शुरुआत कर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न और जोखिम में संतुलन बनाया जा सकता है।

अगले 15 वर्षों में 80 करोड़ नौकरियों की कमी का खतरा: वर्ल्ड बैंक

- तेजी से बढ़ती आबादी और धीमी नौकरी सृजन से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर दबाव की आशंका

मुंबई (ईएमएस)। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच वर्ल्ड बैंक ने एक गंभीर चेतावनी जारी की है। बैंक के अनुसार, आने वाले 10 से 15 वर्षों में दुनिया एक बड़े रोजगार संकट की ओर बढ़ रही है, जहां कामकाजी उम्र की आबादी तेजी से बढ़ेगी लेकिन उसके अनुपात में रोजगार के अवसर नहीं बन पाएंगे। इस असंतुलन से वैश्विक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार विकासशील देशों में अगले डेढ़ दशक में लगभग 1.2 अरब लोग कामकाजी उम्र में प्रवेश करेंगे, जबकि मौजूदा आर्थिक रुझानों के आधार पर केवल करीब 40 करोड़ नई नौकरियां ही सृजित हो पाएंगी। इसका अर्थ है कि दुनिया को लगभग 80 करोड़ रोजगार अवसरों की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि नीति निर्माता अक्सर तात्कालिक संकटों और क्षेत्रीय संघर्षों में उलझ जाते हैं, जबकि रोजगार जैसे दीर्घकालिक मुद्दे लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते ठोस नीतिगत कदम नहीं उठाए गए, तो इसका प्रभाव केवल अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह वैश्विक प्रवासन, अस्थिरता और सामाजिक तनाव को भी बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 2025 तक दुनिया भर में 11.7 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं, जो बढ़ते दबाव का संकेत है। वर्ल्ड बैंक ने सरकारों से आग्रह किया है कि वे केवल तात्कालिक संकटों पर नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, स्वच्छ पानी और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों पर भी समान रूप से ध्यान दें। साथ ही कृषि, स्वास्थ्य, विनिर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निजी निवेश को बढ़ावा देने की जरूरत बताई गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वर्ल्ड बैंक के नेतृत्व में कुछ वैश्विक और बड़ी कंपनियाँ जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा ग्रुप और डेनमार्क ग्रुप रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा सकती हैं। वर्ल्ड बैंक का मानना है कि अगर अभी से कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाला दशक वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

कमजोर मानसून और बढ़ती लागत से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सामने 2026 में दोहरी चुनौती उभरती दिख रही है। एक ओर कमजोर मानसून का अनुमान है, वहीं दूसरी ओर खेती से जुड़े खर्च बढ़ने से किसानों और मांग दोनों पर असर पड़ सकता है। प्राइवेट मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर ने 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून को सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। इसकी बड़ी वजह अल नीनो की संभावित स्थिति मानी जा रही है। वहीं मई से जुलाई के बीच एल नीनो बनने की 61 फीसदी की संभावना बताई जा रही है, जो साल के अंत तक जारी रह सकता है। यदि मानसून कमजोर रहता है, तो खरीफ फसलों के उत्पादन पर असर पड़ सकता है। 2023 की तरह कम बारिश की स्थिति बनने पर ग्रामीण आय और मांग दोनों में गिरावट का खतरा बढ़ेगा। दूसरी ओर, खेती की लागत भी तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के चलते उर्वरक और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। स्ट्रेट आफ होर्मुज में व्यवधान के कारण सप्लाई प्रभावित हुई है, जिससे लागत पर और दबाव बढ़ा है। इसका असर ट्रैक्टर, टू-व्हीलर, एफएमसीजी और उपभोक्ता सामानों की मांग पर पड़ सकता है। हालांकि गर्मी से जुड़े प्रोडक्ट्स जैसे कोल्ड ड्रिंक्स, आइसक्रीम और एयर कंडीशनर की मांग को सहारा मिल सकता है। कमजोर मानसून और बढ़ती लागत का असर महंगाई पर भी दिख सकता है। खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी से सरकार पर सब्सिडी का बोझ 10,000 से 25,000 करोड़ रुपये तक बढ़ने की आशंका है।

सऊदी शाही परिवार ईरान में बड़े जमीनी सैन्य अभियान का समर्थक

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा, शाही परिवार ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहता

रियाद (ईएमएस)। सऊदी सरकार का शासन तंत्र कथित तौर पर ईरान में अमेरिकी सेना के जमीनी हमले का समर्थक है। सऊदी शाही परिवार से जुड़े अधिकारी का कहना है कि रियाद का शासन तेहरान में रिजीम चेंज (सत्ता परिवर्तन) करने के लिए ईरान के अंदर बड़े जमीनी सैन्य अभियान को जरुरी मानता है। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान-अमरिका की सीजफायर समझौते पर बेनतीजा वार्ता के बाद रियाद का जमीनी हमले पर समर्थन तेज हुआ है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया है कि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व वाले शासन का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत पूरी तरह से टूटने के बाद ईरानी खतरे को खत्म करने के लिए जमीनी अभियान चलाना जरूरी हो गया है। इसके बाद ट्रंप को इस ओर सोचने की जरूरत है। मीडिया रिपोर्ट में सऊदी सूत्र के हवाले से कहा कि ईरानी खतरा आने वाले समय में और बदतर होता जाएगा। ईरान में जब तक कि कोई निर्णायक सैन्य कार्रवाई नहीं होती, तब तक चीजें ठीक नहीं होगीं। खासतौर से ईरान के अंदर एक बड़े जमीनी सैन्य अभियान के बिना पश्चिम एशिया में शांति का लौटना मुश्किल होगा।

सऊदी के शाही परिवार से जुड़े सूत्र ने बताया कि मौजूदा ईरानी शासन को गिराने के उद्देश्य से उठाए गए किसी भी कदम के साथ-साथ एक व्यवहार्य और स्थिर वैकल्पिक सरकार का होना भी जरूरी है। ये बड़ा दावा है लेकिन इस पर सऊदी सरकार या शाही परिवार की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है। सऊदी के शाही परिवार के सूत्र की ये कथित टिप्पणियां ईरान और अमेरिका की बातचीत खत्म होने के कुछ घंटों के बाद सामने आई हैं। यह वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई थी। इसके बाद से अमेरिका और ईरान में लगातार आक्रामक बयानबाजी की जा रही है। सऊदी अरब और ईरान का रिश्ता बीते कुछ दशकों से तनावपूर्ण रहा है। दोनों में कई मौकों पर तनातनी देखने को मिली है। ये तनातनी 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका के ईरान पर हमलों के बाद बढ़ी है। ईरान ने सऊदी अरब में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है, जिससे रियाद नाखुश है। हालांकि आधिकारिक तौर पर सऊदी ने ईरान के खिलाफ बहुत आक्रामक रुख नहीं दिखाया है।

संक्षिप्त खबरें

सामने आई पाकिस्तानी की कंगाली, शांति वार्ता के लिए जिस होटल को बुक किया, उसका बिल नहीं चुकाया

पाकिस्तानी पत्रकार के कार्यक्रम में हुई मामले की पुष्टि

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने ईरान-अमेरिका शांति वार्ता के लिए जिस सेरेना होटल को बुक किया था उसका बिल नहीं चुकाया। इसके बाद होटल मालिक को अपनी जेब से पैसा भरना पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने 10–12 अप्रैल के बीच इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका के बीच शांति वार्ता की मेजबानी की थी, इस मेजबानी को पाकिस्तान अपनी बड़ी कूटनीतिक सफलता के रूप में पेश कर रहा था। इस आयोजन के लिए इस्लामाबाद के सेरेना होटल को बुक किया गया था, लेकिन आरोप है कि पाकिस्तान सरकार इस होटल का बिल चुकाने में विफल रही। स्थिति इतनी असहज हो गई कि अंततः होटल के मालिक को खुद हस्तक्षेप कर भुगतान करना पड़ा। बताया जाता है कि होटल का संबंध आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क से है, और देश की साख बचाने के लिए मालिक ने अपनी जेब से खर्च उठाया। इस घटना की पुष्टि पाकिस्तानी पत्रकार के कार्यक्रम में भी की गई, जिससे यह मामला और अधिक चर्चा में आ गया।

यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का कारण बन रहा है। जिस आयोजन को पाकिस्तान अपनी कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में प्रचारित कर रहा था, वही अब उसकी आर्थिक स्थिति और प्रशासनिक अक्षमता पर सवाल खड़े कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सरकार की यह चूक केवल एक बिल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजमर्रा के वित्तीय प्रबंधन में उसकी कमजोरी को दर्शाती है। पाकिस्तान पहले से ही गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की निगरानी में है। देश में महंगाई दर 7 से 9 प्रतिशत के बीच बनी हुई है और वित्तीय ढांचे में कई चुनौतियाँ बनी हुई हैं। इसके बाद में एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन के दौरान इस तरह की गलती ने उसकी विश्वसनीयता को और कमजोर कर दिया है।

बलूचिस्तान के रिहायशी इलाके में पाक सेना ने बरसाए बम, 12 की मौत

क्वेटा,(ईएमएस)। बलूचिस्तान में फिर पाकिस्तानी सेना की ज्यादती सुर्खियों में आ गई है। लोकल मीडिया ने सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रांत के बरखान के रिहायशी इलाके में बम बरसाए गए जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित 12 की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हुए है। वहीं, बीएलए ने भी दावा किया कि 8-12 अप्रैल के बीच अलग-अलग हमलों में आठ पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ अज्ञात हथियारबंद लोगों ने पाकिस्तानी सेना पर हमला किया, जिसमें 12 सुरक्षाकर्मी मारे गए। हमले के बाद, पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर रिहायशी इलाकों में बड़े पैमाने पर ऑपरेशन शुरू किया, जिसमें लोग मारे गए। मरने वालों में 70 साल के शख्स से लेकर 2 साल का बच्चा शामिल है। सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान एक गाड़ी के अंदर कई शव थे जिन्हें आग लगा दी गई। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई की आलोचना कर, बलूच अमेरिकन कांग्रेस के अध्यक्ष तारा चंद ने एक्स पोस्ट में लिखा, "हम इस हरकत की कड़ी निंदा करते हैं और मानते हैं कि जो भी सेना बेगुनाह आम लोगों को नुकसान पहुंचाने में शामिल है, उस सेना को ऐसी हरकतों के लिए बहुत शर्मिंदा होना चाहिए।" इस पूरे मामले को लेकर अब तक पाक सेना की ओर से कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

दूसरी ओर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने 8-12 अप्रैल के बीच अलग-अलग हमलों में 8 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। एक बयान में, बीएलएफ प्रवक्ता मेजर ग्वाहरम बलूच ने कहा कि ऑपरेशन में पाकिस्तानी मिलिट्री फोर्स, फ्रंटियर कॉर्प्स के जवानों और अवारन, दश्त, क्वेटा और चगाई में पुलिस पोस्ट को टारगेट किया गया, जबकि बरखान, झाओ और मश्के में कम्युनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी हमला किया गया।

युद्ध के चलते तेल-गैस और उर्वरकों की कीमतें लंबे समय तक रह सकती हैं ऊंची

आईएमएफ, आईईए ने बढ़ाई चिंता, आपूर्ति पहले जैसी होने में समय लगेगा

वाशिंगटन,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का असर अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहराता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), वर्ल्ड बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने चेतावनी दी है कि मौजूदा हालात के चलते तेल-गैस और उर्वरकों की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती है। इन तीनों वैश्विक संस्थाओं के प्रमुखों ने हाल ही में बैठक कर युद्ध के ऊर्जा और आर्थिक प्रभावों की समीक्षा की। संयुक्त बयान में कहा है कि संघर्ष के कारण बड़े पैमाने पर लोगों का विस्थापन हुआ है, रोजगार पर असर पड़ा है और यात्रा-पर्यटन गतिविधियां भी कमजोर हुई हैं, जिन्हें सामान्य होने में समय लगेगा। रिपोर्ट के मुताबिक इस संकट का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है लेकिन ऊर्जा आयात करने वाले और निम्न-आय वाले देश सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। तेल, गैस और उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी से खाद्य सुरक्षा और रोजगार को लेकर चिंताएं भी बढ़ गई हैं। साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई है, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो जाए लेकिन बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान के कारण आपूर्ति पहले जैसी होने में समय लगेगा। इस बीच कुछ तेल और गैस उत्पादक देशों को निर्यात राजस्व में भी भारी नुकसान हुआ है। आपूर्ति में बाधाओं के कारण कच्चे माल की कमी से ऊर्जा, खाद्य और अन्य उद्योगों पर भी दबाव बढ़ सकता है। तीनों संस्थानों ने भरोसा दिलाया है कि वे हालात पर लगातार नजर बनाए रखेंगे और जरूरत पड़ने पर प्रभावित देशों को नीतिगत सलाह और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएंगे, ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिरता की दिशा में वापस लाया जा सके।

अमेरिका में ईरान युद्ध और इजराइल को हथियार देने के खिलाफ प्रदर्शन, कई गिरफ्तार

न्यूयॉर्क,(ईएमएस)। अमेरिका में ईरान युद्ध और इजराइल को हथियार देने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों को न्यूयॉर्क पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रदर्शनकारियों ने मैनहट्टन में ट्रैफिक रोक दिया था। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर उतरकर नारेबाजी की और ट्रैफिक बाधित किया, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया है। 'ज्यूइश वॉइस फॉर पीस' के मुताबिक गिरफ्तार लोगों में चेल्सी मैनिंग, एक्टर हरि नेफ और न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल सदस्य एलेक्सा अविलेस भी शामिल हैं। इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने चक शूमर और किर्स्टन गिलिब्रैंड के दफ्तर में घुसने की कोशिश की थी, लेकिन रोके जाने पर उन्होंने सड़क पर विरोध शुरू कर दिया और 'फंड पीपल्स, नॉट बॉम्ब!' के नारे लगाए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर बसों में भरकर ले गई। बता दें ईरान के चल रही जंग में अमेरिका इजराइल को हथियार सप्लाई कर रहा है जिससे अमेरिका में लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

लेबनान के अस्पताल पर इजराइल ने बरसाए बम, कई लोगों की मौत

वाशिंगटन में होगी इजराइल-लेबनान राजदूतों की बैठक

बैरुत,(ईएमएस)। दक्षिणी लेबनान में इजराइल ने तेबनिन अस्पताल पर बम बरसाए। अस्पताल को भारी नुकसान पहुंचा है। लेबनानी न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस हमले में लोगों के हताहत होने की भी खबर है। इजराइल और लेबनान के बीच मंगलवार को वॉशिंगटन में होने वाली बैठक रात को होगी। इस बैठक में लेबनान की राजदूत नादा हमादेव इजराइल के राजदूत येचिएल लीटर शामिल होंगे। यह जानकारी अमेरिकी विदेश विभाग ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अस्पताल के गलियारों में मिट्टी और टूटे हुए कांच बिखरे हैं, जबकि कई कमरों में उपकरण उलटे पड़े नजर आए। अस्पताल के बाहर खड़ी गाड़ियों को भी मलबा गिरने से नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लेबनान में इजराइली हमलों में 2,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें ज्यादातर हमले दक्षिणी इलाकों में हुए हैं। लेबनान के संस्कृति मंत्री घस्सान सलामे ने कहा है कि इजराइल के साथ होने वाली बातचीत का मुख्य मकसद हमलों को रोकना है। उन्होंने इसे शुरुआती पहल बताया है। सलामे ने कहा कि यह राजदूत स्तर की बैठक होगी।

युद्ध जारी रहा तो ऐसी सैन्य ताकत का इस्तेमाल करेंगे जो दुश्मन सोच भी नहीं सकता

आईआरजीसी के प्रवक्ता ने कहा- हमने अभी तक अपनी सैन्य क्षमताओं का इस्तेमाल नहीं किया

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका और इज़राइल के साथ युद्ध जारी रहता है, तो वह अपनी नई सैन्य क्षमताओं का उपयोग करेगी। आईआरजीसी के प्रवक्ता हुसैन मोहब्बी ने कहा कि हमने अभी तक अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल नहीं किया है और यदि युद्ध जारी रहता है, तो हम ऐसी क्षमताओं को सामने लाएंगे जिनके बारे में दुश्मन सोच भी नहीं सकता है।

इस बीच ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रज़ा तलाएनिक ने कहा है कि ईरानी सशस्त्र बलों की क्षमताएं लगातार बढ़ रही हैं और उनके पास भविष्य में आक्रामक और रक्षात्मक अभियानों को जारी रखने के लिए पर्याप्त मिसाइलें, ड्रोन, हथियार, गोला-बारूद और अन्य सैन्य उपकरण मौजूद हैं। यह जानकारी समाचार एजेंसी ने ईरान की आधिकारिक एजेंसी के हवाले से दी। सोमवार को ही, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने एक्स पर लिखा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर नाकाबंदी थोपने की अमेरिकी कोशिश वैश्विक अर्थव्यवस्था के खिलाफ "चुनिंदा बदला" है। ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों ने शनिवार और रविवार तड़के इस्लामाबाद में मध्य पूर्व में तनाव कम करने के लिए लंबी वार्ता की थी। 40 दिनों की लड़ाई के बाद ईरान, अमेरिका और इज़रायल के बीच बुधवार को घोषित युद्धविराम के बाद ये बातचीत हुई, जो बेनतीजा रही। इससे पहले सोमवार को अमेरिकी सेना ने सभी ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों की नाकाबंदी शुरू करने की घोषणा की और कहा कि केवल गैर-ईरानी बंदरगाहों के बीच यात्रा करने वाले जहाजों को ही होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी जाएगी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर चेतावनी दी कि यदि कोई ईरानी जहाज नाकाबंदी के करीब आता है, तो अमेरिकी सेना उसे "नष्ट" कर देगी।

ट्रंप ने कहा कि ईरान की नौसेना समुद्र की गहराई में पड़ी है, पूरी तरह 158 जहाज तबाह हो चुके हैं, जिन पर हमने हमला नहीं किया है, वे उनके कुछ 'फास्ट अटैक शिप्स' हैं क्योंकि हमने उन्हें बड़ा खतरा नहीं माना। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इनमें से कोई भी जहाज हमारी नाकाबंदी के पास आता है, तो उसे तबाह कर दिया जाएगा, उसी तरीके से जैसा हम समुद्र में नावों पर ड्रग तस्करों के खिलाफ करते हैं।

इजरायल के अटैक के बीच बड़ा एक्शन!

अचानक लेबनान आर्मी के साथ भारत की बड़ी मुलाकात

बेरुत (ईएमएस)। इजरायल के हमलों के बीच लेबनान की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। दक्षिणी लेबनान में सैन्य गतिविधियां तेज हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव और अस्थिरता बढ़ गई है। इन हालात में भारत और लेबनान के बीच हुई हालिया मुलाकात ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा है। यह बैठक तब हुई है जब देश राजनीतिक संकट, आर्थिक बदहाली और सीमा संघर्षों से जूझ रहा है। भारत के राजदूत नूर रहमान शेख और डिफेंस अटैशे कर्नल मोहम्मद रजा ने लेबनानी सशस्त्र बलों के कमांडर जनरल रोपेल हैकिल से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग, विशेष रूप से क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग) और सुरक्षा मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन "यूनाइटेड नेशंस इंटरिम फोर्स इन लेबनान (यूएनआईएफआईएल)" में भारत की भूमिका को भी प्रमुखता से रेखांकित किया गया। भारत लंबे समय से यूएनआईएफआईएल मिशन का सक्रिय हिस्सा रहा है और उसके सैनिक लेबनान में शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारतीय जवान न केवल सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी करते हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों के साथ जुड़कर मानवीय सहायता भी प्रदान करते हैं। भारत का मानना है कि स्थायी शांति केवल सैन्य बल से नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों के विश्वास और सहयोग से ही संभव है। हालांकि, यूएनआईएफआईएल के सामने कई चुनौतियां हैं। क्षेत्र में इजरायल और हिजबुल्ला के बीच समय-समय पर होने वाली झड़पें शांति प्रयासों को प्रभावित करती हैं। इसके अलावा, हाल के हमलों में शांति सैनिक भी निशाने पर आए हैं, जिससे उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। भारतीय बटालियन को भी कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित संसाधनों और कभी-कभी स्थानीय विरोध जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद, भारतीय सैनिक अपने अनुशासन और पेशेवर रवैये के लिए जाने जाते हैं और हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

खुद को यीशु मसीह के रूप में दिखाने पर घिरे ट्रंप, विवाद के बाद हटाई सोशल मीडिया पोस्ट

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चौतरफा आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। इस पोस्ट में ट्रंप को कथित तौर पर ईसा मसीह (यीशु) के रूप में चित्रित किया गया था। मामला बिगड़ता देख राष्ट्रपति ने न केवल उस तस्वीर को अपने अकाउंट से हटा दिया, बल्कि इस पर अपनी सफाई भी पेश की। हालांकि, उनकी सफाई ने विवाद को शांत करने के बजाय एक नई बहस को जन्म दे दिया है। दरअसल, रविवार देर रात साझा की गई इस तस्वीर में डोनाल्ड ट्रंप को एक दिव्य चोगा पहने दिखाया गया था, जिनके पीछे से अलौकिक रोशनी निकल रही थी और वे किसी बीमार व्यक्ति को ठीक करते हुए नजर आ रहे थे। इस तस्वीर को देखते ही ईसाई समुदाय और राजनीतिक गलियारों में तीखी प्रतिक्रिया शुरू हो गई। आलोचकों का कहना है कि ट्रंप खुद की तुलना ईश्वर से करके धार्मिक भावनाओं का अपमान कर रहे हैं। जब एक पत्रकार ने उनसे इस तस्वीर के बारे में सवाल पूछा, तो ट्रंप ने स्वीकार किया कि उन्होंने ही इसे पोस्ट किया था, लेकिन उन्होंने इसे यीशु की तस्वीर मानने से इनकार कर दिया।

ट्रंप ने अपनी सफाई में कहा, मुझे लगा कि यह मैं एक डॉक्टर के रूप में हूँ और रेड क्रॉस के कार्यकर्ता के तौर पर वहां लोगों की सेवा कर रहा हूँ। यह तस्वीर मुझे लोगों का इलाज करते हुए दिखा रही है, और हकीकत में भी मैं लोगों को ठीक करने का काम करता हूँ। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि वे रेड क्रॉस जैसे संस्थानों का समर्थन करते हैं और तस्वीर को उन्होंने इसी संदर्भ में देखा था।

यह विवाद ऐसे समय में आया है जब ट्रंप और वेटिकन के बीच तनाव पहले से ही बढ़ा हुआ है। तस्वीर पोस्ट करने से कुछ घंटे पहले ही ट्रंप ने पोप लियो पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने पोप की विदेश नीति को भयानक बताते हुए आरोप लगाया कि वे ईरान के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं और कट्टरपंथी वामपंथियों के साथ गठबंधन कर रहे हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस से दिए अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि वे ऐसे धर्मगुरु का समर्थन नहीं कर सकते जो ईरान के परमाणु हथियारों पर मौन रहे या वेनेजुएला जैसे देशों में अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना करे। ट्रंप और पोप के बीच का यह टकराव अब राजनीतिक से कहीं अधिक व्यक्तिगत और वैचारिक होता जा रहा है। फिलहाल, तस्वीर को हटाए जाने के बाद भी अमेरिका में धार्मिक और राजनीतिक ध्रुवीकरण तेज हो गया है।

होर्मुज में अमेरिकी नाकेबंदी से सऊदी अरब की बढ़ी चिंता, खाड़ी देशों पर मंडराया आर्थिक संकट

रियाद,(ईएमएस)। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव के बीच घोषित दो हफ्ते के युद्धविराम के दौरान भी शांति स्थापित होती नहीं दिख रही है। दोनों पक्षों के बीच सीधे हमलों पर तो विराम लगा है, लेकिन सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर खींचतान चरम पर पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य में अब तक की सबसे घातक नौसैनिक नाकेबंदी शुरू कर दी है। अमेरिका के इस कड़े कदम ने न केवल ईरान की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, बल्कि खाड़ी देश सऊदी अरब के लिए भी बड़ा सिरदर्द पैदा कर दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने होर्मुज क्षेत्र में अपने सबसे उन्नत फाइटर जेट्स और युद्धपोत तैनात कर दिए हैं, जिसका उद्देश्य ईरान के तेल निर्यात और समुद्री व्यापार को पूरी तरह ठप करना है। हालांकि, सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देश इस घेराबंदी का विरोध कर रहे हैं। सऊदी अरब लगातार अमेरिका पर दबाव बना रहा है कि वह इस सैन्य नाकेबंदी को तुरंत हटाए और बातचीत की मेज पर वापस लौटे। खाड़ी देशों को इस बात का गहरा डर सता रहा है कि यदि अमेरिका ने ईरान को कोने में धकेला, तो ईरान जवाबी कार्रवाई के तौर पर उनके वैकल्पिक व्यापारिक रास्तों को भी बंद कर सकता है। सऊदी अरब की मुख्य चिंता बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य और लाल सागर के रास्तों को लेकर है। वर्तमान में होर्मुज में जारी तनाव के कारण सऊदी अरब अपना अधिकांश तेल (लगभग 70 लाख बैरल प्रतिदिन) लाल सागर के रास्ते निर्यात कर रहा है। सऊदी अरब को आशंका है कि अमेरिका की घेराबंदी से तिलमिलाकर ईरान अपने सहयोगी हूती विद्रोहियों को लाल सागर में सक्रिय कर सकता है। यदि हूतियों ने बाब अल-मंदेब को निशाना बनाया या वहां नाकेबंदी की, तो सऊदी अरब का पूरा तेल निर्यात ठप हो जाएगा, जो उसकी अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका होगा। सऊदी अरब के अधिकारियों का मानना है कि घेराबंदी जारी रखने से पूरा क्षेत्र एक भीषण युद्ध की चपेट में आ सकता है। वे चाहते हैं कि अमेरिका लचीला रुख अपनाए ताकि ईरान के साथ सार्थक बातचीत हो सके। दूसरी ओर, ईरान ने भी संकेत दिए हैं कि यदि नाकेबंदी हटाई जाती है, तो वह लंबित मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। फिलहाल, सोमवार सुबह से शुरू हुई अमेरिकी नौसेना की इस आक्रामक कार्रवाई ने वैश्विक तेल बाजार और खाड़ी देशों की सुरक्षा नीति को असमंजस में डाल दिया है। अमेरिका की इस अधिकतम दबाव की नीति का परिणाम आने वाले दिनों में पूरे विश्व की ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है।

मलक्का जलडमरूमध्य पर बढ़ी भू-राजनीतिक हलचल अमेरिका-इंडोनेशिया समीकरण से चीन पर दबाव

जकार्ता,(ईएमएस)। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज होती दिख रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इंडोनेशिया के बीच संभावित रक्षा समझौते को इस बदलते समीकरण का अहम संकेत माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इंडोनेशिया अमेरिका को अपने एयरस्पेस के उपयोग की अनुमति दे सकता है, जिससे क्षेत्र में अमेरिकी निगरानी और सैन्य उपस्थिति और मजबूत होगी। इस रणनीति का केंद्र है मलक्का जलडमरूमध्य, जो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। यह जलडमरूमध्य मलेशिया और इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के बीच स्थित है और हिंद महासागर को दक्षिण चीन सागर से जोड़ता है। दुनिया के लगभग 30 प्रतिशत तेल व्यापार और चीन के करीब 80 प्रतिशत ऊर्जा आयात इसी रास्ते से गुजरते हैं। चीन के पूर्व राष्ट्रपति हू जिंताओ ने इसे "मलक्का दुविधा" करार दिया था, जिसमें आशंका जताई गई थी कि बाहरी शक्तियां इस मार्ग को अवरुद्ध कर चीन की अर्थव्यवस्था पर दबाव बना सकती हैं। मौजूदा घटनाक्रम को उसी संदर्भ में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका का उद्देश्य केवल रक्षा सहयोग बढ़ाना नहीं, बल्कि इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर अपनी पकड़ मजबूत करना है। इससे हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर के बीच होने वाली गतिविधियों पर करीबी नजर रखी जा सकेगी। इस पूरे परिदृश्य में भारत की भूमिका भी अहम मानी जा रही है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की भौगोलिक स्थिति मलक्का जलडमरूमध्य के बेहद करीब है, जिससे भारत को इस क्षेत्र में सामरिक बढ़त मिलती है। भारतीय नौसेना और वायुसेना की मौजूदगी यहां समुद्री गतिविधियों की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

चीन में शीर्ष नेताओं की बर्खास्तगी का क्रम जारी

भारत में राजदूत रहे वेइदॉन्ग को पद से हटाया

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में हाल के महीनों में वरिष्ठ अधिकारियों की बर्खास्तगी का सिलसिला तेज हुआ है। इसी कड़ी में भारत में पूर्व राजदूत रह चुके सुन वेइदॉन्ग को उप-विदेश मंत्री के पद से हटाया गया है। यह फैसला चीन के मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा संक्षिप्त आधिकारिक नोटिस के माध्यम से घोषित किया गया, जिसमें स्टेट काउंसिल के निर्णय का हवाला दिया गया। हालांकि, इस कार्रवाई के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। सुन वेइदॉन्ग की आखिरी सार्वजनिक गतिविधियां मार्च के मध्य में दर्ज की गई थीं, जब उन्होंने ब्रुनेई और मलेशिया के राजदूतों से मुलाकात की थी। इसके अलावा, हाल ही में पाकिस्तान के राजदूत के साथ उनकी बैठक का उल्लेख मिलता है। चीन में इस तरह की अचानक बर्खास्तगी आमतौर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई या संभावित जांच का संकेत मानी जाती है, हालांकि आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की जाती। इस नोटिस में एक अन्य अधिकारी, एन लुशेंग, को भी नेशनल रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन में उप-निदेशक पद से हटाने की बात कही गई है। यह घटनाएं चीन में चल रहे व्यापक भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान के संदर्भ में देखी जा रही हैं, जिसे राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2012 में सत्ता में आने के बाद शुरू किया था।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू मैच में ही तीन विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

हैदराबाद (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने डेब्यू मैच में ही पहले ओवर में तीन विकेट लेकर प्रफुल्ल हिंगे ने एक नया रिकार्ड बनाया है। प्रफुल ने वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को आउट कर सभी को हैरान कर दिया। इसके साथ ही वह आईपीएल इतिहास में पहले ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने मैच के पहले ओवर में तीन विकेट लिए हैं। हिंगे विदर्भ की ओर से खेलते हैं। इस गेंदबाज ने 13 साल की उम्र से ही गेंदबाजी को बेहतर बनाने का प्रयास शुरु कर दिया था। वह साइकिल से अभ्यास के लिए जाते थे और कई बार स्कूल भी देर से पहुंचते थे। 16 साल की उम्र में उन्हें विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन (वीसीए) अकादमी में प्रवेश लिया। वहीं 19 साल की उम्र में उन्होंने अंडर-19 ट्रायल्स में 36 विकेट लेकर सबको हैरान कर दिया। प्रफुल्ल शुरुआत में बल्लेबाज बनना चाहता थे पर उनके पिता ने कहा कि उसे गेंदबाज बनना चाहिये। पिता की बात मानना इस गेंदबाज के लिए फायदेमंद साबित हुआ और पहले मैच में ही वह सफल रहे। इस युवा की सफलता में परिवार की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पिछले तीन साल से वह आईपीएल के लिए प्रयास कर रहे थे पर चयन नहीं हो रहा था। हैदराबाद ने जब उनको 30 लाख रुपये में खरीदा जिससे उन्हें आईपीएल खेलने का अवसर मिला।"प्रफुल्ल ने आईपीएल चयन के लिए बहन की शादी के दिन भी अभ्यास किया। बहन की शादी के दिन वह मुंबई टीम के लिए ट्रायल्स दे रहे थे। बहन की शादी के रिसेप्शन के दिन प्रफुल्ल हैदराबाद की टीम के लिए चल रहे ट्रायल्स में शामिल हुए।" फर्स्ट क्लास मैचों में 27 विकेट लेकर प्रफुल ने अपने को साबित किया। पिछले साल नवंबर में तमिलनाडु के खिलाफ रणजी मैच के बाद वरुण आरोन ने उन्हें एसआरएच ट्रायल के लिए बुलाया। इसमें उन्होंने पांच विकेट लिए।

कमिंस आज फिटनेस टेस्ट पास हुए तो 17 को सनराइजर्स से जुड़ेंगे

हैदराबाद (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस 17 अप्रैल को अपनी टीम से जुड़ने की संभावना है। ऐसे में वह 18 अप्रैल को होने वाले मैच में खेल सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कमिंस बुधवार को फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे। अगर वह इसे पास कर लेते हैं तो उनको खेलने की अनुमति मिल जाएगीहै। उम्मीद है कि कमिंस 17 अप्रैल को हैदराबाद लौट आएंगे। आईपीएल सीज़न शुरू होने से पहले, कमिंस ने उम्मीद जताई थी कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह टूर्नामेंट के दूसरे चरण में खेलेंगे। उन्होंने कहा था, मैं वापस गेंदबाजी कर रहा हूं। फिलहाल मैं हर तीसरे दिन गेंदबाजी कर रहा हूं। इसलिए उम्मीद है कि अगर सब कुछ इसी प्रकार चला तो मैं दूसरे हाफ के साथ-साथ फाइनल भी खेल पाऊंगा। कमिंस 27 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पहले मैच से एक दिन पहले ही भारत पहुंचे थे। इसके बाद, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ दूसरे मैच के बाद 2 अप्रैल को वह ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे। कमिंस अगर वापसी करते हैं तो ये सनराइजर्स के लिए राहत की बात होगी। उनकी कप्तानी और अनुभव से टीम का हौंसला बढ़ेगा। अभी उनके नहीं होने से ईशान किशन टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

धोनी फिट हुए, 19 अप्रैल को सनराइजर्स के खिलाफ मैच से कर सकते हैं वापसी

मुम्बई (ईएमएस)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी फिट हो गये हैं और उनके 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होने वाले मैच से वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी के नहीं होने से सीएसके काफी कठिन हालातों से गुजर रही है। उसे शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में धोनी के प्रशंसक चाहते हैं कि वह शीघ्र वापसी करें। प्रशंसकों को उम्मीद थी वह वह मंगलवार को केकेआर के खिलाफ मैच में उतरेंगे पर प्रबंधन ने इससे इंकार करते हुए कहा था कि वह धोनी की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।44 साल के धोनी 2026 सत्र की शुरुआत से ही पिंडली की चोट परेशान रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके टीम में नेतृत्व क्षमता और फिनिशिंग की कमी दिखी। इसी कारण सीएसके इस बार अंक तालिका में भी काफी नीचे है। उनके नहीं होने से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन निभा रहे हैं। सीएसके की मेडिकल टीम धोनी को जल्दबाजी में पूरी समय मैदान पर उतारने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती है। एमएस धोनी 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेल सकते हैं पर ये तय है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उतरेंगे। वैसी भी धोनी पिछले आईपीएल सत्र से ही अंतिम ओवरों में उतरने के बाद भी मैच का रुख बदल देते हैं।

आईपीएल डेब्यू में पहली ही गेंद पर विकेट लेने का रिकार्ड है ईशांत के नाम
मुम्बई (ईएमएस)। आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र चल रहा है। साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही आईपीएल के इस सत्र में कई नये रिकार्ड बने हैं। इस लीग में डेब्यू करते ही पहले ही मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने का बड़ा रिकार्ड तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा के नाम है। आईपीएल इतिहास को ये पहला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बैंग्लोर (आरसीबी) के बीच खेला गया था। इसमें ईशांत ने अपने पहले ओवर की पहली ही गेंद पर आरसीबी के कप्तान राहुल द्रविड़ को आउट कर पेवेलियन भेज दिया। द्रविड़ इस मैच में 3 गेंदों पर 2 रन ही बना पाये। इस मुकाबले में आरसीबी की टीम केवल 82 रन ही बना पायी। इस दौरान प्रवीण कुमार के अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज दो अंकों से ऊपर नहीं जा पाया। इस मैच को अंत में केकेआर ने जीता।

पोलार्ड को डगआउट से चिल्लाते देख प्रशंसकों को याद आया टेप वाला मैच

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसबी) के बीच में मुंबई के डगआउट में बैठे बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड को देखकर प्रशंसकों को एक दशक पहले का वो रोमांचक मुकाबला याद आ गया, जब पोलार्ड मुंह पर टेप लगाकर मैदान पर उतरे थे। पोलार्ड ने तब अपने मुंह पर टेप अंपायर के टोकने पर विरोध जताते हुए लगा दिया था। साल 2015 में हुए इस मुकाबले में पोलार्ड की हरकतों से आरसीबी के हाथ आई जीत फिसल गयी थी।

तब बैंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन बनाये थे। ऐसे में आरसीबी को जीत के लिए 211 रनों का लक्ष्य मिला था। मुम्बई जानती थी कि क्रिस गेल के रहते ये लक्ष्य बचाना संभव नहीं है। ऐसे में मुंबई को पता था कि गेल को रोकना है तो उनकी एकाग्रता तोड़नी होगी। ऐसे में मिड-ऑन पर फील्डिंग कर रहे पोलार्ड लगातार कुछ न कुछ बोलते रहे। यहां तक कि बहस होने पर पोलार्ड ने गेल का हेलमेट ही पकड़ लिया। तभी ऐसे में अंपायरों ने हस्तक्षेप कर पोलार्ड को कड़ी चेतावनी दी गई।इससे नाराज पोलार्ड ने एक भूरा टेप अपने मुंह पर लगा लिया। साथी खिलाड़ी से बात करते समय वह टेप हटाते थे और फिर वो दोबारा लगा लेते थे।

पोलार्ड की इस अजीब हरकत से सभी हंसने लगे पर इस सबसे से गेल की एकाग्रता टूट गयी। इससे वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाये और 24 गेंदों पर केवल 10 रन बना पाए। इससे टीम शुरुआत में ही रन रेट में पिछड़ गयी और अंत में मैच उसके हाथ से निकल गया। इस मैच में पोलार्ड के इस प्रकार टेप लगाकर खेलने के आलोचना भी हुई थी और कहा जा रहा था कि ये क्रिकेट की भावना के विपरीत है। .

90 के स्कोर पर केकेआर को लगा छठा झटका, रिंकू सिंह सस्ते में आउट, नूर को मिली सफलता

चेन्नई । आईपीएल 2026 में आज कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से हो रहा है। दोनों टीमों का प्रदर्शन अब तक इस सीजन अच्छा नहीं रहा है और ये अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही हैं। आज देखना दिलचस्प होगा कि केकेआर जीत का खोल पाती है या नहीं।

कैमरन ग्रीन खाता खोले बिना आउट हो गए हैं। नूर ने लगातार दूसरी गेंद पर केकेआर को झटका दिया है। नूर ने पहले रहाणे को आउट किया और फिर ग्रीन को बोल्ड कर पवेलियन की राह दिखाई। नूर हालांकि, हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। केकेआर को कप्तान अंजिक्य रहाणे के रूप में चौथा झटका लगा है। रहाणे नूर की गेंद पर आउट हुए। रहाणे 22 गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए।

अकील हुसैन ने अंगकृष रघुवंशी को आउट कर केकेआर को तीसरा झटका दिया है। रघुवंशी और रहाणे के बीच तीसरे विकेट के लिए 50 रनों की साझेदारी हुई। रघुवंशी 19 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए।

रहाणे और अंगकृष रघुवंशी के बीच साझेदारी पनप रही है जिससे केकेआर का स्कोर 50 रन के पार पहुंच गया है। सीएसके को अब तक दो सफलताएं मिल चुकी हैं।

खलील अहमद ने सुनील नरेन को आउट कर केकेआर को दूसरा झटका दिया है। नरेन को एक बार जीवनदान मिला था, लेकिन वह उसका फायदा नहीं उठा सके और 17 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए।

केकेआर को फिन एलेन के रूप में पहला झटका लगा है। एलेन तीन गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हुए। एलेन को अंशुल कंबोज ने अपना शिकार बनाया

बेंगलुरु या न्यू चंडीगढ़ में खेले जा सकते हैं आईपीएल प्लेऑफ

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए अभी मैच स्थल घोषित किये जाने हैं। इसके लिए बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ सबसे आगे माने जा रहे हैं। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल अंतिम चरण की मेजबानी के लिए कई बातों पर विचार कर रही है। कई राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए कार्यक्रम की घोषणा में भी देर हो रही है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं हालांकि अंतिम फैसला कई बातों को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। इसमें लॉजिस्टिक्स, यात्रा की व्यवस्था, ब्रॉडकास्ट की जरूरतें आदि भी इसमें शामिल हैं।आईपीएल के इस सत्र में कुल 74 मैच खेले जाने हैं। जिसमें 70 मैच 13 अलग-अलग स्थलों पर होंगे। इनमें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, न्यू चंडीगढ़, लखनऊ, अहमदाबाद, गुवाहाटी, रायपुर और धर्मशाला शामिल हैं। अब तक बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुल पांच लीग मैच हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इस बार अपने दो घरेलू मैच रायपुर में खेलेगी। वहीं पंजाब किंग्स को अपने चार मैच घरेलू मैदान मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में खेलने हैं।

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड और लीड्स यूनाइटेड के खिलाड़ी।

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

मुम्बई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है।उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है।

उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं। ऐसे में टीम को बचे हुए 10 में से सात मैच जीतने होंगे। तभी वह शीर्ष चार में पहुंच सकती है। पहले सत्र में भी मुंबई इंडियंस ने शुरुआती झटकों के बाद वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनायी थी।

बीसीसीआई ने रॉल्यल्स के मैनेजर रोमी को नोटिस दिया

डगआउट के अंदर मोबाइल के उपयोग पर मांगा जवाब

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी ईकाई ने डगआउट के अंदर फोन का प्रयोग करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को नोटिस भेजकर एक दिन में जवाब मांगा है। रोमी को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मैच में डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते हुए देखा हुआ था जबकि इसपर प्रतिबंध है। मोबाइल का उपयोग केवल ड्रेसिंग रुप में ही किया जा सकता है। गुवाहाटी में रोमी की मोबाइल का प्रयोग करते हुए की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई थी जिसके बाद से ही उनपर कार्रवाई किये जाने की मांग हो रही थी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी भी उनके साथ ही बैठे हुए थे। आईपीएल प्रोटोकॉल में साफ तौर पर कहा गया है कि टीम मैनेजर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं पर डगआउट में नहीं, ऐसा करना नियमों के खिलाफ हैं। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने रोमी से 24 घंटे के अंदर यह बताने को कहा है कि उन्होंने मोबाइल का इस्तेमाल क्यों किया। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि रोमी ने मेडिकली इमरजैंसी के कारण मोबाइल का इस्तेमाल किया था। इसका कारण है कि उनके फेफडे हो गये हैं जिसके कारण वह पिछले दिनों वेंटिलेशन पर भी थे। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

अभिषेक, दीप्ति सहित छह भारतीय क्रिकेटरों को मिले विजडन अवार्ड

लंदन (ईएमएस)। अभिषेक शर्मा और दीप्ति शर्मा सहित छह भारतीय क्रिकेटरों ने विजडन अल्मनैक 2026 पुरस्कारों में 9 में से 7 पुरस्कार जीते हैं। अभिषेक शर्मा को वर्ष का टी20 पुरुष क्रिकेटर। वहीं दीप्ति को वर्ष की महिला क्रिकेटर का अवार्ड मिला है। अभिषेक ने साल 2025 के सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस सत्र में उन्होंने 21 मैचों में 193 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं दीप्ति ने पिछले साल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप में 22 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस ऑलराउंडर के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। दीप्ति ने 9 मैचों में 3 अर्धशतकों की मदद से 215 रन भी बनाए थे।

इसके अलावा भारत के शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को भी इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शामिल किया गया है।

इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुने गये हैं। उनके अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे को भी चार भारतीय खिलाड़ियों के साथ वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में भी जगह मिली है। शुभमन को पिछले साल टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड दौरे पर सबसे अधिक 754 रन बनाए और पांच मैचों की सीरीजको 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका के लिए पुरस्कार दिया गया । जड़ेजा ने भी पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। जडेजा ने सीरीज में 5 अर्धशतक भी लगाये थे, जिसमें मैनचेस्टर में खेली गई उनकी शतकीय पारी भी शामिल है। उन्होंने 86 के औसत से 516 रन बनाए थे। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस सीरीज में सबसे अधिक 23 विकेट लिए जबकि ऋषभ ने 479 रन बनाए थे।

सैमसन को मिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मिला है। सैमसन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में शानदार रहा है। उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप 2026 में भी भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सैमसन को पहली बार ये खिताब मिला है। सैमसन ने टी20 विश्वकप में लगातार तीन अर्धशतक लगाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेऑफ में उन्होंने 97 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़े अंतर से जीत दिलायी थी। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन बनाए। वहीं फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 89 रनों की पारी खेली थी। सैमसन ने आईसीसी अवार्ड मिलने पर खुशी जताते हुए कहा है कि ये उनके लिए एक सुखद अनुभव है। साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप की जीत में योगदान देना मेरा सपना था जो पूरा हुआ है। इस अवॉर्ड की दौड़ में सैमसन के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइज़न भी शामिल थे।

इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारे जाने से खुश नहीं थे वैभव : पैनी

चेन्नई (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स के सहायक कोच ट्रेवर पैनी ने खुलासा किया है कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में वैभव सूर्यवंशी इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में उतारे जाने से नाराज थे। वैभव इस मैच में अपना खाता भी नहीं खोल पाये थे जबकि इसके पहले के सभी मैचों में उन्होंने जमकर रन बनाये थे। पैनी के अनुसार वैभव इसलिए नाराज थे क्योंकि इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारे जाने के कारण उन्हें फील्डिंग का अवसर भी नहीं मिला। पैनी ने कहा, "पिछले मैच में जब वैभव को फील्डिंग का अवसर नहीं मिला तो वह नाराज हो गया क्योंकि उसे फील्डिंग करना बहुत पसंद है। इस मैच में टीम संयोजन को देखते हुए वैभव को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा गया। "इस मैच में प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की जबरदस्त गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स के साथ से जीत फिसल गयी। रॉयल्स की टीम 159 रन ही बना पायी। वहीं सनराइजर्स ने कप्तान ईशान किशन की 44 गेंद में 91 रनों की पारी से 6 विकेट पर 216 रन बनाये थे। इस जीत के साथ रॉयल्स की चार मैचों की जीत का सिलसिला टूट गया। रॉयल्स हालांकि इस जीत के बाद भी अंक तालिक में नंबर एक पर है।

आयरलैंड के खिलाफ टी20 में मिल सकती है वैभव को जगह

सबसे कम उम्र में डेब्यू का सचिन का रिकार्ड टूटेगा

मुम्बई (ईएमएस)। वैभव सूर्यवंशी को शीघ्र ही भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिल सकती है। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे वैभव को जून में आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। वैभव इसी के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाल सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी वैभव की उम्र केवल 15 साल है। अगर उन्हें टीम में जब मिलती है तो वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ देंगे। सचिन ने साल 1989 में 16 साल और 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ कराची में अपना टेस्ट डेब्यू में किया था। वहीं कुल मिलाकर देखें तो शेफाली वर्मा भारत के लिए खेलने वाली सबसे युवा क्रिकेटर हैं, जिन्होंने 15 साल, 7 महीने और 27 दिन की उम्र में ये उपलब्धि हासिल की थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी के अनुसार वैभव आयरलैंड दौरे के लिए दावेदारों में शामिल हैं, और चयनकर्ताओं ने उनके नाम पर भी विचार किया है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को दो मैचों की टी20आई सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का पहला 26 जून को बेलफास्ट में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। अगर वैभव इस दौरे में सफल रहते हैं तो उन्हें आगामी आयरलैंड सीरीज के साथ-साथ इस साल के अंत में होने वाले ज़िम्बाब्वे दौरे के लिए शामिल किया जा सकता है।

आईपीएल में इस बार विकेटों के लिए तरस रहे बुमराह

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। बुमराह की गेंदों को खेलना अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के लिए भी कठिन रहा है पर इस सत्र में वैभव सूर्यावंशी जैसे उभरते हुए बल्लेबाज ने भी उनपर जमकर चौके छक्के लगा दिये हैं। पिछले चार मैचों मैचों से बुमराह विकेट के लिए तरस रहे हैं। ये पहली बार है जब बुमराह इतने कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले मैच में भी बुमराह ने विकेट के लिए पूरा जोर लगा दिया पर असफल रहे। इस मैच में बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। आरसीबी के खिलाफ टक्कर से पहले बुमराह को पहले तीन मैचों में भी विकेट नहीं मिला था। पहला मैच मैच कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुआ था जिसमें बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर विकेट नहीं ले पाये। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 ओवर में 21 दिये और वह इस मैच में भी विकेट नहीं निकाल पाये। तीसरे मैच में बुमराह ने राजस्थान के खिलाफ तीन ओवर की गेंदबाजी की और 32 रन दिए पर इस बार भी उन्हें विकेट नहीं मिला। ऐसे में कहा जा रहा है कि आईपीएल में लगता है बुमराह का जादू समाप्त हो गया है। उनके असफल होने से मुम्बई भी लगातार तीन मैचों से हार रही है। आईपीएल में इससे पहले के सत्रां की बात करें तो बुमराह का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। साल 2013 में डेब्यू के बाद से ही उन्होंने अब तक 149 मैचों में 183 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 रन देकर 5 विकेट लेने का रहा है। ये भी कहा जा रहा है कहीं वह अपनी फिटनेस से समझौता तो नहीं कर रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके गेंद की रफ्तार थोड़ी कम दिखी। जिसे लग रहा है कि वह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाज़ी नहीं कर रहे थे। ऐसे में सवाल बड़ा ये है कि क्या बुमराह चोट छिपाकर खेल रहे है या फ्रेंचाइजी के दबाव में फिट ना होने के बावजूद मैदान पर उतर रहे हैं1 धीमी रफ्तार से गेंदबाज़ी। बुमराह ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ज्यादा समय बिताया था। वह मुंबई इंडियंस के साथ उनके पहले मैच से ठीक पहले ही जुड़े थे। ऐसे में वह अपने को थोड़ा बचाकर गेंदबाज़ी कर रहे थे जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट में कोच कर्स्टन का काफी प्रभाव पड़ा : युवराज

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट पर पूर्व कोच गैरी कर्स्टन का काफी प्रभाव रहा है। युवराज के अनुसार उनके कोच रहते हुए टीम को काफी सफलताएं मिलीं। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से कर्स्टन खिलाड़ियों को एक इकाई के तौर पर जोड़ते और उनपर भरोस दिखाते थे वह भी एक बड़ी बात थी। इसी कारण साल 2008 से 2011 के बीच टीम में काफी बदलाव आये। युवराज ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से बातचीत के दौरान कर्स्टन के कार्यकाल के दौरान सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम की प्रगति को बताया है। तब भारतीय टीम सभी प्रारुपों में तेजी से आगे बढ़ रही थी। युवराज ने एक एक वीडियो में कहा, मुझे लगता है कि उस समय कर्स्टन का बहुत बड़ा असर था। वह एक अच्छे इंसान थे। हमें एक अच्छे इंसान की कोच के तौर पर जरूरत थी। बस हमें यही चाहिए था। इसके अलावा वह बहुत मेहनती थे। जिस दिन वह आए, उन्होंने कहा था कि अगले चार सालों में हम सभी प्रारुपों में नंबर एक पर होंगे। तब सभी हैरान थे पर अगले चार सालों में हमने ठीक वैसा ही किया। जबकि ऑस्ट्रेलिया भी उस समय अपना प्रभाव बनाए हुए थी। इससे साफ है कोच ने भारतीय क्रिकेट को एक अलग ही स्तर तक पहुंचाया। कर्स्टन का दौर भारत के सबसे सफल कार्यकाल में से एक रहा जिसमें 2011 में भारतीय टीम ने एकदिवसीय विश्वप जीता था। इसके अलावा टीम सभी प्रारुपों में शीर्ष पर पहुंची थी। युवराज ने कहा कि कोच ने खिलाड़ियों में जो आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता जतायी उससे ही ये सफलता मिली।

जामताड़ा में बाबा साहेब अंबेडकर जयंती पर प्रशासन ने अर्पित की श्रद्धांजलि, प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

जामताड़ा । भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को जामताड़ा जिले के अंबेडकर चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री निरंजन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी श्री अनंत कुमार तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्री विकास आनंद लांगुरी सहित अन्य अधिकारियों ने बाबा साहेब को नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त निरंजन कुमार ने जिलेवासियों को अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संविधान के शिल्पकार के रूप में बाबा साहेब का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने अपने पूरे जीवन में कमजोर एवं पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और समतामूलक समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने लोगों से बाबा साहेब के जीवन मूल्यों और सिद्धांतों का अध्ययन कर उनके आदर्शों पर चलने की अपील की। अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को मनाई जाने वाली अंबेडकर जयंती हमें उनके विचारों को आत्मसात करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने बाबा साहेब को स्वतंत्रता सेनानी, विधि विशेषज्ञ और महान समाज सुधारक बताते हुए उनके कार्यों को सदैव स्मरणीय और अनुकरणीय बताया। इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विकास आनंद लांगुरी, जिला शिक्षा अधीक्षक विकेश कुणाल प्रजापति, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खंडेत, अंचल अधिकारी जामताड़ा अबिश्वर मुर्मू सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने और समाज में समानता, न्याय एवं बंधुत्व की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

जामताड़ा में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती, निकली भव्य शोभा यात्रा

जामताड़ा । जामताड़ा के नवाडीह स्थित अंबेडकर क्लब द्वारा भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर वार्ड सदस्य विक्रांत दास के नेतृत्व में अंबेडकर चौक से नवाडीह मोड़ तक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। लोगों ने गुलाल लगाकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और मिठाइयों का वितरण किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने तथा समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय जनता दल ने धूमधाम से मनाई बाबा साहब भीम राव आंबेडकर की 135 वीं जयंती

जामताड़ा । जिले के नाला प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय उच्च विद्यालय परिसर में 14अप्रैल को राजद प्रखंड अध्यक्ष जयदेव घोष की अध्यक्षता में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की 135 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। मौके पर अशोक मांझी ने कहा कि बाबा साहब का जीवन सामाजिक न्याय, समानता,और अधिकारों की रक्षा के लिए संपर्पित रहा। उन्होंने कहा कि उनके विचार आज भी हमें संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए राष्ट्र सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचार सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। सामाजिक न्याय के प्रति उनकी सोच की स्वीकार्यता ही देश को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। मौके पर पूर्व प्रत्याशी सह प्रदेश सचिव अशोक मांझी,,साजित अंसारी, गणेश ठाकुर आदि उपस्थित थे।

लोयाबाद के अंबेडकर अकादमी विद्यालय में धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

लोयाबाद।लोयाबाद स्थित अंबेडकर अकादमी विद्यालय में मंगलवार को भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद रस्तोगी एवं शिक्षकों द्वारा बाबा साहेब की फ़ोटो चिन्ह पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस अवसर पर प्रधानाचार्य विनोद रस्तोगी ने बाबा साहेब के अमूल्य योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके दिखाए मार्ग पर चलना और संविधान की रक्षा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रेसिडेंट एस.एस. प्रसाद सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान सभी ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

राजद ने श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई बाबा साहब की 135वीं जयंती

सामाजिक न्याय और सामाजिक समरसता के मजबूत स्तंभ थे बाबा साहब डॉ अमरेन्द्र कुमार

दुमकाःराष्ट्रीय जनता दल की ओर से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को जिला मुख्यालय के डीसी चौक पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व राजद जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष डॉ अमरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि बाबा साहब सामाजिक न्याय और सामाजिक समरसता के सशक्त स्तंभ थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन में अन्याय, भेदभाव और असमानता के खिलाफ संघर्ष करते हुए समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार दिलाने का कार्य किया। उनका जीवन और विचार आज भी देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार थे, बल्कि दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और वंचित समाज के सच्चे मसीहा भी थे। उनके आदर्शों को आत्मसात कर ही एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज की स्थापना संभव है।कार्यक्रम में कार्यकारी जिलाध्यक्ष प्रमोद पंडित, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मो. जमील अख्तर, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष उपेंद्रनाथ मंडल, उपाध्यक्ष पानेशल टुडू, महासचिव पंकज यादव एवं ललित यादव, नगर अध्यक्ष अविनाश कुमार सिंह 'चंचल', जिला सचिव दिनेश मिश्रा, प्रदीप सिंह, बैकुंठ शर्मा, जुलकर अंसारी, सूरज कुमार दास, अमित कुमार वर्मा, रंजन कुमार, बालमुकुंद राय सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दुमका जिला कांग्रेस भवन में मनाई गई बाबा साहब भीम राव आंबेडकर जी की 135 वीं जयंती

दुमकाः दुमका जिला कांग्रेस के जिलाध्यक्ष स्टीफन मरांडी की अध्यक्षता में बाबा साहब भीम राव आंबेडकर जी की 135 वीं जयंती दुमका जिला कांग्रेस भवन में मनाई गई। इस पावन मौके पर जिलाध्यक्ष स्टीफन मरांडी कहा कि बाबा साहब का जीवन सामाजिक न्याय, समानता,और अधिकारों की रक्षा के लिए संपर्पित रहा।उन्होंने कहा कि उनके विचार आज भी हमें संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए राष्ट्र सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचार सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। सामाजिक न्याय के प्रति उनकी सोच की स्वीकार्यता ही देश को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम में दुमका जिला के पूर्व अध्यक्ष महेश राम चंद्रवंशी, मनोज अंबष्ट, शमशाद अंसारी, महबूब आलम, शहरोज शेख, अरविंद कुमार, मजीद अंसारी, रोमी इमाम, सुनील हेंब्रम, अनुज मंडल, मार्था हांसदा, विलियम टुडू, तोबियस मुर्मू, सुनील किस्कू, विमल बेसरा, कुंदन यादव, पौलुस मुर्मू, प्रीतम मंडल, दशरत मंडल, विवेक मंडल, संजय गोराई, विजय मरांडी आदि उपस्थित थे।

भीम आर्मी ने श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई बाबा साहब की 135वीं जयंती

दुमकाःबाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को दुमका शहर के अम्बेडकर चौक स्थित भारत रत्न परम पूज्य बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर जी कि आदमकद प्रतिमा पर भीम आर्मी भारत एकता मिशन दुमका की ओर से बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व भीम आर्मी भारत एकता मिशन दुमका जिलाध्यक्ष निरंजन दास ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में भीम आर्मी के सदस्यों ने भाग लिया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष निरंजन दास ने कहा कि भारत रत्न संविधान निर्माता परम पूज्य बाबा साहब सामाजिक न्याय और सामाजिक समरसता के सशक्त स्तंभ थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन में अन्याय, भेदभाव और असमानता के खिलाफ संघर्ष करते हुए समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार दिलाने का कार्य किया। उनका जीवन और विचार आज भी देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार थे, बल्कि दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और वंचित समाज के सच्चे मसीहा भी थे। उनके आदर्शों को आत्मसात कर ही एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज की स्थापना संभव है।

जामताड़ा में 'पेयजल समस्या निवारण पखवाड़ा' के तहत सघन निरीक्षण अभियान, कई चापाकल ऑन स्पॉट हुए दुरुस्त

जामताड़ा । जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त जामताड़ा रवि आनंद (भा.प्र.से.) के निर्देश पर जिले के सभी प्रखंडों की विभिन्न पंचायतों में "पेयजल समस्या निवारण पखवाड़ा" के अंतर्गत सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। आसन्न ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए संभावित पेयजल संकट के त्वरित एवं स्थायी समाधान के उद्देश्य से यह अभियान 9 अप्रैल से 18 अप्रैल 2026 तक संचालित किया जा रहा है। 14 अप्रैल 2026 को जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, परीक्ष्यमान उपसमाहर्ताओं तथा तकनीकी कर्मियों की विशेष जांच टीमों ने जामताड़ा सदर प्रखंड के बेवा, चंद्रदीपा एवं पियालसोला, नारायणपुर के टोपाटांड एवं नवाडीह, नाला के गेड़िया एवं पांजुनियाँ, करमाटांड़ के बरमुंडी एवं बरदाहा, फतेहपुर के अगैयासरमुंडी तथा कुंडहित के खाजूरी एवं भेलुवा पंचायतों में पेयजल स्त्रोतों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई खराब चापाकलों को अधिकारियों की मौजूदगी में ऑन स्पॉट दुरुस्त किया गया, जिससे ग्रामीणों को त्वरित राहत मिली।

साथ ही संबंधित पंचायत भवनों में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ बैठक कर पेयजल से जुड़ी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा उनके समाधान हेतु सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव पारित किए गए। अभियान के अगले चरण में 15 अप्रैल 2026 को जामताड़ा प्रखंड के दुलाडीह, बड़जोड़ा एवं सिउलीबाड़ी; नारायणपुर के डाभाकेंद्र एवं नयाडीह; नाला के मडालो एवं पाकुड़िया; करमाटांड़ के करमाटांड़ एवं ताराबहाल; फतेहपुर के सिमलडुबी एवं फतेहपुर तथा कुंडहित के नगरी एवं कुंडहित पंचायतों में सघन जांच एवं निरीक्षण किया जाएगा। यह पहल जिले में पेयजल संकट की समय रहते पहचान और उसके स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा ने मनाई बाबा साहब की जयंती, सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान

दुमकाःपिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा, संताल परगना की ओर से सोमवार को अंबेडकर चौक स्थित भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष असीम कुमार मंडल ने किया।इस अवसर पर असीम कुमार मंडल ने कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष, समर्पण और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। उनके विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं और हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर समानता आधारित समाज का निर्माण करना चाहिए।मोर्चा के केंद्रीय प्रधान महासचिव डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर का दृष्टिकोण पूर्णतः मानवतावादी था।

उनका उद्देश्य शोषित, पीड़ित एवं दलित समाज का समग्र विकास करना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना था। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के चिंतन में स्वतंत्रता, समानता, बंधुता एवं सामाजिक न्याय के मूल सिद्धांत निहित हैं, जिन्हें अपनाकर ही एक समतामूलक समाज की स्थापना संभव है। कार्यक्रम में महासचिव रंजीत जायसवाल, बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष शिव नारायण दर्बे, प्रदीप सिंह, अरुण पंजियारा, अशोक मंडल, जगबंधु मंडल, प्रमोद पंडित, पंकज यादव, मांगन बैध, ललित यादव, जियाधर मंडल, बसंत बैध, बैकुंठ शर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार सहायक लैम्प्स प्रबंधक का पैर फ्रैक्चर, बाइक चालक घायल

जामताड़ा । साहेबगंज-गोविंदपुर स्टेट हाईवे पर मसलिया थाना क्षेत्र के छोटा चापुड़िया मिन्हाज बजाज शोरूम के पास सोमवार को सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए। जहां दुमका से आ रही एक मोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गई। मिली जानकारी के अनुसार जामताड़ा जिले के फतेहपुर प्रखंड अंतर्गत सिमलडूबी के मंझलाडीह निवासी 60 वर्षीय नोनीगोपाल घोष अपने चालक रामकिशन यादव के साथ दुमका से घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही वे रुद्र होटल के पास पहुंचे, बाइक चला रहे रामकिशन यादव को अचानक झपकी आ गई। इसके कारण मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे गिर पड़ी। इस दुर्घटना में पीछे बैठे नोनीगोपाल घोष गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका बायां पैर टूट गया है, जबकि बाइक चला रहे रामकिशन यादव को मामूली खरोंचें आई हैं। हादसे में मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद आसपास के स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों की सहायता की। ग्रामीणों की पहल पर 108 एम्बुलेंस को सूचना दी गई, जिसके बाद दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए दुमका स्थित फूलो झानो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया। बताया जाता है कि घायल नोनीगोपाल घोष सिमलडूबी लैम्प्स के सहायक प्रबंधक हैं और किसी कार्य से दुमका गए हुए थे। वापसी के दौरान चालक को आई झपकी इस हादसे का कारण बनी। यह घटना एक बार फिर सड़क पर सतर्कता और सुरक्षित ड्राइविंग की आवश्यकता को दर्शाती है, खासकर लंबी दूरी तय करते समय चालक को पर्याप्त आराम करना बेहद जरूरी है, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, दुमका ने मनाई बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती

दुमकाःअखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका नगर इकाई द्वारा डीसी चौक पर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर उपाध्यक्ष जितेंद्र झा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर की जयंती प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को मनाई जाती है। 14 अप्रैल 1891 को जन्मे बाबासाहेब ने भारतीय संविधान का निर्माण कर देश में समानता, सामाजिक न्याय और शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया। यह दिन वंचितों के अधिकारों और सशक्तिकरण का प्रतीक है।राकेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अंबेडकर जयंती के अवसर पर हमें उनके संघर्ष, शिक्षा और संविधान निर्माण में दिए गए योगदान को याद करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" के उनके संदेश को अपनाएं।

एबीवीपी कार्यकर्ता जूली हांसदा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर भारत के महान समाज सुधारकों में से एक थे और उनकी जयंती विश्व की सबसे बड़ी जयंती के रूप में मनाई जाती है। देशभर में लोग उनके योगदान और विचारों को याद करते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री हिमांशु कुमार दुबे, नगर अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र चंद्र गोरी, नगर उपाध्यक्ष जितेंद्र झा, आकाश कुमार, दीप तिवारी, आदित्य दास, जूली हांसदा, स्वीटी हेंब्रम, संचिता, राकेश सिंह, विशाल भगत, नीतीश, रोहित एवं सुमन सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाबा साहेब की जयंती पर महुबना के चिहरबनी में ऐतिहासिक क्षणः भव्य प्रतिमा का अनावरण, उमड़ा जनसैलाब

दुमकाःरामगढ़ प्रखंड के महुबना पंचायत अंतर्गत चिहरबनी गांव में मंगलवार को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां बाबा साहेब की भव्य प्रतिमा का अनावरण पूरे विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ।जैसे ही प्रतिमा का अनावरण हुआ, पूरा क्षेत्र "जय भीम" के नारों से गूंज उठा और माहौल पूरी तरह उत्साह एवं गर्व से भर गया। बड़ी संख्या में जुटे लोगों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में सचिन कुशवाहा ने बाबा साहेब के अमर संदेश "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" को दोहराते हुए समाज को उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं और उनके आदर्शों पर चलकर ही सशक्त भारत का निर्माण संभव है। इस भव्य आयोजन में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, कौआम पंचायत के पूर्व मुखिया आजसू नेता सपन देहरी महुबना पंचायत के उपमुखिया गौतम कुमार मांझी समाजसेवी सुरेश चंद्र मंडल, अजय कुमार मांझी, कर्पूरी ठाकुर राजेंद्र माझी एवं सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।इस आयोजन का सफल नेतृत्व कांति दास, पवन कुमार दास, सीताराम दास, मोहन दास, बीरबल दास, शंकर दास, मिट्ठू कुमार दास, ने किया, जिनके प्रयासों से यह कार्यक्रम अत्यंत सफल और यादगार बना।

जमशेदपुर में एआईएसएमजेडब्ल्यूए के नए कार्यालय का भव्य उद्घाटन, पत्रकार हितों को मिलेगा नया संबल

जामताड़ा । मंगलवार को ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन (एआईएसएमजेडब्ल्यूए) के नए कार्यालय का जमशेदपुर में भव्य उद्घाटन किया गया। समाजसेवी एवं रिफ्यूजी कॉलोनी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चेयरमैन हरमिंदर सिंह मिंदी, एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया, बंगाल प्रभारी अरूप मजूमदार, झारखंड प्रभारी शंकर गुप्ता तथा पत्रकार अन्नी अमृता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर कार्यालय का शुभारंभ किया। समारोह के दौरान राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया ने बताया कि झारखंड में पत्रकार हितों से जुड़े सभी कार्यों का केंद्र अब जमशेदपुर होगा। उन्होंने कहा कि नए कार्यालय को हाईटेक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की जा सके। इस अवसर पर राष्ट्रीय सलाहकार सह समाजसेवी हरमिंदर सिंह मिंदी ने एसोसिएशन के कार्यों की सराहना करते हुए निरंतर सहयोग का संकल्प लिया।

साथ ही, प्रीतम सिंह भाटिया ने उन्हें राष्ट्रीय सलाहकार परिषद का सदस्य मनोनीत करने की घोषणा की। झारखंड प्रभारी शंकर गुप्ता ने बताया कि संगठन पिछले 15 वर्षों से राज्य के पत्रकारों की समस्याओं—जैसे पेंशन, सुरक्षा और बीमा—को लेकर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। बंगाल प्रभारी अरूप मजूमदार ने झारखंड और बंगाल में संगठन को मजबूत करने की दिशा में चल रही योजनाओं की जानकारी दी। पत्रकार अन्नी अमृता ने कहा कि नए कार्यालय के खुलने से संगठन को और मजबूती मिलेगी। उद्घाटन समारोह में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रविंद पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण मांझी, प्रदेश सचिव चरणजीत सिंह, रांची प्रमंडल प्रभारी दिनेश बनर्जी, कोल्हान प्रमंडल प्रभारी अजय महतो, सरायकेला-खरसावां जिला अध्यक्ष दशरथ प्रधान, सचिव दीपक महतो, नवीन प्रधान, हरदीप सिंह, मनिंदर सिंह, अमनदीप सिंह सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

बस्ती पालीजोडी में धूमधाम से मनाया गया वार्षिक गांवली काली पूजा, डोल-ढाक की गूंज से भक्तिमय हुआ वातावरण

जामताड़ा । फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र के बस्ती पालीजोडी सहित आसपास के विभिन्न गांवों में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी चैत माह में मनाए जाने वाला वार्षिक गांवली काली पूजा मंगलवार को श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

यह पूजा चैत्र माह के प्रारंभ से ही प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार को आयोजित की जाती है, जो क्षेत्र में "गांवली काली पूजा" के नाम से प्रसिद्ध है। इस वर्ष पालीजोडी बस्ती में माह के अंतिम मंगलवार को पूजा का भव्य आयोजन डोल-ढाक की गूंज और भक्तिमय वातावरण के बीच किया गया। सुबह से ही काली माता के दरबार में श्रद्धालु महिला एवं पुरुषों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने दंडवत प्रणाम कर माता को फल-फूल, बेलपत्र, भोग-नैवेद्य अर्पित किए तथा परंपरा के अनुसार बकरे की बलि चढ़ाकर पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। चैती काली पूजा के तीन दिन पूर्व से ही महिलाओं द्वारा माता की संध्या आरती का आयोजन किया गया, जिससे कार्यक्रम और भी आकर्षक बन गया। देर रात तक चले इस धार्मिक आयोजन में स्थानीय महिलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे गांव में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों के अनुसार, ऐसी मान्यता है कि सच्चे मन से मां काली की आराधना करने पर भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा गांव में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।

यही कारण है कि इस पूजा में दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। पूरे आयोजन को सफल बनाने में ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा। ग्रामीणों द्वारा की गई समुचित व्यवस्था के कारण चैती काली पूजा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती पर बीसीसीएल द्वारा जयंती समारोह कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद । भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती पर आज बीसीसीएल द्वारा अंबेडकर चौक तथा सामुदायिक भवन कोयला नगर में भव्य जयंती समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम कोयला नगर स्थित अंबेडकर चौक पर हुआ, जहाँ सीएमडी श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) श्री मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री संजय कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) श्री राजेश कुमार, मुख्य सतर्कता पदाधिकारी, श्री अमन राज सहित विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि/ सीसीसी, वेलफेयर एवं सेफ्टी बोर्ड सदस्य – श्री संजीत सिंह, श्री आर.के. तिवारी, श्री कुश कुमार सिंह, श्री उमेश सिंह, श्री मुरारी तांती, श्री अर्जुन सिंह, श्री के.के. सिंह, सिस्टा के संस्थापक श्री आर.एस. राम, संस्थापक सदस्य, श्री एस.डी. दास ललन, , श्री राजकुमार कनौजिया (राष्ट्रीय महासचिव), श्री कृष्ण बल्लभ पासवान (महासचिव), श्री भोला कुमार भुइयां (अध्यक्ष, सिस्टा बीसीसीएल), श्री संजय कुमार मरांडी (कोषाध्यक्ष), श्री प्रमोद कुमार (कार्यकारी अध्यक्ष), सिस्टा के अन्य सदस्य, कोयला भवन मुख्यालय के सभी महाप्रबंधक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी-कर्मी, गणमान्य अतिथि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस दौरान संविधान झांकी को भी रवाना किया गया, जो डीआरएम चौक, कार्मिक नगर तथा शहर के अन्य मुख्य मार्गों से होते हुए कोयला नगर स्थित सामुदायिक भवन पहुँचा, जहाँ कार्यक्रम के दूसरे सत्र में में एक विचार संगोष्ठी-सह-सांस्कृतिक सभा का आयोजन किया गया। बीसीसीएल के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ तथा कोल इंडिया एस.सी/एस.टी एम्प्लाइज एसोसिएशन (सिस्टा) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सत्र में सीएमडी श्री मनोज कुमार अग्रवाल, बीसीसीएल निदेशक मंडल सहित सिस्टा के सभी वरीय पदाधिकारी-सदस्य, श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य अतिथि, बीसीसीएल कर्मी, उनके परिवारजन तथा स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। इसके उपरांत सभी मंचासीन अतिथियों का सिस्टा पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र, मोमेंटो एवं पुष्प-गुच्छ देकर स्वागत अभिनन्दन किया।

तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम में सर्वप्रथम गीतकार संजय पासवान एवं उनकी टीम द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद बिरसा मुंडा विद्यालय जगजीवन नगर की छात्राओं द्वारा नृत्य प्रस्तुति तथा पूर्वी टुंडी क्षेत्र के अंबेडकर क्लब लटानी के बच्चों द्वारा बहुजन झांकी प्रस्तुत की गयी, जिसमें क्लब के बच्चों ने माता रमाबाई, संत कबीर, भगवान बिरसा मुंडा, छत्रपति साहूजी महाराज, ज्योतिबा फूले, संत रविदास, तथागत बुद्ध एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की वेशभूषा धारण कर मंच पर अपनी प्रस्तुति दी।अपने संबोधन में सीएमडी श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सदैव एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की स्थापना के लिए संघर्ष किया।

उन्होंने वंचित और उपेक्षित वर्गों के अधिकारों हेतु अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनका दृष्टिकोण केवल सामाजिक समानता तक सीमित नहीं था, बल्कि शिक्षा, संवैधानिक अधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों को आधुनिक भारत की आधारशिला बनाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। बाबा साहब की दूरदर्शी सोच आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक है और हमें प्रेरित करती है कि हम एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करें जहाँ सभी नागरिकों को समान अवसर और सम्मान प्राप्त हो। कार्यक्रम का समापन सिस्टा संस्थापक श्री आर. एस. राम द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। मंच संचालन डॉ. रंजीता कीरो तथा जयनंदन पासवान ने संयुक्त रूप से किया।

एनएसयूआई ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उन्हें दी श्रद्धांजलि

धनबाद ,भारत के संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब के जयंती पर एनएसयूआई, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय अध्यक्ष राज रंजन सिंह अपने साथियों के साथ पुष्प अर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी । राज रंजन सिंह ने ये बताया कि बाबा साहेब ने देश को ऐसा मजबूत लोकतांत्रिक आधार दिया, जिसमें समानता, समता, न्याय और अधिकार की आत्मा बसती है। संविधान की यही ताकत शोषित, वंचित, आदिवासी एवं पिछड़े समाज के लिए आशा, सम्मान और आगे बढ़ने का सबसे बड़ा सहारा बना है।विपरीत परिस्थितियों में भी उनका संघर्ष, उनका साहस और शिक्षा के प्रति उनका समर्पण हम सबके लिए प्रेरणा का दीप है। बाबा साहेब ने सिर्फ संविधान नहीं बनाया, बल्कि देश के लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और सजग बनने की राह दिखाई। मौके पर पीके रॉय कॉलेज उपाध्यक्ष, आयुष सिंह, अभिषेक,प्रिंस कुमार, अनुराग तिवारी आदि मौजूद थे।

भारतीय संविधान के निर्माण में बाबा साहेब का अहम योगदान रहा : उप विकास आयुक्त

धनबाद , संविधान निर्माता, भारत रत्न, बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आईआईटी, आईएसएम के जीजेएलटी सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सह उप विकास आयुक्त , सन्नी राज सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में उप विकास आयुक्त ने बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को एक वैश्विक प्रेरणा बताया। उन्होंने बाबासाहेब के "एजुकेट, ऑर्गनाइज, ट्रांसफॉर्म" के संदेश को दोहराते हुए छात्रों से अपील की कि वे शिक्षा और शोध के माध्यम से खुद को सशक्त बनाएं और आगे चलकर समाज की सेवा करें।

उप विकास आयुक्त ने कहा कि बाबासाहेब का योगदान केवल सामाजिक न्याय तक सीमित नहीं था, बल्कि अर्थव्यवस्था, नीतिनिर्माण और भारतीय संविधान के निर्माण में भी उनका अहम योगदान रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी, आईएसएम के प्रो, ए.सी.एस. राव के स्वागत भाषण से हुई। जिसमें उन्होंने संस्थान के एससी,एसटी सेल के प्रयासों की सराहना की।।इस मौके पर सुश्री सुखनिंदर कौर ने डॉ, अंबेडकर पर साइटेशन प्रस्तुत किया। वहीं, रजिस्ट्रार , प्रबोध पांडेय ने डॉ, अंबेडकर के जीवन और उनके कार्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहेब की मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने छात्रों को किताबों के महत्व को समझने और उनके विचारों को अपनाने की सलाह दी।

डीन ,स्टूडेंट्स वेलफेयर, प्रो. एस.के. गुप्ता ने अपने संबोधन में लिंग, जाति और धर्म के आधार पर समानता की बात कही। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने सोच में समानता को शामिल करें, तो समाज में वास्तविक बदलाव संभव है और हमें अपने दैनिक जीवन में न्याय और समानता का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं। इससे पूरा आयोजन और भी जीवंत बना गया।

इससे पहले उप विकास आयुक्त ने अंबेडकर चौक ,डीआरएम चौक पर जिला प्रशासन की ओर से बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

बीसीसीएल की संपत्तियों की सुरक्षा हेतु सिजुआ साइडिंग क्षेत्र में सीआईएसएफ का फ्लैग मार्च

धनबाद । सिजुआ क्षेत्र (बीसीसीएल) के अंतर्गत सिजुआ साइडिंग एवं उससे जुड़े परिवहन मार्गों पर आज केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), कतरास क्षेत्र-4 द्वारा फ्लैग मार्च आयोजित किया गया। यह अभियान बीसीसीएल की संपत्तियों की सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा क्षेत्र में कोयला चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से संचालित किया गया।
फ्लैग मार्च के दौरान सीआईएसएफ के जवानों ने सिजुआ साइडिंग, आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों तथा एकेडब्ल्यूएम कोलियरी से जुड़े प्रमुख परिवहन मार्गों पर व्यापक गश्त की। इस दौरान सुरक्षा बलों की सक्रिय उपस्थिति से असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ा संदेश गया तथा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया।
बीसीसीएल प्रबंधन ने सीआईएसएफ की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी की परिसंपत्तियों एवं राष्ट्रीय संपदा की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में सीआईएसएफ के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाए जाएंगे, जिससे अवैध खनन, कोयला चोरी एवं अनधिकृत परिवहन जैसी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।
प्रबंधन ने यह भी दोहराया कि बीसीसीएल, एक केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते, देश की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देता है। अतः इसकी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन एवं सुरक्षा एजेंसियों के साथ सतत सहयोग बनाए रखा जा रहा है।

ओल्ड ऐज होम में मनी बाबा साहब 135 वीं जयंती और नीलू सिन्हा की प्रथम पुण्यतिथि

धनबाद ,मंगलवार को सबलपुर सहयोगी नगर स्थित ओल्ड एज होम में भूली निवासी समाजसेवी नीलूकांत सिन्हा की पत्नी स्वर्गीय आशा सिन्हा की प्रथम पुण्यतिथि व बाबा साहेब डॉ,भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। आश्रम में स्वर्गीय आशा सिन्हा की चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ, भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती पर उनके योगदानों को याद कर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर सभी ने नमन किया। नीलू कांत सिन्हा ने आश्रम के सभी वृद्ध जनों को स्वादिष्ट भोजन कराया गया। आश्रम अध्यक्ष नौशाद गद्दी,सदस्य सोनी एवं श्यामल ने वृद्ध जनों की सेवा में आश्रम आए सभी अतिथियों को धन्यवाद देकर स्वागत अभिनंदन किया। बाबा साहब की जयंती एवं नीलू सिन्हा की पुण्यतिथि पर वृद्धजनों की सेवा में राजू प्रसाद हाड़ी,सरजू सिंह, जितेंद्र सिंह, मिथिलेश पासवान,पंकज सिंह, सुदिस्ट कुमार, जितेंद्र कुमार, राजेंद्र पासवान, मनु प्रसाद हाड़ी,नंदकिशोर पासवान, मनमोहन सिंह, प्रवीण सिंह, दीपक महतो, धीरेंद्र प्रसाद, कृष्ण सिंह, सौरभ सिंहा,संजीव सिंह आरके प्रसाद, केपी प्रसाद प्रमोद सिंह सक्रिय थे।

आरएसएस ने सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाई अंबेडकर जयंती

धनबाद । संघ के क्षेत्र , प्रमुख अनिल ठाकुर ने कहा बाबा साहब और संघ के विचार में काफी समानताएं थीं।आज सामाजिक समरसता धनबाद के द्वारा स्थानीय कोरंगा बस्ती,धैया धनबाद में बाबा साहब डा.भीम राव अंबेडकर की 135 वीं जयन्ती आयोजित किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत बच्चो के बीच बाबा साहब के जीवन पर क्विज प्रतियोगिता के बाद बाबा साहब के ऊपर माल्यार्पण कर प्रारंभ किया गया। मंच पर कोरंगा बस्ती आये हुए अतिथि सियुती कोरंगा,फुल कुमारी देवी और नगर संघचालक अजय तिवारी और मुख्य वक्ता ने सभी को सम्मान किया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से आये हुए अनील ठाकुर क्षेत्र सम्पर्क प्रमुख बाबा भीम राव अंबेडकर की जीवन पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। मौके पर अनेक प्रतिष्ठित लोग मौजूद थे।

बाबा साहेब द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ही एक समतामूलक और सशक्त समाज का निर्माण संभव है : उपायुक्त

दुमका । भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार सहित अन्य वरीय अधिकारियों द्वारा डीसी चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त ने बाबा साहेब के विचारों एवं उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भारतीय संविधान के माध्यम से देश को सामाजिक न्याय, समानता एवं अधिकारों की सुदृढ़ नींव प्रदान की। उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ही एक समतामूलक एवं सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

राजकमल में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई

संविधान के शिल्पकार हैं बाबा साहब अंबेडकर : सुमंत कुमार मिश्रा

अंबेडकर की तरह ही शिक्षा को शक्तिशाली हथियार बनाओ : सुमंत कुमार मिश्रा

धनबाद , आज का दिन हमें समानता, न्याय और बंधुत्व के प्रति अंबेडकर के संकल्पों की याद दिलाता है। डॉक्टर अंबेडकर संविधान के शिल्पकार हैं। उन्होंने सामाजिक भेदभाव व समानता के खिलाफ लड़ाई लड़ी पर कभी भी हार नहीं मानी। उन्होंने हमें शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करते रहो का नारा दिया । उक्त बातें राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने कही। वे कलावती सभागृह में अंबेडकर की जयंती पर बच्चों को संबोधित करते हुए उक्त बातें कहा । उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है। जयंती की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर प्रारंभ हुआ। इस मौके पर उपप्राचार्य मनोज कुमार, उप प्राचार्या लीला सिंह ने भी अपने उद्गार व्यक्त किए । मंच का संचालन राकेश कुमार मिश्रा एवं सीमा सिंह ने किया। छात्र-छात्राओं ने भी अंबेडकर साहब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर बातें रखी। इनमें प्रज्ञा कुमारी, देवांश, उन्नति, अर्णा ,वंदना, तस्नीम निदा, अन्वी सिंह, प्रियांशी जायसवाल, निधि कुमारी, नीति कौर एवं शिप्रा धर के नाम प्रमुख हैं। आराधना,विजेता पाठक, रौली सक्सेना, मधु सिन्हा के साथ-साथ प्रभारी प्रतिमा चौबे, कमलनयन, पार्थ सारथी सरकार, सुमोना दीक्षित, छंदा बनर्जी, अर्चना कुमारी, मीना कुमारी इस कार्यक्रम के साक्षी बने।

केक काटकर मनाया डॉ. अंबेडकर की 135वीं जयंती, आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

धनबाद, मंगलवार को डॉ० भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर हाड़ी जाति समाज सुधार समिति समाजिक संस्था द्वारा अंबेडकर चौक पर माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही केक काटकर कार्तिक हाड़ी ने अम्बेडकर जयंती को सेलिब्रेट किया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने एकजुट होकर बाबा साहेब को नमन किया और उनके विचारों को अपनाने का संकल्प लिया। अंबेडकर चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में हाड़ी जाति समाज सुधार समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। सभी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन और उनके संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी प्रेरणादायक है।शमशेर आलम ने कहा कि डॉ, भीमराव अंबेडकर का जीवन हमें सामाजिक कुरीतियों को खत्म कर एक समान और सशक्त समाज बनाने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यकारी अध्यक्ष, कार्तिक हाड़ी ने वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए उनके संघर्षों को रेखांकित किया और समानता व भाईचारे के मार्ग पर चलने की अपील की। मौक़े पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता शमशेर आलम, कार्तिक हाड़ी,कोषाध्यक्ष विजय हाड़ी गोविन्द पुर के भोला हाड़ी, राकेश चौधरी, मंटू दास, राजू दास , इम्तियाज आलम काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

डैफोडिल्स एकेडमी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जंयती पर उत्कृष्ट स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को किया गया पुरस्कार वितरण

धनबाद । मंगलवार को डैफोडिल्स बचपन ,एकेडमी विद्यालय करकेंद, धनबाद में पूर्वाह्न8:30 बजे से संविधान निर्माता बाबा साहेब डा०भीमराव अम्बेडकर की जन्म जयंती एवं सत्र 2025,2026 की सत्रांत परीक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले छात्र,छात्राओं के लिए एक भव्य एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम संविधान के महान शिल्पकार एवं निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। तत्पश्चात विद्यालय संस्थापक स्व -चंडी चरण बनर्जी को भी नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई । विद्यालय के प्राचार्य, तापस बनर्जी ने डा०भीमराव अम्बेडकर की जीवनी एवं स्वतंत्र भारत के उत्थान में उनके द्वारा किए गए योगदानों का विस्तार से प्रकाश डाला। बारी-बारी से सभी शिक्षक गण एवं शिक्षिकाओं ने डा०भीमराव अंबेडकर के योगदानों का बखान अपने मुखारविंद से किया। तत्पश्चात छात्र, छात्राओं को पुरस्कृत करने का कार्य-क्रम प्रारंभ किया गया । वर्ग -नर्सरी से नवम वर्ग तक के सभी छात्र,छात्राओं को, जिन्होंने वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया उन्हें मेडल एवं उनके अभिभावकों को आकर्षक उपहार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।शत प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने वाले छात्र एवं छात्राओं को भी मेडल एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।विद्यालय के शिक्षक गण एवं शिक्षिकाओं को भी आकर्षक मेडल ,शिल्ड तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं में वर्ष 2025,2026, में विद्यालय में शतप्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने वालों में प्रथम स्थान -विद्यालय की शिक्षिका सुश्री देवाश्री नाहा, द्वितीय स्थान -शास्वत रंजन कर तथा तृतीय स्थान चन्दन पासवान एवं अनिल सिंह थे। विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने इन कर्मवीरों का करतल ध्वनि के साथ इनके हौसले को आफजाई किया। इस भव्य समारोह को चार चांद लगाने में विद्यालय की संगीत शिक्षिका श्रीमती मीताली चटर्जी एवं उनके पति हराधन चटर्जी ने अपने सुरीले भजन एवं गीत से उपस्थित जनमानस को मंत्र -मुग्ध कर दिया । संगीत के सुर संग्राम में इन दोनों ने ऐसा समा बांधा कि दर्शक दीर्घा तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान हो उठा । इस भव्य कार्यक्रम का संचालन विद्यालय शिक्षक प्रमोद कुमार सिन्हा एवं शिक्षिका सुमन सिंह ने किया। जबकि अध्यक्षता विद्यालय के उपप्राचार्य , देवाशीष मुखर्जी ने किया । कार्य -क्रम का समापन प्राचार्य , तापस बनर्जी के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्र -गान के साथ किया गया।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।